केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
दिसंबर 2023 – जनवरी 2024 । 292

श्रेयस
Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
December 2023 - January 2024 I 292

खुदरा बैंकिंग – एक विहंगावलोकन
Retail Banking - An Overview

केंद्रबिंदु राज्य – तमिलनाडु
State in Focus - Tamil Nadu

दिनांक 01.01.2024 को एमडी व सीईओ श्री के सत्यनारायण राजु द्वारा डाटा एंड एनालिटिक्स (डीएनए) केंद्र का उद्घाटन किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री अशोक चंद्र, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया एवं श्री भवेंद्र कुमार भी तस्वीर में नज़र आ रहे हैं।

Data and Analytics (DnA) Centre being inaugurated by MD&CEO Sri. K Satyanarayana Raju on 01.01.2024. EDs Sri. Debashish Mukherjee, Sri. Ashok Chandra, Sri. Hardeep Singh Ahluwalia and Sri. Bhavendra Kumar also seen in the picture.

रुपये 100000 करोड़ के कारोबार को पार करने पर प्राथमिकता साख विभाग की सफलता का जश्न मनाने के लिए उपस्थित एमडी व सीईओ श्री के सत्यनारायण राजु, कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री अशोक चंद्र, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया एवं श्री भवेंद्र कुमार, श्रीमती के ए सिंधु, म.प्र., प्रा. सा. विभाग तथा अन्य अधिकारीगण।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju, EDs Sri. Debashish Mukherjee, Sri. Ashok Chandra, Sri. Hardeep Singh Ahluwalia, and Sri. Bhavendra Kumar, Smt. K A Sindhu, GM, PC Wing and other executives gathered for celebrating success of PC Wing for surpassing Rs. 100000 Crore Business.

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुश्यमेत स्तौ संपरीत्य विविनक्ति धीर://
(कठोपनिषद् II - 2)
Both good and pleasant approach us:
The wise on examining choose the good. (Kathopanishad II - 2)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

श्रेयस – SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Magazine of Canara Bank
दिसंबर 2023 – जनवरी 2024 । 292 / December 2023 - January 2024 | 292

ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Ashok Chandra
S K Majumdar
D Surendran
T K Venugopal
Dr Rashmi Tripathi
E Ramesh
Someshwara Rao Yamajala
Priyadarshini R
Reenu Meena

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITORS
Winnie Panicker
Vijay Kumar (Hindi)

सह संपादक (हिंदी)
रीनु मीना

Edited & Published by
Priyadarshini R
Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and onbehalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.

ABCI Member

CONTENTS

2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
4 संपादकीय / Editorial
5 Data & Analytics Centre (DnA)
9 Teamwork makes the Dream Work - Jyoti Lakra & Team
10 Satisfied Customer is the best marketing strategy of all - Brijesh Patel
11 यात्रा वृतांत : मित्रों के साथ नैनीताल की सैर – गौरव जोशी
13 Sports Column
14 The Pongal Saga - Subha Anand
16 Legal Column - Hari P. V.
19 Pondichery - S. Hariharan
24 शहर – हिमांशु शेखर
25 Why me? - Prithviraj. M
27 Circle News / अंचल समाचार
36 Republic day celebrations at Head Office, Bengaluru
38 डिजिटल दादाजी – अमित शर्मा
39 तमिलनाडु : विभिन्न प्रकार के संस्कार और विश्वास – धीरज जुनेजा
41 Family Folio
42 Fun corner
43 भारत का अनोखा राज्य – तमिलनाडु – डॉ. हरि हरन एस
47 Cartoon
48 Oh Rain! How beautiful you look - Pradeep Tandon
49 Econ speak - Dr Rashmi Tripathi
52 New Element in the growth of Retail Lending Industry - Suraj Sharma
53 Vehicle Loan growth outpaces home Loans: Prioritizing Cars over Houses - Ashish Kumar
54 सारे ज़हाँ में देखता हूँ – प्रकाश माली
55 मद्रास डायरी : यादों का गुलदस्ता – स्वीटी राज
57 Health Corner
58 Theni - Winston Roy
61 दिसंबर और जनवरी – अंशू चौधरी
62 Tamil Nadu – The land of spiritual serenity! - Dhanya Palani Yadav
64 ईश्वर तू ही अन्नदाता है – Ruchi Jain
65 Ponderings of a trapped soul - Winnie J Panicker
66 विकसित भारत : विजन 2047 – राज तिलक पांडेय
68 कृतज्ञता – लवली कुमारी
69 Wisdom Capsule / Baby's corner
70 Recipe Corner - Black Urad Dal Rice and Coriander Seed Chutney - Sowmya
71 Homage
72 Book Review

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

निरंतर विकसित बैंकिंग परिदृश्य में, खुदरा ऋण एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में उभरा है। यह लंबे समय से हमारी बैंकिंग सेवाओं का आधार रहा है और हम इस महत्वपूर्ण खंड के तहत अपने उत्पादों को विस्तारित करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्पित हैं। हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतें, व्यापक और अनुकूलित समाधान प्रदान करने के महत्व को रेखांकित करती हैं और खुदरा ऋण प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस उद्देश्य से पूरी तरह मेल खाती है। हम अपने आरएएच और प्रशासनिक इकाइयों के माध्यम से आवेदन से लेकर अनुमोदन तक एक सहज अनुभव प्रदान करते हुए उभरती वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु डिज़ाइन किए गए नवीन उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करते हैं।

डाटा एंड एनालिटिक्स (डीएनए) के क्षेत्र में अपने उद्यम के साथ हम सभी पीएसबी से आगे रहे हैं। जहां ग्राहक अनुभव और परिचालन में सुधार के लिए एनालिटिक्स का लाभ उठाने की बात आती है वहां हम सबसे आगे नज़र आते हैं। इस सुविधा की शुरूआत करते हुए, हम अपनी स्थिति को मज़बूत बनाते हैं और डाटा–संचालित बैंकिंग के भविष्य को अपनाते हैं। एआई हमारे जीवन को अभूतपूर्व तरीके से नया आकार दे रहा है और हम डाटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कारोबार वृद्धि को बढ़ावा देने हेतु इसे अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम नई पहल लेकर आए हैं जिनमें "प्रोस्पर" – विश्लेषणात्मक लीड के टीएटी में सुधार करने और विश्लेषणात्मक लीड की स्थिति को ट्रैक करने के लिए एक लीड लाइफ साइकिल प्रबंधन पैकेज तथा "डाटा इन ए बॉक्स" – एक उपकरण जो भू–स्थानिक विश्लेषण की शक्ति का उपयोग करते हुए शाखाओं के आसपास के व्यवसायों की पहचान करता है और उन्हें उनके व्यवसाय क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत करता है, शामिल हैं। शाखाओं को व्यवसायों के संपर्क सूत्र सहित उनके विवरण उपलब्ध होंगे, जो शाखा अधिकारियों को व्यवसायों से रणनीतिक रूप से संपर्क स्थापित करने और उन्हें अपने साथ जोड़ने में सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि पहचाने गए लीड का उपयोग हमारे कारोबार के विस्तार के लिए किया जाए।

हमने डाटा लेक हाउस क्रियान्वयन एवं क्लाउड में एडवांस्ड

Dear Canarites,

In the ever-evolving landscape of banking, retail lending stands out as a crucial arena. It has long been a keystone of our banking services, and we are more resolute than ever to enhance and expand our offerings in this crucial segment. The changing needs of our customers underscore the importance of providing comprehensive and tailored solutions, and our commitment to retail lending aligns perfectly with this objective. We are rolling out innovative products and services designed to meet the evolving financial requirements by providing a seamless experience from application to approval via our RAHs and administrative units.

We take pride in being the pioneer among the PSB's with our venture into Data & Analytics (DnA) ". We have been at the forefront when it comes to leveraging Analytics for improving customer experience and operations. By establishing this facility, we consolidate our position and embrace a future of data-driven banking. AI is reshaping our lives in unprecedented ways and we are committed to adopting it to spur the Business growth, while ensuring data privacy and security. We have come up with a new initiative "PROSPER" - A lead life cycle management package to improve the TAT of analytical leads & to track the status of analytical leads and "DATA IN A BOX" – A tool that harnesses the power of Geo-spatial analytics and identifies the businesses around the branches and categorises them based on their area of business. Branches will have access to the contact details of businesses including their contact number which enables branch officials to strategically approach the businesses and on-board them. It is our duty to ensure that the leads that are identified is made use for expanding our business.

Another milestone in our Bank's transformation journey is that we have entered into partnerships for data

एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म और डाटा लेक की स्थापना के लिए साझेदारी की है, जोकि हमारे बैंक की रूपांतरण यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है। एआई/एमएल का उपयोग करते हुए ग्राहक अनुभव, कारोबार सृजन एवं कर्मचारी कौशल उन्नयन के क्षेत्रों में कई अन्य विश्लेषणात्मक पहल प्रगति पर हैं। हमारा ध्यान केवल बैंकिंग लेनदेन पर केंद्रित न होकर; ग्राहकों के साथ हमारे स्थायी संबंध स्थापित करने की ओर अधिक है। जैसे–जैसे हम अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त बना रहे हैं, मैं आप सभी को नवाचार अपनाने और प्रत्येक वार्तालाप में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम इस तथ्य का प्रमाण हैं कि हम अपने वित्तीय लक्ष्यों की दिशा में अग्रसर हैं। वर्षानुवर्ष बैंक के निवल लाभ में 26.86% की वृद्धि हुई है। वैश्विक कारोबार 9.87% की वृद्धि के साथ ₹22,13,360 करोड़ रहा तथा सकल अग्रिम 11.69% की वृद्धि के साथ ₹9,50,430 करोड़ रहा। निवल लाभ दिसंबर 2022 के ₹2882 करोड़ की तुलना में दिसंबर 2023 में ₹3,656 करोड़ रहा। निवल ब्याज आय 9.50% की वृद्धि के साथ ₹9,417 करोड़ रही। रैम क्रेडिट दिसंबर 2022 के ₹4,63,038 करोड़ की तुलना में 14.56% की वृद्धि के साथ ₹5,30,444 करोड़ हो गया। खुदरा ऋण में 12.14% की वृद्धि हुई जबकि आवास ऋण में 12.07% की वृद्धि दर्ज की गई।

आइए, हम एक साथ, एक टीम के रूप में, बैंकिंग उत्कृष्टता की राह पर आगे बढ़ें और ग्राहक के पसंदीदा बैंक के रूप में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ बनाएं। जैसे कि हमारा मूल मंत्र है "रहें संग, बढ़े संग", आइए, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहाँ आकाँक्षाएं न केवल पूरी हों बल्कि सीमाओं को भी पार कर जाएं!

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

मंगल कामनाओं सहित,

आपका,

के. सत्यनारायण राजु
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

lakehouse implementation and establishing Advanced Analytics Platform and Data Lake in Cloud. A host of other analytics initiatives in the areas of customer experience, business generation and employee upskill using AI/ML is in progress.

Our focus on banking extends beyond mere transactions; it's about building lasting relationships with our customers. As we strengthen our commitment, I encourage each one of you to embrace innovation and strive for excellence in every interaction.

The Financial results for the quarter ended 31st December 2023 holds a testament that, we are spot-on in moving towards our end financial goals. Global Business is up by 9.87%, Net Profit by 26.86% YoY. Global Business stood at ₹22,13,360 Cr, grew by 9.87% and Gross Advances stood at ₹9,50,430 Cr, which grew by 11.69%. Net Profit for December 2023 stood at ₹3,656 Cr against Net Profit of ₹2882 cr for December 2022. Net Interest Income stood at ₹9,417 Cr, grew by 9.50%. RAM Credit grew by 14.56% to ₹5,30,444 Cr against ₹4,63,038 Cr for December 2022. Retail Credit grew by 12.14% with Housing loan growth at 12.07%.

Together, as one united team, we will navigate the path to banking excellence and further strengthen our position as a bank of choice. Let's build a future where aspirations are not just met but surpassed as our mantra goes "Together We Can"

Wish you all the very best

With warm regards,

Yours sincerely

K. Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO

संपादकीय

Editorial

प्रिय साथियों,

गतिशील वित्तीय क्षेत्र में जहाँ प्राय: आँकड़े और लेनदेन सर्वोपरि हो रहे हैं, ऐसी स्थिति में हमें बैंकिंग की धड़कन यानी खुदरा बैंकिंग को प्राथमिकता से देखने की आवश्यकता है। खुदरा बैंकिंग मात्र एक ऋण संवितरण न होकर ग्राहक के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने से है, इस ऋण संवितरण के दौरान ग्राहक और बैंक के बीच जो संबंध स्थापित होता है वही खुदरा ऋण का सार है। जैसे–जैसे हम डिजिटल क्षेत्र में अग्रसर हो रहे है, वैसे ही खुदरा बैंकिंग तकनीकी विकास के क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑनलाइन बैंकिंग से लेकर अत्याधुनिक मोबाइल एप्स तक की हमारी यात्रा में ग्राहकों को सहजता से बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता, ग्राहकों के बैंकिंग अनुभवों को नया आयाम दे रही है।

एक नई पहल के रूप में हम राज्य विशिष्ट संस्करण प्रारंभ कर रहें है। वर्तमान संस्करण – ''दक्षिण भारत के हृदय, – तमिल नाडु'' पर है। तमिलनाडु राज्य समृद्ध परंपरा और गतिशील प्रगति के रंगों से सृजित एक जीवंत कैनवास के रूप में प्रतिबिंबित होता है। हमारे स्टाफ सदस्यों द्वारा लिखित आलेख सांस्कृतिक, भौगोलिक और खान–पान की विविधता में गहराई से उतरते हुए इस मनोरम राज्य को परिभाषित करते हैं जो अपनी शास्त्रीय कलाओं के लिए प्रसिद्ध है तथा सदियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत को अपने में समेटे हुए है। भारत के सबसे भव्य मंदिरों की भूमि ''तमिलनाडु'' वास्तुकला, भक्ति और शिल्प कौशल की दास्तां बयान करती हैं। यह संस्करण पाठकों को इन मंदिरों के ऐतिहासिक महत्व और उनकी दीवारों में गूँजती आध्यात्मिक जीवंतता पर प्रकाश डालते हुए इसके वास्तुशिल्प की चकाचौंध से अद्भुत यात्रा, विभिन्न पकवानों एवं रहन–सहन की ओर ले जाएगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह संस्करण हम सभी के भीतर समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भौगोलिक विशिष्टता और विभिन्न व्यंजनों का आनंद उठाने के लिए जीवन में कम से कम एक बार तमिलनाडु जाने की रुचि अवश्य जागृत करेगा।

आशा है कि आप इस राज्य विशेष संस्करण को पढ़कर प्रसन्नचित होंगे। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतज़ार रहेगा। कृपया केननेट पर हमारे गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया / टिप्पणी दें अथवा आप 080 – 22233480 पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

प्रियदर्शिनि आर
संपादक

Dear Colleagues,

In the dynamic landscape of finance, where numbers and transactions often take centre stage, it's imperative to pause and reflect on the heartbeat of banking - Retail Banking. This edition unravels the intricacies and significance of the retail banking sector, a cornerstone in our institution's journey. Retail banking isn't just about transactions; it's about forging lasting relationships. The personal touch we bring to each interaction is the essence of retail banking. As we navigate the digital era, retail banking stands at the forefront of technological evolution. From online banking to cutting-edge mobile apps, our commitment to providing seamless, accessible services is reshaping the customer experience.

As a novel initiative we have come up with State Specific editions and the current edition explores -The heart of South India, -Tamizh Nadu, the –"zh "syllable very specific to the language. Tamil Nadu stands as a vibrant canvas painted with the hues of rich tradition and dynamic progress. The articles contributed by our staff delve into the cultural, geographic and gastronomic tapestry that defines this captivating state. Known for its classical arts, it boasts a cultural heritage that spans centuries. Home to some of India's most majestic temples, Tamil Nadu's architecture narrates stories of devotion and craftsmanship. This edition takes readers on a cruise through the intricacies of these architectural marvels, highlighting their historical significance and the spiritual vibrancy that echoes within their walls. I sincerely hope that the edition will evince interest amongst us to visit Tamil Nadu at least once in our life time to enjoy the rich cultural heritage, the geographic uniqueness and get to delight your taste buds with the diversity of cuisines.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080 – 22233480.

Priyadarshini R
Editor

Data & Analytics Centre (DnA)

BAIS Vertical, IT Wing

Canara Bank welcomed the New Year 2024 with the inauguration of "DnA," a dedicated Data & Analytics Centre housed within the Business Analytics & Information System Vertical of the IT Wing at the country's IT Capital - Bengaluru. This state-of-the-art flagship facility for Data & Analytics is unique among public sector banks, which aims to serve as a nucleus for transformative thinking, cultivating a culture of innovation and collaboration across the organization.

The DnA Centre envisages the Bank graduating from predictive to prescriptive analytics, ultimately achieving the highest Analytical maturity level as envisioned in the EASE Reforms Agenda of the Department of Financial Services, Government of India.

Let's now understand the concept of DnA and the impact of Artificial Intelligence being introduced by DnA.

1. Why "DnA"?? - The concept of DnA

"DnA" represents the Data and Analytics Centre, named so with the vision of making Data-Driven Business the core DNA of the Bank. It aims to underpin the significance of data & analytics leveraging AI/ML capabilities for business growth and stitch data-driven decision making into the daily business fabric.

2. What is the Vision & Mission of DnA?

Vision: Data-driven business to be DNA of the Bank

Mission: Analytics to supplement top line growth

3. What is the work paradigm behind DnA?

DnA perspective is to redefine the organizational processes with collaborative and agile work model called IDEA. The four pillars of DnA are:

- **I**nnovate, to undertake new ideas, formulate and brainstorm them on implementation for generating business value.
- **D**esign, to define a problem statement in detail, design the solution structure, identify the tools and technologies involved and align the dependencies.
- **E**xecute, to implement the project in terms of coding, testing, documentation, deployment and support till handover.
- **A**ccelerate, to maintain and refresh all projects, and drive business from the use cases by connecting with field functionaries

4. What benefits can the Bank and stakeholders expect from DnA ?

DnA has been set up to supplement a qualitative and secure business expansion process. It shall be working to strategically position the bank to gain a deeper understanding of customer needs, optimize services, and maintain a competitive edge in the evolving banking sector.

It will assist all the field units in their daily activities with target oriented planning, fresh business generation, enhanced decision-making processes, recovery and monitoring of credits, default prediction, cross-selling opportunities, increased operational efficiency, improved customer experience, etc.

At the same time it aims at making banking more secure by introducing measures like fraud detection and prevention, etc. AI Technology is being introduced into HR trainings for employee up skilling. Avenues of Generative AI are also being explored for introducing new products and feature.

All these initiatives shall drive the way towards proliferation of overall business levels, asset quality, customer satisfaction, investment returns and brand reputation.

5. How is DnA planning to integrate AI technologies into the operations of bank? What specific banking processes or services are being augmented or improved through AI?

DnA is incorporating latest AI technologies like Geospatial analytics, time-series forecasting, etc into multiple dimensions of bank's operations be it customer segmentation, targeted product offerings for cross-selling, personalized customer engagement, management of slippages, or fraud prevention. It is bringing about notable enhancements and we have seen substantial improvements in these segments. Additionally, internal processes such as credit decisioning and employee upskilling are also being optimized.

6. How is AI being used to promote Digital Banking?

AI is driving the transition from traditional branch banking to digital channels, improving both customer experience and service efficiency.

Within our bank, AI-driven models have been created to minimize foot traffic at branches. Through personalized prompting, customers are encouraged to shift from traditional branch services to more convenient digital platforms. The motive is to encourage a change in customer behavior, making digital channels the preferred option for routine banking activities. This strategy is proving to be successful, yielding positive results.

7. How shall DnA leverage AI for real-time business generation and credit decisioning?

The first announcements from DnA Centre on the launch day, came on enhancing the capacity of Bank's Analytical platforms by entering into strategic partnerships with several industry leaders like HPE, Microsoft etc to assist in implementing Bank's Data Lakehouse & Analytics Platform and adoption of cloud for AI/ML. This facilitates usage of data ingested from multiple sources and channels.

Analysis of this vast data with AI tools transforms the volume and quality of leads generated along with insights on borrower creditworthiness, etc. which will be helping in real time business and credit decisions.

Our Bank has adopted a hybrid approach, harmonizing AI and human-based credit decisioning. In cases of small-ticket, low-risk credit decisions, AI/ML-driven models are incorporated to automate the process through Straight Through Processing (STP) systems, expediting the decisioning process. For larger ticket sizes and high-risk credits, AI supports the decision-making process by analyzing financial documents, with the final decision ultimately made by a human.

8. What will be the impact of AI on enhancing customer experience and service delivery?

Bank has witnessed a notable enhancement in customer experience and service delivery through the implementation of AI. Analysis of call centre data gauges customer sentiment on matters such as product satisfaction, complaint resolution, and call centre performance. Utilizing analytics, we continually refine our strategies to achieve an improved customer experience. The segmentation of customers and the delivery of targeted offers have resulted in heightened satisfaction, fostering more personalized and effective customer engagement."

9. How collaborations or partnerships with technology firms or other financial institutions are being leveraged to harness AI for improving banking services

We are proactively collaborating with technology firms and fellow financial institutions, emphasizing AI innovation. Our established Fintech Policy provides clear guidelines for these partnerships. These strategic initiatives enable the bank to swiftly and effectively incorporate AI, in various business areas like credit decisioning, default prediction, etc.

These partnerships are guided by well-defined objectives, allowing the bank to efficiently leverage external AI expertise while adhering to regulatory guidelines.

10. What are the initiatives introduced by DnA on 1st January, 2024 to assist Banches/ROs/COs?

DnA Centre launched new initiatives for the field on the inaugural day which includes:

Insta CIC Biz - Prosper – Real-time Enquiry Alerts

This initiative keeps us ahead of the curve with near real-time alerts from Credit Bureaus about our customers enquiring for credit facility in other Banks or financial institutions. Alerts are seamlessly pushed to platforms like Prosper, Finshots, BD360, and MIS Reports, allowing proactive engagement to retain our customers.

Prosper – Lead Management and Governance System

This in-house developed application has features to track and update every lead at each administrative level, and automated escalation mechanisms, to ensure that we leave no stones unturned in the lead fulfilment journey. Leads consented over WhatsApp/ SMS and other sources like CICs are pushed to branches through this package. The application also doubles as a lead validation and feedback mechanism, which shall be used to further improve analytical models and drive the Bank towards higher echelons in business analytics.

Data in a Box - New Business Near Me

This is an innovative facility for our branch managers, where they can identify new business units within a radius of 1/2/3 kms from the branch. This new application, a Google Maps-inspired search and sift facility, uses geographic location and advanced geospatial analytics to identify potential business establishments in vicinity. The business can be sorted and classified on multiple parameters as required like, MSME, Educational Institutes, Hospitals, etc. The portal is complete with contact details and even a route map to visit the establishment. This powerful tool is intended to explore hidden business opportunities for a branch while also serving as an important relationship builder for the branch within its commune.

Data Driven Banking - Business Forecasting through Analytics

This initiative is part of a comprehensive analytics framework that we have employed to drive data driven decision-making. In the areas of Descriptive Analytics to understand past events and trends, dashboards that provide daily insights on key areas such as Sanctions and Disbursements, NPA and Upgradation, and Cash Recovery are developed. These visual tools are available through Power BI and help in discerning daily business trends, offering a view of historical performance.

In the areas of Predictive Analytics, on the other hand to forecast future scenarios using advanced AI/ML algorithms, Business Forecasting Dashboard is developed using Machine learning model. 7 key business parameters namely Total Business, Advances, Deposits, CASA, Retail, Agri and MSME for the next 30 days is forecasted. This approach is crucial for strategic planning and anticipating business trends.

As part of Prescriptive Analytics the branches are provided with comprehensive information on cross-selling opportunities within their customer database, guiding them towards optimal decision-making.

By integrating these three analytics strands, our bank will achieve a 360 analytical coverage, enhancing our ability to understand, predict and to effectively act on data-driven insights bringing business value to all the stakeholders.

11. What does DnA have in store for the Human Resource of the bank?

AI offers diverse opportunities for enhancing employee up skilling, especially when integrated with Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) training methods. DnA has introduced the "Converse" AR/VR-based employee up skilling program, utilizing advanced AI technology. This program focuses on scenario-based learning, tailored to each employee's role. For instance, customer service representatives can simulate handling various customer interactions, creating a more effective, engaging, and personalized up skilling process.

12. What is CANARA DACOE-THON?

Aligned with our commitment to delivering cutting-edge banking solutions by harnessing technology to facilitate business processes and create value for all stakeholders through inclusive growth, we are proactively executing a range of strategic initiatives.

Among these initiatives is "community innovation," a collaborative effort that unites individuals with robust technical expertise to work together, pooling their skills for creative problem-solving and idea generation. This initiative culminated in the introduction of CANARA DACOE-Thon, an analytical hackathon that extended invitations to young minds and fintech enthusiasts nationwide.

13. What Benefits Bank plans to derive from organizing Analytical Hackathon?

The objective behind initiating this hackathon was to tap into the creativity of fresh and innovative minds. Three specific areas were outlined as problem statements for participants: Improving Customer Experience, Strengthening Default Prediction, and Enhancing Fraud Prevention. The enthusiastic response from the community to the hackathon is quite encouraging. Launched in October, the competition garnered an impressive turnout with 2899 registrations, resulting in the emergence of 256 innovative ideas. Each idea presents an inventive solution to the given problem statements. Narrowing down to 5 finalists for the Grand Finale proved to be a challenging task for our team. Following the completion of the Grand Finale, the bank may extend invitations to collaborate with our analytics division, enabling the scaling up of these innovative solutions for implementation across the entire bank.

14. What is the strategy of Canara Bank for keeping pace with advancement in the field of AI for Banking Industry?

"The strategy combines internal development with external collaborations. Our bank is committed to investing in AI implementation and development, establishing strategic partnerships with tech and fintech firms. As a customer-centric organization, our primary focus is on improving customer experiences through AI-driven personalization. Prioritizing employee training in AI/ML skills ensures the effective utilization of new technologies. The bank fosters a culture that values experimentation and agility, facilitating swift adaptation to new technologies to sustain a competitive edge in the banking sector."

"Our future success is directly proportional to our ability to understand, adopt and integrate new technology into our work".
– Sukant Ratnakar

"TEAMWORK MAKES THE DREAM WORK"

Jyoti Lakra & Team
Kharar branch
Chandigarh

Ms. JYOTI LAKRA joined the bank as an Agriculture Extension Officer (AEO) & soon after promotion to Scale III, she was given the task of heading the Kharar Branch, a small township located in the vicinity of Chandigarh. With development taking place at a very fast pace in the area & a number of new residential projects coming up, it was necessary to cultivate the support of reputed builders & existing customers in the area.

Soon after joining the branch the first thing she noticed was that, to tap the full potential of the area she will have work hand in glove with the staff, builders, DSAs & RAH. She along with her dedicated staff started visiting the builders, approved projects & dealers to source the proposals & make the presence of Canara Bank felt at every nook & corner of the area. In addition to this meetings with new & existing customers were held and presentations/camps were organized to increase the visibility of the bank. These regular weekly visits/initiatives by the staff started bearing fruits & proposals started to flow. The next important step was quick loan sanction without compromising the quality. RAH Mohali made sure that the customers were given utmost importance & solutions to their queries were given in a time bound manner. This helped in building the trust of not only customers but also of the Builders/DSAs.

Passionate follow up by the staff, collection of required documents, prompt service and complying all the formalities in a time bound manner leaves no room for customer to think of other alternatives. This unwavering support from all the staff, right from armed guard, clerical staff and officers meant there was a continuous flow of proposals which saw the Retail business of the branch reach ₹62 Cr as on 31.12.2023 from ₹27 Cr as on July'2021. This financial year alone the branch has done 86 Housing Loans amounting to ₹29 Cr.

This journey of Kharar Branch shows that great things in business are never done by one person. They are done by a team of people. Ms. Jyoti Lakra & her team has set an example for the entire bank that "Team Work can indeed make a Dream Work"

*****

Individual commitment to a group effort that is what makes a team work, a company work, a society work, a civilization work.
– Vince Lombardi

"Satisfied Customer is the best marketing strategy of all"

Brijesh Patel
RAH F-19 Connaught Place
New Delhi

Mr. Brijesh Patel joined RAH New Delhi F-19 Connaught Place on 6th MAY 2022 with a mission to take his RAH to greater heights. RAH New Delhi F-19 Connaught Place is located in the heart of DELHI with cut throat competition from all banks & financial institutions. But with his sheer grit, determination, teamwork he has taken the business of RAH from ₹177 Cr in FY 21-22 to ₹342 Cr in FY 22-23, a jump of staggering 93% in his first year as RAH Head.

But what changes brought this amazing turnaround?? The answer is simple "**CUSTOMER DELIGHT**"

After assuming the charge of RAH, Mr. Patel motivated & guided his staff with simple & yet very effective words "Customer Service is an opportunity to exceed our customer's expectations"

This first change brought about a revolutionary shift in the working of the RAH & soon after proposals started flowing. Every staff working in the RAH was a Single Point of contact for all the customers & their one stop solution for all their queries. This marked change in the working of RAH brought word to mouth publicity for the Bank & every satisfied customer became a brand ambassador of the bank. Customers were not treated like an outsider but a part of it which resulted in building a strong rapport with them.

The next important change that brought significant change is the harmony in the working of DSAs, Advocates, Property Valuers & Builders. All these are like Wheels of a Car which need to work in sync for smooth movement. Mr. Patel & his team knew their importance and a regular meetings with them resulted in swift execution of proposals. This helped in reducing the Turnaround Time not only for the customers but also for the branches which are sourcing proposals.

Handholding the branches is yet another effective strategy adopted by the team. RAH while processing the proposals also sensitized the staff of the branches so that no miscommunication happens with the customer. This not only helped in cultivating retail business but also other business of substantial reward.

The result of these small changes??

RAH NEW DELHI F-19 CONNAUGHT PLACE is on this way to become a ₹500 Cr Total Sanction RAH in Delhi Circle.

How did they do it??

Small changes that leave big impact whether it is the assistance before sales or after sales service. These leave a lasting impression on customers & gets you the permanent customers.

This turnaround story of RAH NEW DELHI F-19 CONNAUGHT PLACE is a source of inspiration for all the canarites that even small changes can leave BIG IMPACT!!!

*****

Success isn't always about greatness. It is about consistency. Consistent hard work leads to success. Greatness will come.
- Dwayne Johnson

यात्रा वृतांत : मित्रों के साथ नैनीताल की सैर

गौरव जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक
एल डी सी, नागपुर

हाँ तो ये बात उन दिनों की है जब हम कॉलेज में पढ़ते थे। सेमेस्टर भर इंतजार करने के बाद आती थी 'छुट्टियाँ', भले ही बहुत कम लगती थी और जल्दी ही खत्म भी हो जाती थी लेकिन यही तो खूबसूरती होती है छुट्टियों की जो किसी भी इंसान को बेसब्र बना देती है। खैर दिनांक 04.06.2010 से छुट्टियों की शुरुआत हो चुकी थी और हमारे सभी घनिष्ठ मित्र जन अपने घर जाने की तैयारी करने लगे। इसी में एक साहसिक मित्र ने सबको चेताया कि पूरा एक साल हो चुका है और लंबे समय से हम कहीं भी नहीं गए हैं। अब सबको नैनीताल चलना ही पड़ेगा जैसा कि साल भर से कई बार हमारी चर्चा में ये मुद्दा बहुत ज़ोर पकड़ता है लेकिन आगे नहीं बढ़ता। मित्र के ये रौबीले स्वर और मस्तक कि त्यारियाँ देख सभी ने समय की गंभीरता को भाँपा और एकमत होकर हामी भर दी।

दिनांक 05.06.2010 को विद्यार्थी जीवन में हर दम रहने वाले धन के अभाव को देख और समझ के हमने एक दिन की नैनीताल यात्रा अपने – अपने निवास स्थान 'बरेली' से सूरज उगते ही प्रातःकाल 4.00 बजे शुरू की। 144 कि.मी. की इस यात्रा को हम बस से लगभग 5 घंटो में पूरी करने वाले थे। नैनीताल उत्तराखंड राज्य के कुमाऊँ क्षेत्र में स्थित जिला है जो कि खुद ''नैनी झील'' और इर्दगिर्द स्थित 7 और झीलों

क्रमशः ''भीमताल, सततताल, नौकुचियाताल, खुरपाताल, मलवाताल, हरिश्ताल एंव लोखमताल के लिए कुमाऊँ क्षेत्र में सैलानियों में प्रमुख आकर्षण का केंद्र है।'' सुबह भागदौड़ करके जैसे–तैसे 4 मित्र बस पकड़ पाए और हो गयी शुरू हमारी पहली कॉलेज यात्रा।

यात्रा अभी शुरू ही हुई थी कि एक मित्र ने अपनी कुछ खाने की मंशा जाहिर की और सभी मित्रों ने एक स्वर में हाँ में हाँ मिलाया और खोला गया माताजी के द्वारा संभाल के रखा गया टिफ़िन जिसमें सभी की नजरें गड़ी हुई थी। माताजी ने सभी मित्रों के लिए प्रातः ही आलू के पराठे तैयार किए थे। सभी मित्रों ने प्रेम पूर्वक सारे पराठे खाए और रास्ते के नज़ारे लेने में मशगूल हो गए। तकरीबन 6 बजे हम उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश कर चुके थे और जिला था 'उधम सिंह नगर' जिसका नाम हमारे देश के निडर क्रांतिकारी स्वर्गीय उधम सिंह के नाम पर रखा गया था। उधम सिंह जी को शहीद–ए–आजम उधम सिंह भी कहा जाता है क्योंकि इन्होंने जलियाँवाला बाग घटना के जिम्मेदार माइकल–ओ–डायर को मार गिराया था और इसके लिए उधम सिंह जी को अंग्रेज़ी सत्ता ने फांसी की सजा सुनाई थी। यह सब सोचते ही मन देशभक्ति से भर गया और वीर रस से भरी श्री रामधारी सिंह दिनकर जी की कविता की कुछ पंक्तियाँ दिलों जुबां में घूम गईं:–

पीकर जिनकी लाल शिखाएं
उगल रही सौ लपट दिशाएं,
जिनके सिंहनाद से सहमी
धरती रही अभी तक डोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

अब सुबह के 7.30 हो चुके थे और हम सभी मित्र रास्ते निहारने के साथ–साथ हमारी कॉलेज की दुनिया में गत वर्ष हुए

विभिन्न किस्सों पर ठहाके लगाते हुए "अब बस जल्दी नैनीताल आए" बोल कर अपनी–अपनी उत्सुकता व्यक्त कर रहे थे क्योंकि सभी दोस्तों के साथ ये पहली यात्रा थी। अब हम लोग हल्द्वानी शहर, जो कि उत्तराखंड राज्य का सबसे बड़ा शहर था, को पीछे छोड़ कर काठगोदाम नगर में प्रवेश कर चुके थे और अब हमें पहाड़ अपने सामने ही दिख रहा था। काठगोदाम को ऐतिहासिक तौर पर कुमाऊँ का द्वार कहा जाता है और इसका रेलवे स्टेशन उत्तर भारत का प्रमुख अंतिम रेलवे टर्मिनल है जहां से विभिन्न शहरों के लिए ट्रेन चलती है।

हम सारे दोस्त एक दूसरे के सर पे चढ़कर किसी तरह से बस की खिड़की में अपना मुंह चिपका के "वो देख पहाड़, देख देख कितना ऊँचा है" बोले जा रहे थे जैसे मानो कोई परी उड़ती देख ली हो। 20 मिनट की इस खिड़की की छीना–झपटी के बाद, आसपास के लोगों की तिरछी निगाहों को देख हम दोस्तों ने अपने–अपने जज़्बात काबू में किए और अपनी सीट पकड़ कर बैठ गए। मंत्रमुग्ध कर देने वाले पहाड़ी नजारे और टेढ़े मेढ़े पहाड़ी रास्तों ने हम दोस्तों में अत्यधिक उत्साह भर दिया और इतने में हमारा पाला पड़ा एक पहाड़ी जंगली फल से, जिसे "काफल" बोला जाता है। खट्टा मीठा ये छोटे शहतूत की भांति दिखने वाला फल नमक के साथ बेहतरीन स्वाद देता है, जिसे सभी मित्रों ने बहुत चाव से खाया।

10 बज चुके थे और हमारी सवारी नैनीताल में प्रवेश कर चुकी थी। बस से उतरते ही और कुछ दूर चलते ही सामने दिखी हमें नैनी झील जिसको देख के हम सभी को अपने बचपन में कभी न कभी की गयी नौका–सैर की याद आँखों के सामने तैर गयी और पलक झपकते ही आँखों ही आँखों में इशारा हुआ, मुस्कुराए और मुश्किल से 2–4 पलों बाद हम सारे दोस्त नौका में थे और बचपन की यादों को पुनः जीवंत कर रहे थे। थोड़ी देर झील के पानी में चप्पू चलाने और नौका को 2 जगह फसाने के बाद सभी को अपने–अपने पेट में उमड़ती भूख का तूफान सुनाई दिया और फ़िर सभी मित्रों ने सर्वसम्मति से नैनीताल के प्रसिद्ध "बाड़ी और भट्ट की चुड़कानी का स्वाद लेने का मन बनाया। बाड़ी एक पहाड़ी व्यंजन है जो उत्तराखंड में बहुत पसंद किया जाता है। इसे एक प्रकार के आटे से बनाया जाता है, जिसे चून या मंडुआ के आटे के रूप में भी जाना जाता है। यह परंपरागत रूप से कुल्था की दाल के साथ परोसा जाता है। भट्ट की चुड़कानी भी एक प्रकार की दाल है जिसे चावल के साथ खाया जाता है।

दोनों प्रकार के व्यंजनों से पेट भरने के बाद अब बारी थी नैना पीक जाने की। नैना पीक की समुद्र तल से ऊंचाई 2615 मीटर है और यह नैनीताल के मुख्य बाजार से 6 कि.मी. की दूरी पर है जहां से त्रिशूल, नंदा देवी नन्द कोट जैसी हिमालय की चोटियों के अभूतपूर्व नज़ारों का आनंद लिया जा सकता है। तभी एक साहसिक मित्र ने ये सुझाव दिया कि क्यूँ न ट्रेक करके जाया जाए और न जाने क्यों बिना किसी विरोध के वो सुझाव कानून बन गया और सभी दोस्त उस कानून की हिमायत करते हुए पैदल आगे बढ़ना शुरू कर चुके थे। ज़रूरत से ज्यादा भाग दौड़ करने की विलक्षण प्रतिभा के धनी हम सभी दोस्त बतियाते – बतियाते और किसी न किसी दोस्त की टांग खींचते हुए झट पट नैना पीक पहुँच गए। वहाँ पहुँच के हमने ये जाना की नैनी झील जिसमें हम नौका विहार करके आए थे, यहाँ से आम के आकार की दिखती है। हवा में थोड़ी धुंध होने के बावजूद चोटी पे चढ़ के वो भी पैदल, सामने दिखने वाला नजारा और भी अलौकिक लग रहा था। चोटी की हवा में एक अलग ही ताजगी और हल्की सी मीठी–मीठी ठंड महसूस हो रही थी जो हमें हमारी ट्रेकिंग का इनाम लग रही थी। चोटी पर ही वहाँ के 2–3 स्थानीय लोगों ने दूरबीन लगाई हुई थी, जिनसे हिमालय की चोटियों के दर्शन का किराया 25 रुपए था। हमारे सभी मित्रों ने तुरंत हिसाब किताब लगा कर दूरबीन से हिमालय देखने का फैसला किया। हवा में बादलों की धुंध की वजह से हम में से किसी भी दोस्त को अपने आप हिमालय नहीं दिखा तो दूरबीन वाले महाशय ने अपनी उंगली से इशारा करके बताया कि "देखो वो रहा हिमालय"। काफी देर तक मशक्कत करने के बाद आखिरकार हमारे एक मित्र को हिमालय दिख ही गया और बस फिर वो भाईसाहब इतराते हुए

बोले ''बाज़ जैसी तेज़ नजर चाहिए'' और बस सबको ऐसा महसूस हुआ कि अब नीचे वापसी का समय आ गया है क्योंकि दिन का 2.30 बज चुका था।

तेजी से नीचे आने के बाद हमने नैना देवी मंदिर में दर्शन करने का मन बनाया। नैना देवी मंदिर उत्तराखंड के 51 शक्ति पीठों में से एक है और ऐसी मान्यता है कि ये मंदिर वो जगह है जहां देवी सती की आंखें गिरी थी। मंदिर में दर्शन करने के पश्चात हम सभी माल रोड घूमने चल दिए। काफी देर यहाँ वहाँ घूम कर, माल रोड में सजने वाली दुकानों का निरीक्षण करने के बाद सभी ने ''बाल मिठाई'' जोकि उत्तराखंड कि प्रसिद्ध मिठाइयों में से एक है, अपने–अपने लिए खरीदी और माल रोड से सटे हुए भूटानी बाजार में मिलने वाले मोमो से एक बार फिर पेट पूजा की। सभी मित्रों को ऐसा महसूस हुआ की यही सही समय है वापसी की गाड़ी पकड़ने का क्योंकि शाम 6.30 बज चुके थे और सभी को अपने–अपने घरों में किए गए वायदानुसार रात्रि 12 बजे के पहले हाजिरी लगानी थी। वापसी की बस हमने 7 बजे पकड़ी और बस में बैठते ही हमारे दिव्यदृष्टा मित्र जिन्हें हिमालय दिखा था, वह हम सब के सामने हिमालय की खूबसूरती की व्याख्या करने लगे। उनके मुँह से निकला की ''बहुत ही ऊंचा और हरा–भरा था हिमालय''। ये सुनते ही बाकी सभी मित्र एक दूसरे को देख कर बहुत ज़ोर से हँसे कि ''बाज़ कि आंखों से हर भरा हिमालय देख के आए हैं ये मालिक''। बहुत देर तक जब हमारे उन दिव्यदृष्टा मित्र को कुछ समझ में नहीं आया तो उनको हिमालय का संधि–विच्छेद समझाया गया कि बचपन में क्या पढ़ा था हिम+आलय यानि बर्फ का घर, ये समझ में आते ही हमारे दिव्यदृष्टा मित्र भी अपनी इस भूल पर जमकर हँसे।

हम सभी मित्र सकुशल बरेली बस अड्डे रात्रि 11 बजे पहुँच कर चाय कि चुस्कियों का आनंद लेते हुए दिन भर की विभिन्न घटनाओं पर चर्चा करने लगे और इस एक दिवसीय यात्रा से प्रेरित होकर फिर दोहराए जाने के वादे के साथ अपने–अपने घर को निकल गए।

*****

Sports Column

Sri Anirban Tarafder (73769) Officer, CPPC Section, Govt Services Wing, Head Office was Coach of the Karnataka State Table Tennis Team in the 85th Inter State Youth & Junior National Championship held at Kolkata during January 2024. The team secured Bronze Medal in Youth U19 Singles & Doubles Category.

Sri K B Pawan (75907) Officer, G A Section, RO-North, Bangalore C.O was Coach of the Karnataka State Cricket team that Won the BCCI U19 Cooch Behar Trophy 2023-24.

The Pongal Saga

Subha Anand
Officer
ETT Section, FM Wing, HO

It was on a January morning when, I was declared as the chief chef and assigned the job of preparing Pongal for the upcoming festival. This made me very uneasy and I was very much nervous about the sudden responsibility placed on my head. Though all along before marriage I had helped my mother in kitchen chores, and was conversant with the basics, I never had the opportunity of independently cooking special delicacies. We were living in a joint family and even if my mother was unavailable for some reason or the other, my granny or aunt would help in house hold management. So I never had the chance to manage the kitchen alone!

But this time it was not so. My mother-in-law had an eye operation which was scheduled after Pongal. When we went for a routine pre-operative check-up, the doctor suggested that the operation should be conducted immediately. Pongal was on 14th of January and after elaborate discussions, the eye operation was fixed for 11th of January. The operation was successful and my mother-in-law was advised "rest" for 45 days, which she "very strictly" followed This was the reason why the task of Pongal preparation was delegated to me.

These days' maximum number of households has at least that many mobiles as its members and sometimes the mobiles outnumber the family members too. But those days were not so. Mobile phones were a rarity and having a landline phone was considered a symbol of luxury.

I did not have enough time to write a letter to my mom and get her reply, before Pongal. Though I had the option of calling my mom and getting the "step-by-step" procedure for preparing Pongal, I had to do it in front of my in-laws, as our land line was placed in the hall and everyone could hear, what or whom I was speaking to. This made me feel embarrassed, as they may think I knew nothing, which I never wanted. My "image" was at stake. Moreover, our "google gurujis" and "youtube yuvathis" were also not freely accessible as now.

I finally managed to get the detailed procedure of the traditional Pongal recipe from one of my office colleagues, for which I am thankful to her even today, as that turned out to be my signature dish and of course my family's favourite item.

Even today I prepare Pongal with the same measurements. Eventually, I had made some moderations and alterations to suit our busy schedule, but the traditional one has a mouth lingering taste, which is unforgettable.

Here, I am sharing the "**Sakkarai Pongal**" recipe:

Items required:

1. Bronze Pot or New Mud Pot (if using Mud Pot, soak it in water for a day for preparing the pot before cooking)

2. Use a string to tie the following to the pot: piece of sugarcane, turmeric plant with turmeric tuber, betel leaves, betel nut and banana, strand of flower/s

Ingredients:

1 cup new raw rice
2 cups milk
1 cup ghee
1 handful split moong dal
1 spoon chana dal
2 cups clean jaggery (crushed to small pieces)
Cashew, Dry raisins, Cardamom to garnish as per taste

Method:

- Dry roast moong dal and chana dal in slow flame until nice aroma emanates. Keep it aside and Let it cool.
- Wash the roasted dal along with rice, add 2 cups of water and let it soak.
- Ignite the stove, place the decorated pot "(Pongal Paanai in tamil)" and add 2 cups of milk allow it to boil. (normally, the milk is allowed to overflow a little and that is the time everyone says "Pongalo Pongal" to share the joy).It is said that the overflowing rice and milk on Pongal is a symbol of abundance , prosperity and good luck.
- After milk starts boiling add 2 spoons of ghee and the soaked rice+dal mixture.
- Check if water is sufficient, otherwise add one or half cup more.
- Let it cook until its soft, keep stirring to avoid lumps settling in bottom.
- Add the jaggery and allow to dissolve by continuously stirring it.
- Now add a pinch of salt (Adding a pinch of salt enhances and blends the taste of any sweet dish).
- Keep cooking till it comes to a semi solid consistency (After adding jaggery, the dish would have become little watery).
- Add powdered cardamom and switch off the flame.
- For tempering, roast cashews and raisins in ghee and pour it in the cooked Pongal. Add the balance ghee to the Pongal. Let it remain on top.
- Before serving, stir the Pongal and ensure thorough mixing of ghee and cashew nuts/raisins.

Tips:

- Cooking rice in milk gives a rich taste to the Pongal
- Roasting moong & chana dal imparts nice flavour to the Pongal
- Add jaggery only after the rice and dal is cooked to mushy consistency
- Adding ghee in the end, gives a wholesome aroma & tickles your taste buds
- Cooking in Bronze/Mud Pot retains the heat and enhances the taste of the dish

Short cut Pongal / Pressure cooker Pongal for today's busy-busy life

Needless to mention here that traditional way of cooking is the best, however, this procedure also scores near the "original version" and the time taken for preparation is reduced to half.

- ❖ Cook the soaked rice and dal mixture in pressure cooker adding 2½ or 3 cups of water.
- ❖ Now cook the pre-cooked mixture in 1-2 cups of milk and then add jaggery
- ❖ Other steps are same
- ❖ In this method, you need not keep stirring for a long time until the rice and dal is cooked, so it is easy and quick.

Coming back to my Pongal preparation that year, I had meticulously followed each and every step mentioned above and was careful enough not to deviate any step. The output was absolutely perfect. I earned lot of appreciation from each and every family member, which actually roused a bit of jealously in my mother-in-law. Thereafter my father-in-law cajoled her saying that the Pongal came out well just because he had been supervising the preparation every now and then!!

Wishing you all a very Happy Pongal!!
Enjoy the traditional recipe!!!

*****

Retail Banking - An overview
Aspects of Scrutiny of Title

Hari P.V
Deputy General Manager
RL & FP Wing
Head Office, Bengaluru

Banking business primarily entails acceptance of Deposits from customer and lending to the customer. The difference between the interest which the Bank pays on the deposits and interest which is charged by the Bank on the Loans is the income of the Bank. If the customer fails to repay the principal or the interest, the income of the Bank gets affected. In order to secure the loan, the Bank stipulates mortgage of immovable property. The proposed property to be mortgaged should be free from any encumbrance and the party should have clear, transferrable and marketable title to the property which can be ascertained based on the documents including present or parent documents of the property.

What is Title in relation to property:

In legal term, title, basically refers to rights of a person over a property. It can be acquired or created by transfer or by operation of law or by inheritance. Title of property is the prime concern of everyone at the time of purchasing or transferring of a property or creating rights in a property. There are different types of titles, such as

- **Freehold/Ownership Right:** Freehold titles confer absolute rights to the property, allowing the owner to sell, lease, mortgage, transfer, etc. without any restrictions. A Freehold right can be transferred by execution of registered Sale Deed where the value of transfer is ₹100 and upwards.
- **Leasehold right:** Holder of Leasehold right is having right to enjoy such property in a specified manner and for a specified period, after which the possession of the property reverts to the lessor. A Leasehold title is conferred by virtue of a Lease deed which is required to be registered where lease is from year to year or exceeding one year. The person who gives the lease is called Lessor and the person to whom the property is given on lease is called Lessee. The rights of the lessee over the leased property are depending on the terms and conditions contained in the lease deed. A Lessee can sub-lease, transfer, assign or mortgage a leasehold right subject to the terms of the Lease. A leasehold right can be inherited by the legal heirs of a lessee during the validity of lease.
- **License:** A License permits a limited right to retain, possess or use a property in accordance with the terms of the license to the licensee. The title conferred by a License is limited and generally the Licensee does not have any right to transfer the licensed property.
- **Grant:** There are instances where immovable property has been bestowed upon persons through Grant by government. In such case, there may be restrictions imposed on the Land use or alien ability or transferability of the Land. It is important to peruse the terms of the Grant and be aware of any restrictions on transferability or land use imposed by the Grant.

Who can hold property:

A property can be held singly or jointly by an individual(s), company, limited liability partnership,

trust (provided that the Trust Deed has a provision for holding property) or an HUF, partnership firm or any juristic person.

Who can transfer property:

Any person competent to contract can transfer right, title and interest in a property through a Sale Deed, Gift Deed, Lease Deed, Assignment Deed, etc.. Thus, only person of sound mind who have attained age of majority can transfer property or right, title and interest in property. Such a transfer should be in writing and be registered with sub-registrar's office where the value of the transaction is ₹100 and above. Minor or a person of unsound mind is incapable of entering into a contract and thus cannot directly transfer a property. If the property in the name of minor or person of unsound mind is required to be sold or transferred, prior permission under the Guardian and Wards Act/ Hindu Minority and Guardianship Act/ Mental Health Act (for persons with mental illness)/ National Trust Act (for persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental Retardation and Multiple Disabilities) is to be obtained from the competent court/authority.

Importance of Land/Revenue Record/Records of Municipal Authority/Records of sub-registrar:

In addition to obtaining encumbrance certificate, the details of title deeds and encumbrance can be independently verified by conducting search in sub-registrar office. The encumbrance certificate provides information about any prior mortgages, attachment, liens or legal claims on the property.

Khata/Patta Certificate, Khewat/khatoni and other revenue records (by whatever name called in different States as per applicable State laws) are not documents of title and can be used for limited purpose to ascertain the nature and possession of the property.

Nature of Property and Land Use:

Based on land use, property can be divided into two broad categories i.e. agricultural land and non-agricultural land. Non-agricultural land may be further classified into Industrial, Residential, Commercial or Public Utility. It is necessary to identify the land use or status of property in question, as to whether it is agricultural land or non-agricultural land. If it is non- agricultural land then it should be further classified as residential or commercial, institutional, industrial etc. In some states, without permission of the government, the conversion of land from agricultural use to non-agricultural use or industrial to commercial, etc.. are prohibited and there is restriction in taking agricultural land as security for non-agricultural purpose.

Importance of RERA Approval for Real Estate Projects:

The Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 was enacted with intention to protect home-buyers as well as boost investments in the real estate industry. The Act establishes a Real Estate Regulatory Authority (RERA) in each state for regulation of the real estate sector and also acts as an adjudicating body for speedy dispute resolution. Sub-section (1) of Section 3 of the Act makes it mandatory for all real estate projects to register with RERA for launching a project to provide greater transparency in project marketing and execution.

Under the Act, registration of the real estate project is not required if (a) the area of land proposed to be developed does not exceed five hundred square meters or the number of apartments proposed to be developed does not exceed eight inclusive of all phases or (b) where the promoter has received completion certificate for a real estate project prior to commencement of the Act or (c) for the purpose of renovation or repair or re-development which does not involve marketing, advertising, selling or new allotment of any apartment, plot or building, as the case may be, under the real estate project.

Along with other documents, while making an

application for registration of real estate project under section 4 of the Act, the promoter has to submit a declaration, supported by an affidavit stating:—

(A) that he has a legal title to the land on which the development is proposed along with legally valid documents with authentication of such title, if such land is owned by another person;

(B) that the land is free from all encumbrances, or as the case may be details of the encumbrances on such land including any rights, title, interest or name of any party in or over such land along with details;

(C) that he shall take all the pending approvals on time, from the competent authorities.

The registration of the project with RERA does not confirm the title of the property. Branches have to independently verify the title, encumbrances of the property, etc..

Mortgage:

A transfer of an interest in specific immoveable property for the purpose of securing payment of money advanced or to be advanced by way of loan, an existing or future debt or performance of an engagement which may give rise to a pecuniary liability is known as Mortgage. The person who mortgages the property is called the "Mortgagor" and the person in whose favor the mortgage is created is called the "Mortgagee". Even though there are 6 types of mortgages, the Bank generally accepts (a) Simple mortgage or (b) Equitable mortgage.

Conclusion:

A person who has title over the property and right to transfer the said title can mortgage the property. In order to verify his title, its transferability and his rights over the property, bank has to verify the present title documents, parent documents, revenue records, sub-registrar's records, RERA records, etc ... and physically identify the property based on the above said documents. Non verification of title or the relevant documents or any of the above said aspect will affect the enforce-ability of mortgage. Branch has to take due care or caution while taking immovable property as security.

*****

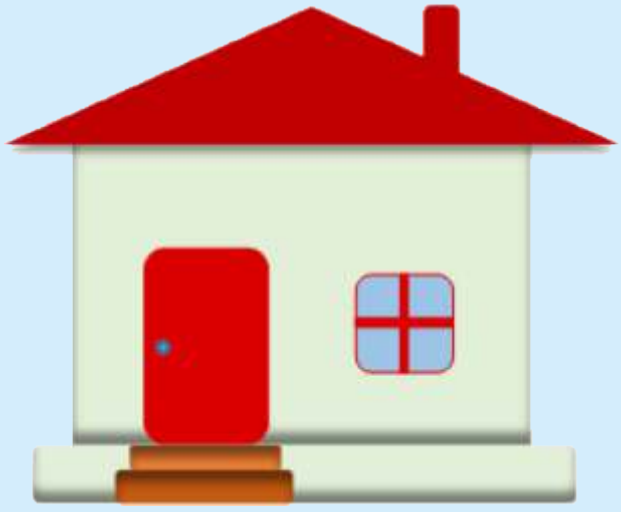

"Owning a home means crafting your own personal masterpiece"

— Ezra Pound

Pondichery

S. Hariharan
Senior Manager
RO, Pondicherry

If tranquilly and a getaway are what you seek most, then Puducherry aka Pondicherry is the place for you. With its blend of modern heritage and spiritual culture, the city offers a unique experience. With a significant historical background, Pondicherry transports visitors back a century. Though the Official name was rechristened as Puducherry, “Pondicherry” is the most cherished and all-time favourite.

Oscar-winner director, Ang Lee of the movie 'Life of Pi', the plot of which was mostly centred in Pondicherry said, "While we were working on the script, I scouted and there is really nothing else that compares to French India. It is unique and somewhat unfamiliar to the rest of the world. **It's like you can just drop a camera anywhere, turn it on, and the picture will be beautiful. “**

HISTORY COMES ALIVE

Originally a scattered settlement of weavers and fishermen, Pondicherry later developed into a busy trading port with ties to the Roman Empire. It was referred to as "Poduke" by the classical geographers of Rome and Greece. Mentioned as **Vedapuri** as it was a **Vedic learning centre in ancient times**, the place later flourished as a port town of the **Cholas** under the name **Puducheri ("new town" in Tamil)** until it finally became a busy trading centre of the colonial powers. The city was called **Pondichéry by the French**, who established their trading port here and constructed a fort (1689).

The two contrasting styles, European classical style comparable to the Parisian villas of **the "hôtel particulier"** (urban upper middle class in France) and buildings in the Tamil town with a strong vernacular influence from surrounding Tamil Nadu, existing side by side, have influenced each other, resulting sometimes in a unique blend of European and Tamil architectural patterns, reflecting the cross-cultural impact and giving the built form a certain **"Pondicherry-ness".**

NATIONALISM IN FRENCH INDIA

Being in the immediate and convenient vicinity outside British India, Pondicherry developed an identity as an

asylum/ safe haven for revolutionaries hunted out of British India, a spring-board for national sentiments of those who took abode therein, and a launching pad for the publication of magazines with nationalistic writings like the Tamil Weekly, India, under editorship of the famous poet Subramania Bharathi.

Even the revolutionary Shri Aurobindo Ghosh originally arrived in Pondicherry from Bengal in 1910, to be out of reach of the British Government. Bharathi, Aurobindo Ghosh and V.V.S. Iyer, all three who were outsiders to Pondicherry combined together with some other locally, based patriots to form a society of intellectuals to discuss topics on the theme of ways and means to achieve Indian independence.

Bharathidasan, a 20th-century Tamil poet and rationalist writer whose literary works handled mostly socio-political issues was born and lived in Pondicherry.

Mahakavi Barathiar

Sri Aurobindo Ghosh

Mahakavi Barathiar Memorial Museum And Research Center

ART AND CULTURE

The dolls made in Pondicherry, fondly called as "Puducherry Bommai" in the local language of Tamil is world famous.

Some of the important arts and crafts products include attractively crafted dollies and playthings made from hard unglazed brownish-red earthenware, papier-mache (substance made from paper pulp), plaster, bronze castings, kamatchi villakku, hand woven carpets, hand printed textiles, handmade paper, cane furniture, aromatic products and so on.

Also, the Union Territory houses a lot of dance and music academies, arts and crafts outlets that primarily trade wooden toys, traditional musical instruments, pottery products, art prints and posters, crocheted toys, and many other products.

SPIRITUAL PARADISE

THE MANAKULA VINAYAGAR TEMPLE, is a grand and beautiful temple, dedicated to the Hindu Lord Ganesha. Being more than 500 years old, it has an illustrious history and is one of the oldest temples in the region.

Vinayaka in the Well: The stage (peetam) set for the God is in a well. This is said to be a well or even a tank. A six-inch radius pit runs on the left side of the peetam, the

depth of which could not be measured and it is always full. The temple derives its name from two Tamil words Manal meaning 'sand' and Kulam meaning 'pond near the sea'. The temple was known by the name Manal Kulathu Vinayagar earlier.

While we have not heard of a night shrine for Lord Ganesha in any temple, there is one in the Manakula Vinayagar temple. He stays here with his consorts. The idol taken to this shrine, called Palliarai, will have the feet part alone.

BASILICA OF THE SACRED HEART OF JESUS

Basilica of the Sacred Heart of Jesus situated on the south boulevard of Pondicherry is an oriental specimen of Gothic Revival architecture constructed in 1908. It contains rare stained glass panels depicting events from the life of Christ and saints of the Catholic Church.

The Papal Nuncio to India visited the basilica on 2nd September 2011 and officially declared the church as a basilica in the name of the holy seer.

ÉGLISE NOTRE-DAME DES ANGES

Our Lady of Angels Church (also called Église Notre-Dame des Anges, White Chapel, Kaps Koil) was built in Greco Roman architecture by Napoleon III in 1855, by the architect Louis Guerre.

It is one of the most prominent landmarks in Pondicherry and faces the Bay of Bengal and is locally called Dumas Church since it is located in Dumas Street in White Town.

THE JAMIA MOSQUE

Built in the 17th-century, is also known as the Khuthbha Mosque and is believed to be the first mosque to be built in Pondicherry. The mosque is a perfect epitome of secular culture of not just Pondicherry but the entire country.

SRI AUROBINDO ASHRAM

Sri Aurobindo and the Mother dwelt for most of their lives in Pondicherry. This interconnected block of houses-called "the Ashram main-building", or more usually just "the Ashram"-surrounds a tree-shaded courtyard, at the centre of which lies the flower-covered "Samadhi".

This white marble shrine holds, in two separate chambers, the physical remains of Sri Aurobindo and the Mother.

THE MATRIMANDIR (Sanskrit for Temple of the Mother or Temple de la Mère) is an edifice of spiritual significance for practitioners of integral yoga, in the centre of Auroville established by the Mother of the Sri Aurobindo Ashram. It is called Soul of the City (French: L'âme de la ville) and is situated in a large open space called Peace.

The Matrimandir took 37 years to build, in the form of a huge sphere surrounded by twelve petals. The Geodesic dome is covered by golden discs and reflects sunlight, which gives the structure its characteristic radiance. Inside the central dome is a meditation hall known as the inner chamber - this contains the largest optically-perfect glass globe in the world.

THE IDEAL BEACH DESTINATION

THE PROMENADE BEACH OR THE ROCK BEACH is the popular stretch of beach-front in the city of Pondicherry, India, along the Bay of Bengal. It is a 1.2-kilometre-long stretch, starts from War Memorial and end at Duplex Park on the Goubert Avenue.

Out of all the beaches Promenade Beach is one of its own kind of beach that is popularly known for its azure waters, ocean sprays, shimmering sand, beautiful coastline, and cosy ambiance.

PARADISE BEACH, also known as Plage Paradiso, is situated in Chunnambar, close to Pondicherry town. Adorned with the golden sand, this is a little-isolated beach. To reach here, you have to take a ferry across the backwaters, which takes around 20-30 minutes.

Part of the fun in reaching the beach is the beautiful ferry from the boathouse - the backwaters on the way to the beach are green and have thick mangrove forests. Especially after the monsoons, the backwaters are fresh and green.

Flaunting super clean surroundings with sparkling white sand, **EDEN BEACH** in Chinna Veerampattinam is a proud blue flag-certified beach in Pondicherry. It is located almost 7 km from the White Town area and the Promenade beach of this city.

PONDY MARINA BEACH in Pondicherry is a new attraction for tourists which is located near the new lighthouse. It has been developed under the theme-based beach program of the Government of Pondicherry and the "Pondy Marina" beach is based on a food-based theme.

Pondy Marina Beach is located at Dubrayanpet, which is 1.5 km from White Town, Pondicherry. Unlike Rock Beach, where tourists rarely venture to the seashore, it has a reasonable length of sandy beach as the name suggests.

FOOD AND FESTIVITIES

Almost every month, there is an important fair or a festival in Pondicherry. Some are religious in nature, others cultural and spiritual and still others, purely gourmet!

The French reigned for almost 200 long years and is always regarded as the 'French Window of India'. During festivals people of different religions, caste and creed come together, join hands and celebrate.

Some of the important fairs and festivals of Pondicherry include fire walking festivals, Fete De puducherry, Bastille Day, Sedal, Maangani Festival at Karaikal Ammaiyar Temple, Mascarade Festival, The Feast of Our Lady of Lourdes, puducherry De Jure Transfer Day, Veerampattinam Car Festival, St.Theresa Festival, Sri Aurobindo's Birth Anniversary, Masi Magam, Chitrai Kalai Vizha, Villianur Temple Car Festival.

Although the colonial-era French are long gone, they've left behind their legacy in shapes and forms. Baguettes with glossy jam, flaky croissants with soft, yellow butter, warm Croque Monsieur with cheese oozing from its edges, lightly-browned crêpes, and savoury galettes make their way to your breakfast plate, while lunch and dinner shine the spotlight on ratatouille, quiche, bouillabaisse, and Coq au Vin.

Typical south Indian breakfast foods of steaming idli-vada and sambhar, crispy dosai with chutney, and frothy filter coffee are churned out each morning from every other eatery. For lunch or dinner, Biryani, rice and meen (fish) curry or the simplistic rasam, vegetable poriyal (sautéed dish) and the decadent payasam are up for grabs.

There's also the inevitable outcome of adding the desi and videsi into one pot. Over several years, French and Tamil flavours have blended rather harmoniously - unlike the architecture, where east and west have their distinct quarters - into an inviting local cuisine that's at the heart of the Pondicherry food experience.

This Tamil-Franco fare, better known as Creole cuisine, has restaurants and homes alike swapping traditional Indian spices for quintessential French ingredients and vice versa, so much so that the French Bouillabaise has taken on a new avatar as Puyabaise!

Creole cuisine doesn't care for limits. Much like the ever-expanding universe, more nuances are added to the Creole flavour profile (which is, for the most part, Indian) as more cultures join a typical Pondicherian family- Dutch, Portuguese, Vietnamese, Anglo-India, Oriya and Bengali.

bienvenue

à

Pondichéry

कविता

शहर

हिमांशु शेखर
वरिष्ठ प्रबंधक
मा सं प्र अनुभाग
क्षेत्रीय कार्यालय केंद्रीय
बेंगलूरु

यहां वृक्ष भी दुर्लभ होते हैं, शहरों में पलते बच्चों का,
यह भाग्य भी तो दुर्भाग्य ही है, शहरों में पलते बच्चों का।

गांव में सब बच्चे छोटे, चढ़ते कदंब के वृक्ष पर जब,
बालकनी के लौह जालों में बंद, रोते शहरों के बच्चे तब।

खेतों में खेल के गांवों के, वहां बचपन खिलखिलाता है,
दो बी–एच–के की दीवारों में, यहां बचपन बंध सा जाता है।

नदियों में नहाते बच्चे हैं, मांझी की नौका भी गांव में है,
यहां टब में पानी, उसी में छप–छप, बचपन भी रबर की नांव में है।

गांव की गलियों में पंख, घूमें भी तो कोई हानि नहीं,
यहां धूल का कण भी क्षणभर को, छू ले तो रोने में कोई सानी नहीं।

कल्पना पंछी की उड़ान हेतु वहां, कई दादी–नानी, कई कहानी है,
यहां यूट्यूब के जॉनी–जॉनी, उन किस्सों के आगे पानी है।

हैं खेल, सखा बहुतेरे वहां, सारा ही गांव खिलौना है,
यहां खेल तो हैं, पर सखा नहीं, यहां स्वयं ही स्वप्न संजोना है।

खुले आसमान के तारे और चांद, वहां थपकी देकर सुलाते हैं,
पर गेटेड सोसायटी में फिर क्यों वो, न जाने, बहुत कम आते हैं।

है बुरा नहीं सब, कुछ सही भी है, पर बुरा सही से ज्यादा है,
बचपन खिलता भी आधा है, शहरों में पलते बच्चों का, शहरों में पलते बच्चों का।

WHY ME?

Prithiviraj. M
Prob. Officer
Trichy RO

After a tough day at the bank, I returned home around 9 pm. Being a bachelor meant my evenings were spent alone. After freshening up, I reclined on my bed and began scrolling through my mobile. A sudden jolt overtook me as I came across a message on WhatsApp. I found myself staring at my phone screen, questioning the reality of the message, unsure if it was genuine or a figment of my imagination. The event left me bewildered, struggling to comprehend what just had happened.

It was a message from a contact named “The GOD" in a WhatsApp group that startled me. My mind buzzed with various imaginations and possibilities, prompting me to incessantly question the nature of this surreal encounter.

Strange thoughts gradually consumed my mind, I'm aware you might question my sanity, attributing these profound reflections to a mere group message rather than a personal interaction.

Allow me to present three points in defense of my sanity.

1. The WhatsApp group in question has only one member – me. (I initially created this group with a friend, later removing them to use it as a pocket-friendly, personalized diary for jotting down important notes and my mom's grocery lists. This practice predates WhatsApp's introduction of the "message yourself" option.)
2. On this particular day, in the midst of a terrible mood, I scolded myself within this unique group. I did not know why I did that but it surely uplifted my mood after venting out my frustration. I never anticipated a response, especially not from a contact named "The GOD.". What struck me even more was that the reply came from a group where I am the sole member, a detail that adds a surreal twist to the entire situation.
3. Rest assured; I am not under the influence of any substance. I share this account as an honest portrayal of the peculiar events that unfolded.

Why me? The question echoed within me. Why had I been singled out from all the others in the world? I thought I was a huge disappointment and failure to him. Was I truly the chosen one? The protagonist in those cinematic tales who eternally rises to save the world from impending evil or disasters? Should I commence constructing a ship, the vessel to safeguard the world like Noah’s arc or would I be bestowed with divine powers to carry out or take over his task? The oppressive weight of uncertainty cast a shadow over my thoughts and emotions.

The response to my scolding in the group was a simple yet unnerving question: "What is your problem?". Intrigued and somewhat alarmed, I retorted,

Me: "Who are you? Are you some kind of hacker or something?"

The reply sent shivers down my spine,

God: "Yes, I can even hack the what you Homo sapiens call 'brain' to make you fall from the tenth floor of a building, because I am God. Now don't waste my time. What is your problem?"

A chill enveloped me entirely. My immediate instinct was to verify the identity of this mysterious entity. I touched the contact to access the mobile number, only to be met with a message stating that the number couldn't be displayed. It was then that certainty struck-I had indeed received a message from "The God." Scrolling down the contact info in search of more clues, I discovered a written status that read, "My life, My Rules.". A smirk escaped my lips as I muttered, "Of course, it was yours to decide because you are the God." Finally, a status that resonated one hundred percent with someone.

Reality blurred, and confusion set in. Was this truly

happening? Seeking validation, I took a screenshot of the chat and attempted to forward it to my friend. Pressing the back button proved ineffective, and my attempts with the power and volume buttons were futile. I found myself trapped in the chat interface and left with no option but to continue typing. Perhaps, that was precisely what the contact named "THE GOD" intended. Eager to confirm the identity, be it a hacker or the Creator Himself, I initiated a test.

Me: "I am not sure of your identity. If you are really "The GOD", tell me something only I know."

GOD: "How about the incident of getting your head stuck between the staircase spindles and crying for half an hour before you escaped on your own? You didn't utter a word to anyone as a matter of self-esteem."

My heart raced at an unprecedented speed. I was more than convinced that the contact was indeed "The GOD". It was a silly event yet no one knew except me. After five minutes of contemplation, I decided to respond to the God's previous message asking what my problem was.

Me: "You're asking as if I'm having good moments in my life. If I turn back, all I could see is only problems throughout my life and nothing else."

God: "Okay, fine. Can you just list out the problems like you do for groceries?"

Such a sarcastic God! I had expected a more formal tone, but His approach and attitude surprised me. Me: "Very confused about my life and the decisions I am taking in my life; forgot the meaning of optimism; don't know the purpose of my life."

I laid out my troubles in a grocery list format, wondering how this celestial being would respond to the mundane complexities of human existence.

God: Let me tell you a story. One fine day, God appeared before two families of potters, assigning unique tasks to each. The first family was tasked with creating the maximum number of pots within a week, while the second family's task was to craft a single perfect pot with flawless finishing. A week later, when God returned, he was astonished. The first family had not only produced the maximum number of pots but had also achieved perfection through repeated work and improvisation. In contrast, the second family, consumed by contemplation without action, achieved less perfection. This story serves as a reminder that spending excessive time crafting a perfect solution in one's mind may not be as productive as taking decisive action. It encourages us to embrace a balance between thoughtful consideration and proactive steps toward our goals.

As I pondered whether God was sharing his divine travelogue titled "One Fine Day at Earth" with me, I reined in my thoughts and returned to reality. Ready to reply, I started typing.

Me: "But...."

God: "But what? If you are so confused about the decisions, do one thing. Flip a coin with your two choices of decisions fixed to head and tail. After flipping, don't open your hand. Just think which side (head/tail) you hoped for while flipping the coin. You will get the answer."

Me: "Yes! Now I am having more clarity."
God's unconventional advice left me with a newfound sense of direction, urging me to move beyond over thinking and embrace a decisive course of action.

God: "I hope now you have the answer. Just be your old version where you enjoyed your life!"

Me: "Will try. God, about my purpose in life? Can you please tell me?"

God: "Don't get carried away by the dramatic words 'optimism' and 'purpose.' They are not as essential as you think. Just trust in yourself. Live your life the way you love. That is what your purpose is. You are never a disappointment. You still have a lot more to see. Be bold and strong. Embrace your imperfections, for they are part of your unique journey. Act with courage, and trust in your ability to shape your destiny."

Me: "Thank you, almighty. One more inquiry: Can I harness your power just once after this conversation?"

God left the chat.... Maybe He insisted to focus on my life in a serious note. The power to shape our destiny lies not only in seeking external guidance but in trusting our own resilience and embracing the imperfections that make us uniquely human. It encourages us to boldly navigate life, prioritizing self-love, and realizing that, sometimes, the answers we seek come from within rather than from the outside.

*****

HEAD OFFICE

The Inspecting Officers Conference of ZI Bengaluru for the year 2023-24 was conducted on 05.12.2023 at Bengaluru. Sri. Vijay Kumar Yadav, DGM, ZI, Bengaluru welcomed the dignitaries, Inspecting Officers and other participants. He highlighted the performance of the ZI Bengaluru as on 30.11.2023. Sri. Bhavendra Kumar, ED in his keynote address suggested that each Inspecting officer during RBIA should monitor and motivate the branches to improve customer service invariably besides reporting of unwanted activities which may hamper customer service. Further, he stressed upon the importance of effective and qualitative inspection and also advised that IOs should co-ordinate with Regional Office and Regional Heads during RBIA and inform them of any serious irregularities for initiating corrective action. Sri. K J Shrikanth, CGM, Inspection Wing enumerated how lines of defense work and importance of Inspection in this context. Shi. Shereyar Vakil, Guest Faculty took a motivational and inspirational session helping IOs to embrace positive approach.

Our MD&CEO launched the first edition of "CanBuzz" newsletter on 04.01.2024 in the presence of EDs and other executives. CanBuzz is a monthly newsletter which is a compilation of success stories and articles designed to keep us inspired. This milestone marks a significant step forward in our commitment to keeping us informed, engaged and connected.

BENGALURU

Sarfaesi Mega Property Expo was held on 15.12.2023 at Bengaluru under the guidance of Sri. Bhavendra Kumar, ED, and Sri. Hari P V, DGM, RLFP Wing. Properties which were put for auction and proposed for auction were displayed. ARM Branches and Recovery sections from RO Bengaluru participated in the Expo. More than 100 customers, recovery agents, direct selling agents and real estate agents attended the event. A total of 100 SARFAESI eligible properties of ARMs and all the ROs in Bengaluru CO were displayed.

BHUBANESWAR

Bhubaneswar CO conducted a SHG Credit Linkage & Financial Literacy Camp at Konark on 16.12.2023. The camp was inaugurated by Sri. Bhavendra Kumar, ED,

Sri. Jagdish Chander, GM and CO Head, Sri. Mahamaya Prasad Roy, AGM, Bhubaneswar RO-1, Sri. Ashish Ranjan Sahoo, Dep. Secretary of Mission Shakti, and various other executives attended the camp.

In an another event, Sri. Bhavendra Kumar, ED and Sri. Jagdish Chander, GM, Bhubaneswar CO met Sri. Gagan Swain, Director Finance & Sri Shrikanta Kumar Sahu, CFO of GRIDCO Ltd, Sri. Subham Saxena, MD and Sri. Hrudananda Kar, CGM, Finance of Odisha State Civil Supplies Corporation Ltd on 16.12.2023 with an objective to grow and augment our business from Govt. Departments.

Bhubaneswar Circle conducted Business Strategy Meet on 16.12.2023 in the presence of Sri. Bhavendra Kumar, ED, Sri. P Thakur Naik, DGM gave the welcome address. Sri. Jagdish Chander, GM presented the Circle Profile and highlighted the achievements and concerns of the Circle. Sri Bhavendra Kumar, ED gave his keynote address and emphasized upon the concerned areas of the Bank which require immediate attention to enhance the bank's performance in all spheres. The meeting concluded with Vote of thanks by Sri G N Murthy, DGM, CO, Bhubaneswar.

CHENNAI

Sri. Ashok Chandra, ED visited Tiruppur and Coimbatore Regions on 08.01.2024 and graced the MSME Outreach Programme. During the outreach programme circle office sourced 209 proposals to the tune of ₹510.00 Cr. Sri. Ashok Chandra, ED interacted with new and existing customers and got the feedback of textile industry and its requirements. Sanctions to the tune of ₹95 Cr. were handed over to 16 customers during the programme. Sri. Nair Ajit Krishnan, CGM, Chennai CO, Sri. C Jayakumar, DGM, Tiruppur RO, Sri. Santhosh V D, DGM, Coimbatore RO1, Sri. Shobit Astana, DGM, Coimbatore RO II, and various other executives were present during the event.

The new premises of Dr. Rela Institute and Medical Research Centre branch was inaugurated on 14.12.2023 in the presence of Dr. S Jagathrakshakan, Hon'ble MP of Arakkonam Constituency & Chairman of Accord Group, Prof. Mohamed Rela, Chairman and MD of Dr. Rela Institute and Medical Centre, Sri. G Kamaraj, Deputy Mayor, Sri. Nair Ajit Krishnan, CGM, Chennai CO, and Sri. G V Manimaran, former GS CBOA.

In association with Canara Bank SC/ST Employees welfare association, Canara Bank Chennai Circle

distributed Relief materials to the people affected by Michaung Cyclone/Flood at Gandhi nagar Chennai on 16.12.2023. On behalf of Canara Bank, Sri Y Shankar DGM, Sri S Babu AGM, Sri Sudarshan Joshi DM, Chennai CO and on behalf of Canara Bank SC/ST Employees welfare association Sri. Na Durai Bhaskar CCM, Sri. P Muthukaruppan CCM, Sri. C Tilak, Chennai Circle secretary, Sri U Saravanan, Regional secretary and other office bearers participated.

HUBBALLI

Hubballi CO conducted a Mega SHG awareness and credit linkage programme in 43 clusters across all 9 ROs. The function was chaired by Sri. M Vijayakumar, GM, Hubballi CO along with Sri. Barun Singh Takur, DGM PC Wing HO Bengaluru, Sri. P Shrinivas RO Head Hubballi II, Sri. Anoop Kumar Singh DM, RO II, Sri. Vaijnath SK DM RO II, CM Headed Branches, RO Staff in 2 clusters namely Hangal and Bankapur were present. More than 500 sanctions and provisional sanctions to SHG women beneficiaries amounting to more than ₹10 Crores across all the 13 districts of Hubballi Circle were distributed.

A one day workshop for branch heads and assurance section heads was conducted on 05.01.2024 at Hubballi CO. Sri. M Vijayakumar, GM guided participants to do self-audit before commencement of RBIA and to restrict observations by IOs. Sri. V K Yadav, DGM, ZI Bangaluru addressed the participants through VC and minutely explained the gambit of RBIA. Sri. W. T. Suresh Kumar, AGM, CO, Assurance Section, CLDC Faculty Sri. Dravesh, Sri. Avinash C, IO, Sri. Gokul Das C, IO guided participants for smooth completion of RBIA with improvement in Low Risk Rated Branches.

HYDERABAD

Library Day was organized by Hyderabad CO on 21.12.2023. Books pertaining to different categories like health, children's books, literature (novels and stories), motivational, Banking etc were displayed. The list of books was circulated among all staff members. Several Staff members borrowed books on the occasion.

MADURAI

Monthly Customer Service Meeting for December 2023 was conducted on 15.12.2023 at Conference Hall, Circle Office, Madurai. Top customers participated in the meeting and interacted with Executives of Circle Office. Keynote address was given by Sri. T V Krishna Mohan, GM, Madurai CO. A presentation of digital products and door step banking were made by TM Section and Customer Service Section, CO.

Sexual Harassment at Work place prevention week was observed from 04.12.2023 to 09.12.2023 at Madurai CO. As part of awareness creation, banners and posters were delivered to all the Admin offices and branches of the circle and display of the same was ensured. Presiding Officer of Internal Complaints Committee addressed the members of the Circle regarding the importance of spreading awareness and the functioning of ICC at Circle Level. A video conference meeting headed by Circle Head was conducted on 08.12.2023 with participants from all the Regional Offices and branches.

MANIPAL

As a part of Centre for Entrepreneurship Development (CED) activities and on the occasion of VISHVA GEETHA PARYAYOTSAVA 2024, CED Cell organized "CANARA UTSAV" at Udupi RO 1 on 17th & 18th January 2024, to provide a marketing platform for Women entrepreneurs. The program was inaugurated by Sri M G Pandit, GM & Smt Sheeba Sahajan, DGM, Udupi RO 1 along with Smt Bettina D'Souza, a successful women entrepreneur.

The Business Review Meet of Regional Offices, RAHs, MSME Sulabhs, ARMs, MCB, ELBs & VLBs was organised on 18.01.2024. The meeting was chaired by Sri Debashish Mukherjee, ED, Regional Heads of 6 Regional Offices, RAH Heads, MSME Sulabh Heads, ARM Heads, ACC Head, MCB Head and all Scale IV & above Branch Heads, Executives from Circle were present for the Review. Sri M G Pandit, GM & Circle Head, Manipal Circle welcomed ED sir and highlighted the performance of the Circle for the Quarter ended Dec 2023. In his Key note address ED Sri Debashish Mukherjee, briefed on the Corporate goals to all the Executives present in the Meet. He impressed upon the thrust for CASA accretion and called upon all the Branch heads to intensify their efforts towards increasing Profitability for Q4.

New premises of Shivamogga RO was inaugurated on 15.12.2023. Dr. Selvamani R, IAS, Deputy Commissioner, Sri. Snehal Sudhakar Lokhande IAS, CEO ZP Shivamogga, Sri. M G Pandit, GM, Sri. Rajeev Thukral, DGM, CO Manipal, Sri. Devaraj R, DGM, and Regional Head Shivamogga inaugurated the premises. Dr. Selvamani R, IAS, Deputy Commissioner appreciated the Bank's role as lead bankers in the district and for catering financial needs for all sectors of society. Sri. Snehal Sudhakar Lokhande, IAS, CEO, ZP Shivamogga heighted the efforts of our Bank in reaching customers through Govt sponsored schemes and helping the customers with various financial support.

THIRUVANANTHAPURAM

The NRI meet of Regional Office II, Thiruvananthapuram for the FY 2023-2024 was held on 27.12.2023. The meeting was chaired by Sri. Pradeep K S, DGM, CO Thiruvananthapuram and Smt Bini V S, AGM, Regional Office II, Thiruvananthapuram. Top NRI customers attended the meet along with their families. An interactive session was arranged where customers interacted with our Top executives and the customer's feedback were noted and queries were addressed.

The 78th Half yearly meeting of TOLIC of Banks & Insurance Companies and shield distribution programme was held on 12.12.2023 at Canara Bank, Circle Office, Trivandrum. Shri. S.K.Mishra, DGM, Canara Bank chaired the meeting. Shri. Thomas Mathew, Hon.Regional Director, Reserve Bank of India and Shri. Manoj S, GM, NABARD also spoke on the occasion. Prizes and certificates were distributed to the winners of Inter Office Hindi Competitions conducted during November 2023. Action plan for the next half year was also discussed.

The Branch Heads Q3 review of Thiruvananthapuram II Region was conducted on 10.01.2014 at Trivandrum. Sri S K Mishra, DGM, Trivandrum CO presided over the function and reviewed the performance of the branches. He emphasized the importance of adhering to compliances guidelines issued by Bank from time to time and achieving targets by proper planning and teamwork. Smt Bini V S, AGM presented the performance of the Region during the last quarter. She also deliberated on the areas of concern and the way forward. The Performing branches of the last quarter were rewarded.

अंचल समाचार

अहमदाबाद

दिनांक 11.01.2024 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उप–समिति के माननीय सांसद डॉ. अमी याज्ञिक, श्रीमती कांता कर्दम, सुश्री सरोज पाण्डेय, समिति सचिव श्री प्रेम नारायण, अवर सचिव श्री विक्रम सिंह उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम में

केनरा बैंक का प्रतिनिधित्व करने हेतु प्रधान कार्यालय की ओर से श्री ई रमेश, सहा. महाप्रबंधक एवं श्री राघवेंद्र तिवारी, वरि. प्रबंधक तथा अंचल कार्यालय, अहमदाबाद से श्री शम्भू लाल, महाप्रबंधक, श्री अमित मित्तल, उप महाप्रबंधक एवं श्री भोम सिंह भाटी, प्रबंधक तथा क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद से श्री संदीप सिरोही, सहा. महाप्रबंधक एवं श्री संदीप कुमार, प्रबंधक उपस्थित रहे।

चंडीगढ़

दिनांक 16.11.2023 को महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री बी.एल. मीना के नेतृत्व में अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा सेक्टर–15 के सीनियर सिटीजन होम (वृद्धाश्रम) और गुरु आसरा ट्रस्ट, चंडीगढ़ में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि का आयोजन किया गया। श्री बी. एल. मीना ने ज़रूरतमंद लोगों से मुलाकात की और उन्हें किराने की वस्तुएं और अन्य आवश्यक सामान वितरित किए। केनरा बैंक सीएसआर गतिविधियों को करने में हमेशा अग्रणी रहा है। इस अवसर पर श्री दलबीर सिंह ग्रोवर, उप महाप्रबंधक एवं श्री शैलेन्द्र नाथ शीथ, उप महाप्रबंधक भी उपस्थित रहे।

उत्कृष्टता केंद्र, गुरुग्राम

संस्थापक दिवस के अवसर पर उत्कृष्टता केंद्र, गुरुग्राम में संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रंगोली और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के आयोजन के पश्चात संस्थापक की सुसज्जित प्रतिमा के साथ उपस्थित प्रशिक्षार्थी एवं उत्कृष्टता केंद्र के स्टाफ सदस्य।

गुवाहाटी

दिनांक 15.12.2023 को नराकास गुवाहाटी (बैंक) के तत्वाधान में केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री एच टी बाविस्कर के कुशल मार्गदर्शन में ''चित्र/तस्वीर कुछ कहती है'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न बैंकों से कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान नराकास सदस्य सचिव श्रीमती स्मिति मिसरा, सहायक महाप्रबंधक एवं श्री राजेश चतुर्वेदी, मुख्य प्रबंधक भी उपस्थित रहे। अंचल प्रमुख श्री एच टी बाविस्कर एवं मानव संसाधन प्रबंधन अनुभाग के पर्यवेक्षी कार्यपालक श्री नवीन कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के लिए धन्यवाद दिया एवं साथ ही साथ नराकास गुवाहाटी के सदस्य सचिव एवं प्रतिभागियों के समक्ष राजभाषा कार्यान्वयन एवं बैंक के विकास में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा की भूमिका और महत्ता पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। नराकास सचिव श्रीमती स्मिति मिसरा ने केनरा बैंक द्वारा किए जा रहे राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों एवं क्रियाकलापों की प्रशंसा की।

हैदराबाद

दिनांक 24.01.2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संगारेड्डी की 10वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन अग्रणी जिला कार्यालय, संगारेड्डी के परिसर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला कार्यालय के मुख्य प्रबंधक एवं नराकास अध्यक्ष श्री जी गोपाल रेड्डी ने की। बैठक में आयुध निर्माण फैक्ट्री के कार्यालय प्रधान श्री के. सी. मोहन एवं उप महाप्रबंधक श्री पी. आर. चौधरी सहित सभी सदस्य कार्यालय के कार्यालय प्रधान तथा उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार विश्वास ने गूगल मीट के माध्यम से सदस्य कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों की समीक्षा की।

जयपुर

दिनांक 12.01.2024 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता स्थायी समिति द्वारा केनरा बैंक अंचल कार्यालय, जयपुर का अध्ययन दौरा किया गया। माननीय सांसदों का स्वागत करते हुए श्री के. सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी। तस्वीर में अन्य कार्यपालकगण भी नज़र आ रहे हैं।

कोलकाता

दिनांक 18.12.2023 को श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया, कार्यपालक निदेशक द्वारा अंचल कार्यालय, कोलकाता का दौरा किया गया। उक्त बैठक में अंचल के कार्यपालकगण, क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रमुख, आरएएच प्रमुख, एमएसएमई सुलभ प्रमुख, एआरएम शाखा प्रमुख और अंचल कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के अनुभाग प्रमुख अपने पर्यवेक्षी कार्यपालक के साथ उपस्थित थे, जिनके कार्यनिष्पादन की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया ने की। अपने भाषण में, उन्होंने कासा, खुदरा ऋण, कृषि ऋण, एमएसएमई, डिजिटलीकरण में वृद्धि तथा एनपीए और एसएमए को नियंत्रित करने पर बल दिया। उन्होंने समावेशी विकास, परिचालन लाभ में वृद्धि, सीआरई पोर्टफोलियो की निगरानी और कासा कैंप आयोजित करके अधिकतम खाते खोलने पर ज़ोर दिया। अंत में केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना के तहत विजेता क्षेत्रीय कार्यालयों के क्षेत्रीय प्रमुखों को पुरस्कृत किया गया।

लखनऊ

अंत्योदय के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित मेगा स्वयं सहायता

समूह बैंक क्रेडिट लिंकेज कार्यक्रम के दौरान केनरा बैंक द्वारा लगाए गए स्टाल पर अंचल कार्यालय लखनऊ के महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री के साथ केनरा बैंक द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विशेष के लिए संचालित विभिन्न बैंकिंग कार्यक्रमों को भी साझा किया।

मणिपाल

दिनांक 18.01.2024 को श्री देबाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक द्वारा अंचल कार्यालय मणिपाल का दौरा किया गया। महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री एम जी पण्डित व अन्य कार्यपालकों द्वारा कार्यपालक निदेशक का स्वागत किया गया तथा दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अंचल के कार्यनिष्पादन पर प्रकाश डाला। अंचल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, आरएएच, एमएसएमई सुलभ, एआरएम, एसीसी की समीक्षा भी की गई।

मुम्बई

दिनांक 26.01.2024 को अंचल कार्यालय, मुम्बई द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया गया। श्री पुरशोत्तम चन्द, मुख्य महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख ने तिरंगा झंडा फहराकर गणतंत्र दिवस का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री पुरशोत्तम चन्द, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के निरीक्षण के साथ हुई। कार्यक्रम का संचालन श्री षोजो लोबो, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा किया गया। अंचल कार्यालय, एकीकृत कोष विभाग एवं स्थानीय शाखाओं/कार्यालयों के कर्मचारीगण एवं परिवार के सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पटना

दिनांक 29.12.2023 को श्री भवेन्द्र कुमार, कार्यपालक निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बकमंडल, बहेड़ी, दरभंगा के नए कमरे सह स्मार्ट कक्षा का उद्घाटन किया गया। इस दौरान अंचल कार्यालय, पटना से महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री अरुण कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

पुणे

दिनांक 13.12.2023 को श्री भवेंद्र कुमार, कार्यपालक निदेशक का पुणे अंचल में आगमन हुआ। इस अवसर पर अंचल कार्यालय, पुणे में क्षेत्रीय कार्यालयों, एलसीबी, एमसीबी तथा कार्यपालकों द्वारा संचालित वीएलबी/ईएलबी शाखाओं की समीक्षा एवं कारोबार समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक, श्री भवेंद्र कुमार ने की। कार्यपालक निदेशक ने उपस्थित कार्यपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि कासा में गिरावट, निवल ब्याज मार्जिन में कमी, परिचालन लाभ में कमी, बढ़ता एनपीए आदि बैंक के कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें सुधार किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रत्येक शाखा में दैनिक आधार पर जीडीपी, एलीट, डिलाइट, जीवनधारा आदि के अंतर्गत कम से कम 4–5 गुणवत्तापूर्ण कासा खाते खोले जाने की आवश्यकता है। कार्यपालक निदेशक ने "इंद्रधनुष" और "तेजस" अभियानों के तहत क्षेत्रीय कार्यालयों एवं शाखाओं को इस अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता कर निर्धारित लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया।

राँची

दिनांक 16.01.2024 को होटल रेडिसन ब्लू, राँची में प्रभात खबर किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सी. पी. राधाकृष्णन, माननीय राज्यपाल, झारखण्ड तथा श्री बादल पत्रलेख, माननीय मंत्री, कृषि, पशु पालन एवं सहकारिता, झारखण्ड सरकार भी उपस्थित रहे। इसमें विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ पदाधिकारीगण को भी आमंत्रित किया गया था। श्री श्रीनाथ जोशी, महाप्रबंधक के कुशल नेतृत्व में केनरा बैंक को झारखण्ड सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में सराहनीय निष्पादन करने हेतु पुरस्कृत किया गया। श्री सुनील कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने श्री सी. पी. राधाकृष्णन, माननीय राज्यपाल तथा श्री बादल पत्रलेख, माननीय मंत्री, कृषि, पशु पालन एवं सहकारिता से पुरस्कार ग्रहण किया। साथ ही, श्रीमती रूम्पा वालसुम खाखा, कृषि विस्तारण अधिकारी, बेड़ो शाखा को भी कृषि क्षेत्र में सराहनीय निष्पादन करने हेतु पुरस्कृत किया गया।

प्रधान कार्यालय, बेंगलूरू में गणतंत्र दिवस समारोह
Republic day celebrations at Head Office, Bengaluru

डिजिटल दादाजी

अमित शर्मा
अधिकारी
आर ए एच, जबलपुर

शरद ऋतु की एक सुबह दादाजी ने चाय के साथ अख़बार उठाया,
तभी उन्हें जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का बैंक का मेसेज आया।

बैंक की लंबी लाईन सोचकर दादाजी का मन घबराया,
जाना होगा बैंक अब तो पत्नी जी को यह बतलाया।

काश उन्हें भी मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग आती,
तो ऑटो करके बैंक जाने की ये नौबत ना आती।

रोज़ धोखाधड़ी वाली खबरें भी सुर्ख़ियों और मन पर भारी थी,
साथी सब हुए मॉर्डन अब शायद दादाजी की बारी थी।

बेटे, पोते और छोटों ने कई बार समझाया था,
कुछ महीनों पहले ही उन्हें स्मार्ट फ़ोन दिलवाया था।

दादाजी ने पोते से पूछा सुनो अब ये बतलाओ,
मोबाइल से बैंकिंग कैसे होगी ज़रा मुझे भी समझाओ।

पोता बोला इसमें क्या है, चार काम निपटाने होंगे
ई-मेल बनाओ, स्टोर चलाओ, डाउनलोड ऐप करो
और कुछ ओटीपी बतलाने होंगे।

दादाजी बोले वाह बेटे ये कोई भाजी तरकारी है,
जितना तुमको सरल लगता उतना मुझ पर भारी है।

चलो आपकी यह मुश्किल भी कुछ हल कर देता हूँ,
ई-मेल, ऐप स्टोर आपके मोबाइल पर अपडेट कर देता हूँ।

बाक़ी आप बैंक में समझना मुझे कहीं अब जाना है,
बैंक में जाके उन्हीं से पूछना, उन्हीं का काम यह समझाना है।

निश्चय किए हुए दादाजी अब बैंक में आते हैं,
संकोच मन में दादाजी के क्या बैंक वाले मोबाइल चलाना भी समझाते हैं।

एक अफ़सर की मेज़ पर जाकर बोले बेटा एक बात बताओ,
जीवन प्रमाण पत्र मोबाइल से कैसे होगा मुझको समझाओ।

दादाजी सोच रहे थे व्यस्त अफ़सर अब खीझेगा,
इतनी व्यस्तता में इनको कैसे समझाऊं ये सोचेगा।

लेकिन अफ़सर ने मुस्कराकर दादाजी को हैरान किया
जी सर अभी समझाता हूँ बोल कर सम्मान दिया।

कुछ काम सिमटा कर उसने दादाजी का फ़ोन लिया
ऐप डाउनलोड करके प्रोसेस उनको समझा दिया।

कुछ पुष्टि करके खाते की दादाजी को उसने समझाया
बहुत सरल है मोबाइल बैंकिंग ख़ुद चलवा कर उनको बतलाया।

एक दो बार ख़ुद चलाकर दादाजी भी समझ लेते हैं,
कुछ बातें वो याद रख कर अपनी डायरी में लिख लेते हैं।

हर जानकारी हाथों में, अब अपडेट उनका खाता जी,
सब सरल है मोबाइल से अब डिजिटल हुए हैं दादाजी।

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

तमिलनाडु : विभिन्न प्रकार के संस्कार और विश्वास

धीरज जुनेजा
अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत

भारतीय सभ्यता लगभग 4500 वर्ष पुरानी है, जिसमें लोगों का विश्वास, ज्ञान, संस्कार, परंपराएं, आदतें, खान–पान, आचार–विचार, भाषा, त्यौहार एवं कला का समावेश होता है। भारत के विभिन्न भागों में भिन्न–भिन्न प्रकार के विश्वास और संस्कार पाए जाते हैं। तमिलनाडु के बारे में सोचते ही, कावेरी नदी, आकाश को छूने वाले गोपुरों से युक्त मंदिर, फ़िल्टर कॉफी, इडली, मसाला दोसा, कांचीपुरम की रेशमी साड़ी आदि हमारे मानस पटल पर अनायास ही आते हैं।

तमिलनाडु में रहने वाले लोगों के विभिन्न प्रकार के विश्वास, संस्कार आदि के संबंध में जानने की कोशिश करेंगे तो हमें अनेक जानकारियां मिलेंगी। तमिलनाडु के लोग, पीढ़ी दर पीढ़ी से जो संस्कार आदि की रक्षा करते आ रहे हैं, उसके संबंध में, उनके पीछे रहने वाले विश्वास निम्न लिखित हैं :

1. कोलम : प्रतिदिन सवेरे घर की दहलीज़ में लगाए जाने वाले कोलम–कोलम शब्द के लिए कोश में अर्थ ढूँढने पर हमें रंगोली शब्द मिलेगा, लेकिन रंगोली, कोलम से थोड़ा भिन्न है। रंगोली में विभिन्न रंगवाले पाउडरों का प्रयोग होता है लेकिन कोलम मात्र सफ़ेद रेखाओं से बना है, कोलम लगाए जाने के निम्न उद्देश्य हैं :–

I) कोलम एक सकारात्मक अभिव्यक्ति है, अगर किसी के घर के द्वार पर 'कोलम' लगा है तो इसका मतलब है, हमारे घर में आप आ सकते हैं। अगर 'कोलम' नहीं है तो इसका मतलब है, हम आपका स्वागत करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन एक बात है। आजकल अनेक लोग फ्लैट्स में रहते हैं, जहां कोलम लगाने की सुविधा नहीं रहती है, फिर भी जो लोग पारंपरिक अनुष्ठानों के अनुपालन में विश्वास रखते हैं, कि अपने घर का द्वार छोटा सा ही सही, कोलम ज़रूर लगाते हैं।

II) पारंपरिक संस्कारों को मानने वाले लोग चावल कूटकर आटा बनाकर उससे कोलम लगाते हैं। उन लोगों का मानना है कि कोलम में जो चावल का आटा है, उसे चींटी जैसे छोटे–छोटे जीव खाते हैं।

III) मार्ग शीर्ष महीने के दौरान प्रातः काल, यानी 4.00 बजे से पहले ही उठकर कोलम लगाने की प्रथा है। इस महीने में तमिलनाडु के सभी मंदिर प्रात: काल 4.00 बजे ही खुल जाते हैं। ऐसा करने के लिए निम्नलिखित कारण बताए जाते हैं:

* वैज्ञानिक रूप में यह माना जाता है कि मार्गशीर्ष महीने के दौरान वातावरण के कारण 'ओज़ोन' (OZONE-O3) परत बहुत नीचे आ जाता है, तो इस महीने प्रातःकाल उठने से ओज़ोन परत का पूरा लाभ उठाया जा सकता है।

* पुराणों का विश्वास है कि मार्ग शीर्ष महीना, देवों के लिए प्रातः काल है, यानि मनुष्य का एक साल, देवों के लिए एक दिन है, तो मार्गशीर्ष महीना उनका प्रातः काल है। इसलिए यह विश्वास किया जाता है कि इस समय उठने से भगवान की अनुकम्पा मिलती है। तमिलनाडु के सभी मंदिरों में इस महीने के दौरान प्रातःकाल 4.00 बजे विशेष पूजाएं होती हैं।

2) विशेष पूजा के दिनों में आम के पत्तों से वंदनवार बनाकर अलंकृत करना: गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी, सरस्वती पूजा आदि दिनों में आम के पत्तों से वंदनवार बनाकर घर द्वार पर अलंकार करने की प्रथा है; कहीं–कहीं, सुपारी पत्तों से भी अलंकार करते हैं। विश्वास है कि आम के पत्तों में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने की ताकत है, जो घर में आते हैं, उनके मन में सकारात्मक भावना पैदा करने के उद्देश्य से ऐसा किया जाता है।

3) शादी आदि में केले के पत्ते में खाना परोसना : दक्षिण के

लगभग चारों राज्यों में केले के पत्तों में खाना परोसने की प्रथा है; इसके प्रमुख कारण हैं –इन चारों राज्यों में केले के पेड़ बहुत हैं।

4) **अगर घर में किसी को चेचक या संक्रामक रोग है तो घर के द्वार पर नीम के पत्तों को लटकाने की प्रथा है:** इसके दो कारण हैं – (1) नीम के पत्तों को देखकर लोग समझ लेंगे कि अमुक घर में किसी को संक्रामक रोग है और वे घर के अंदर नहीं आएंगे। (2) इसका वैज्ञानिक कारण है – नीम एक कीटनाशक और प्रभावी 'एंटिबायोटिक' भी है।

5) **नींबू :** नींबू फल का प्रयोग पूजा में अधिक होता है। नींबू को काटकर उसमें तेल डालकर, दीप जलाने की प्रथा तमिलनाडु में अधिक है। यही नहीं, किसी बड़े व्यक्ति से मिलने जाते हैं तो उनको देखते ही, उनके हाथ में नींबू फल देने की प्रथा भी यहाँ अधिक है। इसके अनेक वैज्ञानिक कारण हैं : हम सबको मालूम है कि नींबू में 'सी' विटामिन अधिक मात्रा में है, लेकिन शायद हमें यह मालूम नहीं कि, नींबू रस की अपेक्षा नींबू के छिलके में 'सी' विटामिन और अधिक है। विशेषकर, मंदिर आदि जगहों पर अनेक प्रकार के लोग आते हैं, ऐसे जगहों पर नींबू के छिलके में दीप जलाने पर सबको सुरक्षा मिलती है। हाल ही में अमेरिकी विश्वविद्यालय ने यह खोज की है कि कैंसर के विषाणुओं को मारने की ताकत नींबू के छिलके में है। नींबू के छिलके में, कीमोथेरपी (chemotherapy) से भी 1000 गुने अधिक कैंसर को मिटाने की क्षमता है और कीमोथेरपी के कोई भी नकारात्मक पार्श्व प्रभाव इसमें नहीं हैं।

और एक बात है–तमिलनाडु में चेचक आने पर, किसी डॉक्टर के पास नहीं जाते हैं। क्योंकि चेचक को देवी माता मानने की प्रथा यहाँ है। घर में अगर किसी को चेचक है तो घर का कोई 'देवी माता' के मंदिर आकर, मंदिर से, पूजा में प्रयोग किए गए पानी को ले जाकर, चेचक ग्रसित व्यक्ति को पिलाते हैं। इस प्रकार आनेवाले लोग अक्सर चेचक विषाणु वाहक रहते हैं। उनके माध्यम से अन्य लोगों को चेचक का वाइरस फैल सकता है। इसे सुरक्षित करने के लिए, सामान्यतः देवी माता के मंदिरों के प्रवेश द्वार पर एक दो नींबू रखने की प्रथा है। यही नहीं, देवी माता को नींबू से बनी माला अर्पित करने की भी प्रथा है और भक्त लोगों को एक–एक नींबू भी प्रसाद के रूप में दिया जाता है। यह प्रथा केरल, आंध्रा और कर्नाटक में भी है।

6) **मंदिरों में नमक एवं काली मिर्च समर्पित करने की प्रथा :** यदि हम दक्षिण के शैव मंदिरों एवं देवी मंदिरों में जाएँगे तो वहाँ एक दृश्य सामान्य रूप में मिलेगा। इन मंदिरों में एक स्थान में, बहुधा नवग्रह मंडप के पास, या प्रवेश पर सब लोग नमक (सेंधा नमक) और काली मिर्च डालते हैं। कुछ मंदिरों में खासकर कुंबकोणम में रहने वाले नवग्रह मंदिरों में आनेवाले भक्तलोग एक दो काली मिर्च और सेंधा नमक लेकर खाते भी हैं। इसके पीछे ये बात है: तमिलनाडु के गावों में एक कहावत है– अपने जेब में थोड़ा काली मिर्च रख लेंगे तो, विरोधी के घर में भी खाने के लिए जा सकते हैं, जंगल में भी घूम सकते हैं अर्थात काली मिर्च में उस घर के किसी भी प्रकार के विष को तोड़ने की ताकत है। किसी विषैले कीड़े आदि के काटने से, विष रक्त में जाकर घुल जाता है, रक्त से विष को अलग करके बाहर लाने में काली मिर्च अत्यंत असरदार है। इसी प्रकार पानी में रहने वाली कृमियों से लड़ने की ताकत सेंधे नमक में है। आपको यह मालूम होगा की गले में संदूषण (throat infection) हो गया तो हम नमक मिश्रित पानी से कुल्ला करते हैं। सेंधा नमक से कुल्ला करते हैं तो अधिक असर होता है। यात्रा करते समय हम विभिन्न जगह के पानी पीते हैं और हमारा गला संदूषित होने की अधिक संभावना होती है। इसलिए अनेक मंदिरों में प्रवेश द्वार पर या किसी प्रमुख स्थान पर नमक डालकर रखते हैं। यह वातावरण में रहने वाले संदुषण करने वाले प्रभाव को कम करता है।

7) **देवी मंदिरों में और बड़े–बड़े जमींदारों के घर के पीछे सांप के लिए पुट्ठा रखना:** तमिलनाडु के अनेक देवी मंदिरों के पीछे बड़े–बड़े नीम, पीपल आदि पेड़ रहते हैं। इन पेड़ के नीचे सांप के पुट्टे रहते हैं । कुछ लोग पुट्टे में दूध, अंडे आदि चढ़ाते भी हैं। इस का कारण क्या है? एक तो यह है कि, ये लोग सांप को देव मानते हैं, इसलिए पूजा करते हैं और दूसरा कारण इस प्रकार है – सांप से लोग डरते हैं, जबकि सांप हमारे लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेत के फसल में जब दाने आने लगते हैं, तब उन को

खाने के लिए बहुत सारे चूहे आते हैं। ये सांप इन चूहों को खाकर दानों की रक्षा करते हैं। और हमारे पूर्वज इस बात पर ध्यान देते आए हैं कि सांप भौगोलिक चक्र की एक कड़ी है – वनों को काटकर जब नगर बनाने की प्रक्रिया हो रही थी, तो जंगल एवं वनों में रहने वाले सांप विमुख होकर मनुष्यों के स्थान में आने लगे। इस स्थिति से बचने के लिए, जहां–जहां सांप के पट्टे थे, उनको वैसे ही रख दिया गया। उनके पास के पेड़ को भी ऐसे ही छोड़ दिया गया, आनेवाली पीढ़ी भी इसकी रक्षा करें, इसे ध्यान में रखते हुए, सांप के पुट्टे की रक्षा को एक धार्मिक विश्वास के साथ जोड़ दिया गया। इसलिए आज भी सांप के पुट्टों में दूध एवं अंडे का नैवेद्य चढ़ाने की प्रथा है।

8) **विभिन्न प्रकार के पत्तों को धार्मिक क्रियाओं के साथ संबंध बनाना:** नीम के पत्ते, तुलसी के पत्ते, विल्व के पत्ते, दूब आदि को पूजा में एवं अनेक धार्मिक संस्कारों में शामिल किया गया है। इन पत्तों में अनेक रोग निवारक क्षमताएं हैं। तुलसी के पत्ते कफ, फेफड़े संबंधी रोग आदि के लिए उत्तम निदान है। प्रति–दिन एक विल्व पत्र का सेवन करने से हृदय रोग से आराम मिलता है। दूब का रस मधुमेह, हृदय रोग तथा नसों के लिए उत्तम उपचार है। इन पत्तों को विभिन्न पूजा विधियों में शामिल करके समाज में इनके लिए महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इस कारण से सब लोग इन पौधों की सुरक्षा करते हैं और इन्हें काटने और नष्ट करने से हिचकते हैं।

9) **दक्षिण दिशा की तरफ घर के द्वार का निर्माण करना :** तमिलनाडु में लोग बहुधा अपने घर का द्वार दक्षिण दिशा की तरफ ही निर्मित करना चाहते हैं। इसका प्रमुख कारण है–तमिलनाडु के दक्षिण में समुद्र है, और दक्षिण की ओर से आनेवाली हवा ठंडी रहती है।

10) **चंद्रग्रहण एवं सुर्यग्रहण के समय व्रत रखना :** तमिलनाडु तथा अन्य दक्षिणी प्रदेशों में सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण के समय खाली पेट रहने की प्रथा है; यानी चन्द्र ग्रहण या सूर्यग्रहण शुरू होने से 5 घंटे पहले ही खाना पीना आदि सभी पूरा कर लेते हैं। जब ग्रहण शुरू होता है, तब पेट खाली रहता है। वैज्ञानिक कारण यह बताया जाता है कि ग्रहण के समय पेट में पाचन शक्ति कम रहती है और इसलिए उस समय पेट को खाली रखना है।

समाहार : हर प्रदेश में विभिन्न प्रकार के विश्वास, संस्कार एवं अनुष्ठानों का अनुपालन होता है। हर विश्वास, हर संस्कार के पीछे कारण हैं, इन बातों को जानना बहुत आवश्यक है।

*****

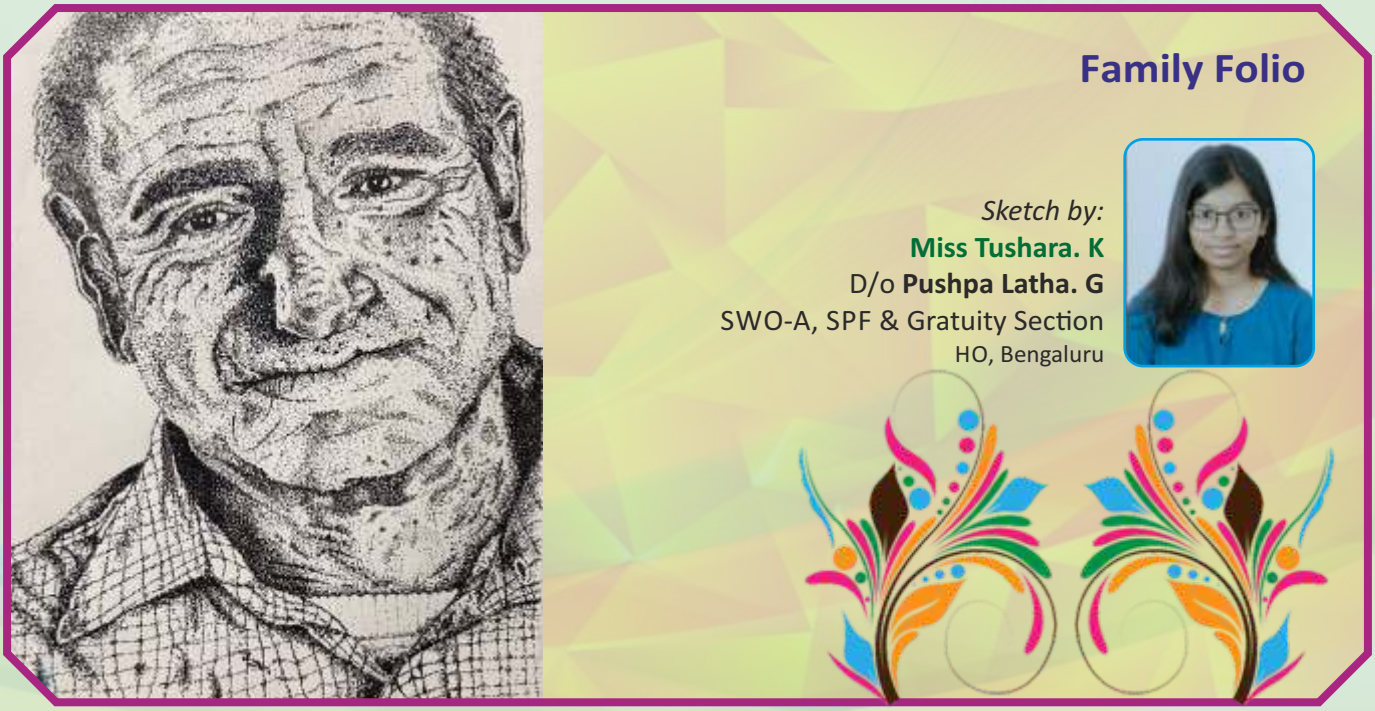

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

FUN CORNER

--------- BRAIN-STORM ----------

How many words of four or more letters can you make from the letters shown?
Every word must contain the central letter. There should be one seven-letter word.

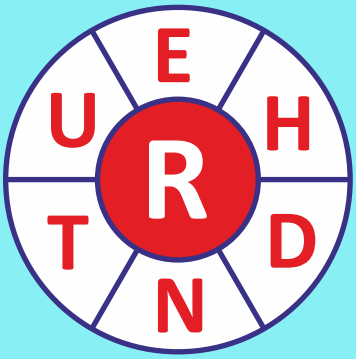

---------- RIDDLE- RIDDLE ----------

When you curtail a word, you remove the last letter and still have a valid word. You will be given clues for the two words, longer word first.

See example to help you solve the riddle.

Low-lying wetland -> A Planet

Ans: Marsh -> Mars

Here you go!

1. 12 in number -> to sleep lightly
2. Completely level or flat -> an intention or decision about what one is going to do
3. To direct one's mind towards someone or something -> with little thickness or depth

---------- UNSCRAMBLE ----------

1. T L E I A R

2. A M G G R O E T

3. H I E V E C L

4. U S E O H

Answers

Brain-Storm
THUNDER, Under, Rude, Hurt, Turn, Herd, Rend, True, Nerd, Rent

Riddle-Riddle
1. Dozen – Doze 2. Plane – Plan
3. Think – Thin

Unscramble
1. RETAIL 2. MORTGAGE
3. VEHICLE 4. HOUSE

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

भारत का अनोखा राज्य – तमिलनाडु

डॉ हरि हरन एस
वरि. प्रबंधक (राभा)
क्षेत्रीय कार्यालय, कोयंबत्तूर–।

भारत एक विविधताओं वाला देश है, यहाँ विभिन्न धर्म, जाति और संप्रदाय के लोग आपस में मिलजुलकर रहते हैं। यहाँ हर क्षेत्र, हर प्रान्त और हर राज्य का अपना संप्रदाय, संस्कृति, भाषा है। हर राज्य दूसरे राज्य से भिन्न है। परस्पर भिन्न होने के बावजूद इन सभी संप्रदायों, संस्कृतियों तथा धर्मों का आधार एक है। यही आधार देश और उसके देशवासियों को जोड़ता है।

इसी विविधता की एक कड़ी है भारत देश का दक्षिणतम राज्य तमिलनाडु। तमिल नाडु भारत का सबसे बड़ा दक्षिणी राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से दसवां सबसे बड़ा भारतीय राज्य और जनसंख्या के हिसाब से छठा सबसे बड़ा राज्य, तमिल नाडु शब्द का शाब्दिक अर्थ 'तमिल लोगों का घर है'।

तमिल भाषा और तमिल प्रजाति दुनिया में सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाली प्रजातियों में से एक है। इस राज्य की राजधानी देश के प्रमुख महानगरों में से एक चेन्नई है।

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण–पूर्वी तट पर स्थित, तमिलनाडु पश्चिम में पश्चिमी घाट और दक्कन के पठार, उत्तर में पूर्वी घाट, पूर्व में बंगाल की खाड़ी से लगे पूर्वी तटीय मैदान और खाड़ी से फैला हुआ है। दक्षिण–पूर्व में मन्नार और पाक जलडमरू मध्य, प्रायद्वीप के दक्षिणी अंतर में लक्षद्वीप सागर, कावेरी नदी राज्य को दो भागों में विभाजित करती है। राजनीतिक रूप से, तमिलनाडु भारतीय राज्यों केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से घिरा है और पंबन द्वीप पर श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के साथ एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा भी साझा करता है।

जैसे कहा गया है तमिल प्रजाति दुनिया में सबसे लंबे समय से सतत् जीवित रहने वाली प्रजातियों में से एक है। पुरातात्विक साक्ष्य भी इस बात के सबूत हैं। तमिल प्रजाति 400 सहस्राब्दियों से भी अधिक समय से अपना अस्तित्व बनाकर रखने में सफल रही है और इसका 5,500 वर्षों से अधिक का निरंतर सांस्कृतिक इतिहास है।

तमिल इतिहास :

ऐतिहासिक रूप से, तमिल क्षेत्र तमिल भाषी द्रविड़ लोगों द्वारा बसाया गया और सदियों से कई शासनों द्वारा शासित किया गया क्षेत्र है। जिसमें प्रमुख थे चेर, चोल, पांड्य तथा पल्लव। बाद में यह क्षेत्र विजयनगर के शासकों के अधीन (14वीं–17वीं शताब्दी ई.पू.) भी रहा। यहाँ यूरोपीय उपनिवेशीकरण की शुरुआत 17वीं शताब्दी में व्यापार के लिए बंदरगाहों की स्थापना के साथ हुई, 1947 में भारतीय स्वतंत्रता से पहले दो शताब्दियों तक अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी के नाम से इस क्षेत्र पर नियंत्रण किया।

स्वतंत्रता के बाद, यह क्षेत्र भारत गणराज्य का मद्रास राज्य बन गया और 1956 में जब राज्यों को भाषाई रूप से वर्तमान स्वरूप में पुनः रेखांकित किया गया तो इसे तमिल राज्य का दर्जा दिया गया। 1969 में राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु कर दिया गया, जिसका अर्थ पूर्व कथित है।

तमिल भाषा और ऋषि अगस्त्य :

यह माना जाता है कि तमिल भाषा का प्रारंभ ऋषि अगस्त्य से हुआ। उन्हें यह ज्ञान भगवान शिव से प्राप्त हुआ। यह माना जाता है कि प्रारंभिक तमिल साहित्य की रचना तीन क्रमिक काव्य सभाओं में की गई, जिन्हें तमिल संगम के नाम से

जाना जाता है, जिनमें से सबसे प्रारंभिक, प्राचीन परंपरा के अनुसार, भारत के दक्षिण में अब लुप्त हो चुके महाद्वीप पर आयोजित की गई थी। इसमें सबसे पुराना व्याकरणिक ग्रंथ, थोलकप्पियम, और महाकाव्य सिलप्पातिकारम और मणिमेकलाई शामिल हैं। यह माना जाता है कि प्रथम संगम सभा ऋषि अगस्त्य के संयोजन से संपन्न हुई।

तमिलनाडु की वर्तमान स्थिति :

भारत के सबसे शहरीकृत राज्य के रूप में, तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 23.65 लाख करोड़ है, जो इसे भारत के 28 राज्यों में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाती है। प्रति व्यक्ति जीएसडीपी ₹275,583 के साथ यह देश का 9वां उच्चतम राज्य है और मानव विकास सूचकांक में 11वें स्थान पर है। तमिलनाडु सबसे अधिक औद्योगिकीकृत राज्यों में से एक है, जहां विनिर्माण क्षेत्र का राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग एक–तिहाई योगदान है।

तमिलनाडु राज्य की भौगोलिक विशेषता :

अपनी विविध संस्कृति और वास्तुकला, लंबी तटरेखा, जंगलों और पहाड़ों के साथ, तमिलनाडु कई प्राचीन अवशेषों, ऐतिहासिक इमारतों, धार्मिक स्थलों, समुद्र तटों, हिल स्टेशनों, किलों, झरनों और राज्य के पर्यटन उद्योग के साथ चार विश्व धरोहर स्थलों का घर है। यहाँ 22,643 किमी (8,743 वर्ग मील) क्षेत्र में वन हैं, जो भौगोलिक क्षेत्र का 17.4% है, जिसमें से संरक्षित क्षेत्र 3,305 किमी (1,276 वर्ग मील) क्षेत्र को कवर करते हैं, जो राज्य के वन क्षेत्र का लगभग 15% है बायोस्फीयर रिज़र्व, मैंग्रोव वन, पांच राष्ट्रीय उद्यान, 18 वन्यजीव अभ्यारण्य और 17 पक्षी अभ्यारण्य शामिल हैं।

वनस्पति और जीव :

तमिलनाडु में एशियाई हाथियों की सबसे बड़ी आबादी है। तमिलनाडु में विभिन्न जलवायु और भूगोल के कारण पौधों और जानवरों की व्यापक विविधता है। पर्णपाती वन पश्चिमी घाट के किनारे पाए जाते हैं जबकि उष्ण कटिबंधीय शुष्क वन और झाड़ियाँ आंतरिक भाग में आम हैं। दक्षिणी पश्चिमी घाट में ऊंचाई पर स्थित वर्षा वन हैं जिन्हें दक्षिण पश्चिमी घाट पर्वतीय वर्षा वन कहा जाता है। पश्चिमी घाट दुनिया के आठ सबसे गर्म जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में से एक है। वन्यजीवों की लगभग 2,000 प्रजातियाँ हैं जो तमिलनाडु की मूल निवासी हैं, एंजियोस्पर्म की 5640 प्रजातियाँ (औषधीय पौधों की 1,559 प्रजातियाँ, 533 स्थानिक प्रजातियाँ, खेती वाले पौधों के जंगली प्रजातियों की 260 प्रजातियाँ, 230 लाल–सूचीबद्ध प्रजातियाँ), जिम्नोस्पर्म की 64 प्रजातियाँ हैं (चार स्वदेशी प्रजातियों और 60 प्रचलित प्रजातियों सहित) और ब्रायोफाइट्स, लाइकेन, कवक, शैवाल और बैक्टीरिया के अलावा टेरिडोफाइट्स की 184 प्रजातियां। सामान्य पौधों की 119 प्रजातियों में राज्य वृक्ष शामिल हैं: पाल्मिरा पाम, यूकेलिप्टस, रबर, सिनकोना, गुच्छेदार बांस (बम्बुसा अरुंडिनेशिया), सामान्य सागौन, एनोजीसस लैटिफोलिया, इंडियन लॉरेल, ग्रेविया, और इंडियन लैबर्नम, अर्डिसिया और सोलानेसी जैसे फूल वाले पेड़। दुर्लभ और अनूठे पौधों में कॉम्ब्रेटम ओवलिफोलियम, आबनूस (डायस्पायरोस नीलग्रिका), हेबेनारिया रारिफ्लोरा (आर्किड), अलसोफिला, इम्पेतिन्स एलिगेंस, रानुनकुलस रेनिफोर्मिस और रॉयल फर्न शामिल हैं।

नीलगिरि तहर, एक लुप्तप्राय जानवर जो केवल नीलगिरि पर्वत में पाया जाता है, यह राज्य का राज्य पशु है। तमिलनाडु के महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र नीलगिरि पहाड़ियों में नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व, अगस्त्य माला–इलायची पहाड़ियों में अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिज़र्व और मन्नार की खाड़ी प्रवाल भित्तियाँ हैं। मन्नार बायोस्फीयर रिज़र्व की खाड़ी समुद्र, द्वीपों और प्रवाल भित्तियों, नमक दलदल और मैंग्रोव सहित आसपास के समुद्र तट के 10,500 किमी (4,100 वर्ग मील) के क्षेत्र को कवर करती है। यह डॉल्फ़िन, डुगोंग, व्हेल और समुद्री खीरे सहित लुप्तप्राय जलीय प्रजातियों का घर है। थट्टेकड़, कदलुंडी, वेदांथंगल, रंगनाथिटु, कुमारकोम, नीलापट्टू और पुलिकट सहित पक्षी अभ्यारण्य कई प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का घर हैं।

मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान में बंगाल टाइगर भी है। यह दक्षिण भारत का पहला आधुनिक वन्यजीव संरक्षणालय है। मुदुमलाई का संरक्षित क्षेत्र 3,305 किमी (1,276 वर्ग मील) है, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 2.54% और 22,643 किमी (8,743 वर्ग मील) है, जो वन क्षेत्र का 15% है। मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान 1940 में स्थापित किया गया था और यह दक्षिण भारत का पहला आधुनिक वन्यजीव अभ्यारण्य है। संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय और तमिलनाडु वन विभाग द्वारा किया जाता है।

पिचावरम एक छोटा सा द्वीप है जो उत्तर में वेल्लार मुहाना और दक्षिण में कोलेरून मुहाना के बीच मैंग्रोव वनों के बीच फैला हुआ है। पिचावरम मैंग्रोव वन भारत के सबसे बड़े मैंग्रोव वनों में से एक है, जो 45 किमी (17 वर्ग मील) में फैला है और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण सीपियों, मछलियों और प्रवासी पक्षियों की दुर्लभ किस्मों के अस्तित्व का साक्ष्य है।

राज्य में 307.84 किमी (118.86 वर्ग मील) क्षेत्र में पांच राष्ट्रीय उद्यान हैं – अनामलाई, मुदुमलाई, मुकुर्थी, मन्नार की खाड़ी (एक समुद्री राष्ट्रीय उद्यान) और गुइंडी, चेन्नई के भीतर एक शहरी राष्ट्रीय उद्यान।

तमिलनाडु के प्रमुख शहर :

चेन्नई तमिलनाडु की राजधानी है जो 8.6 मिलियन से अधिक निवासियों के साथ राज्य में सबसे अधिक आबादी वाला शहरी समूह है, इसके बाद क्रमशः कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली और तिरुप्पुर हैं।

तमिलनाडु राज्य की विशेषताएं :

संस्कृति और विरासत : वस्त्र – कांचीपुरम रेशम साड़ियाँ विशेष अवसरों पर महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पोषाक हैं। कांचीपुरम व कांजीवरम साड़ियाँ दुनिया में काफी प्रसिद्ध हैं। कांचीपुरम साड़ी एक प्रकार की रेशम साड़ी है जो तमिलनाडु के कांचीपुरम क्षेत्र में बनाई जाती है और इन साड़ियों को दक्षिण भारत में ज्यादातर महिलाएं विवाह और अन्य विशेष अवसर पर पहनती हैं। कोवई कोरा कॉटन एक प्रकार की सूती साड़ी है जो कोयंबटूर में बनाई जाती है। न केवल महिलाओं के पहने जाने वाले अपितु पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले वेस्टी (जिसे उत्तर भारत में लुंगी कहा जाता है) के लिए तमिलनाडु राज्य विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

भोजन – केले के पत्ते पर परोसा जाने वाला पारंपरिक भोजन यहाँ की पहचान है। तमिल पारंपरिक भोजन के हिस्से हैं, सांबर, रसम और पोरियाल । तमिलनाडु राज्य से बाहर जा कर इन व्यंजनों ने देश भर में विभिन्न रूप अपना लिया है। तमिल व्यंजनों में नारियल और मसालों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु राज्य के नीलगिरि पर्वत प्रांत इन खाद्य मसालों तथा काजू, पिस्ता, किशमिश जैसे ड्राइफ्रूट के उत्पादन के लिए काफी प्रसिद्ध है। नीलगिरि चाय का दुनिया में अनुपम स्थान है।

तमिलनाडु में भोजन करने का पारंपरिक तरीका देश में अनुपम है। यहाँ खाना फर्श पर बैठ कर केले के पत्ते में खाया जाता है। बिना चम्मच के हाथ से खाने की प्रथा दक्षिण भारत में ही मिलती है। केले के पत्तों पर खाना हजारों साल पुराना रिवाज़ है, यह भोजन को एक अनोखा स्वाद देता है और इसे स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है।

इडली, दोसा, उथप्पम, पोंगल और पनियारम तमिलनाडु में लोकप्रिय व्यंजन हैं, जो अब भारत भर में उपलब्ध हैं।

वास्तुकला :

विशाल गोपुरम द्रविड़ वास्तुकला की पहचान है – द्रविड़ वास्तुकला तमिल नाडु में रॉक वास्तुकला की विशिष्ट शैली है। यहाँ के मंदिर पांच या सात प्रांगण वाले होते हैं। जिसके मध्य गर्भ गृह में भगवान की स्थापना होती है। एक ओर श्रीरंगम के रंगनाथ स्वामी मंदिर अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है तो दूसरी ओर रामेश्वरम के रामनाथ स्वामी मंदिर अपनी एक समान बाहरी मंडपों के लिए प्रसिद्ध है। श्रीविल्लीपुत्तूर मंदिर का शिखर अपनी सुंदरता के लिए

प्रसिद्ध है। यहाँ का शिखर तमिलनाडु राज्य सरकार के राज्य चिह्न (एंबलम) के रूप में भी स्वीकृत है। कांचीपुरम और महाबलिपुरम द्रविड़ वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण है।

कला :

भरतनाट्यम एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु में हुई और यह भारत के सबसे पुराने नृत्यों में से एक है। तमिलनाडु भारत में संगीत, कला और नृत्य का एक प्रमुख केंद्र है। चेन्नई को दक्षिण भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। अन्य क्षेत्रीय लोक नृत्यों में कराकट्टम, कावड़ी, केरल नाटनम, कूडियाट्टम, ओयिलट्टम और पुरवैअट्टम शामिल हैं। तमिलनाडु के पारंपरिक संगीत को कर्नाटक संगीत के रूप में जाना जाता है, जिसमें मुथुस्वामी दीक्षितार जैसे संगीतकारों द्वारा लयबद्ध और संरचित संगीत शामिल है। नादस्वरम, एक ईख वाद्ययंत्र जिसके साथ अक्सर थाविल भी बजाया जाता है, एक प्रकार का ड्रम वाद्ययंत्र मंदिरों और शादियों में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख संगीत वाद्ययंत्र हैं। मेलम प्राचीन तमिलकम के मद्दलम और अन्य समान ताल वाद्ययंत्रों का एक समूह है जो विशेष आयोजनों के दौरान बजाया जाता है।

त्यौहार :

तमिलनाडु में दिवाली, दशहरा जैसे राष्ट्रीय त्यौहारों के साथ-साथ पोंगल, तै-पूसम जैसे प्रजातीय व पारंपरिक त्यौहार भी मनाए जाते हैं।

पोंगल – पोंगल तमिलों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख और बहु-दिवसीय फसल उत्सव है। यह तमिल कैलेंडर के अनुसार थाई महीने में मनाया जाता है और आमतौर पर 14 या 15 जनवरी को पड़ता है। यह सूर्य देव को समर्पित है और इस त्यौहार का नाम औपचारिक "पोंगल" के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है "उबालना, उमड़ना" और यह चावल की नई फसल से तैयार पारंपरिक व्यंजन को संदर्भित करता है जिसे दूध में उबालकर गुड़ के साथ परोसा जाता है। पोंगल के अगले दो दिन कनु तथा माट्टू पोंगल भी मनाया जाता है इस त्यौहार में पितरों, पशु-पक्षियों तथा कृषि के लिए उपयोग किए जाने वाले जानवरों को विशेष रूप से पूजा जाता है।

क्रीडा :

कबड्डी तमिलनाडु का राज्य खेल है। कबड्डी एक संपर्क खेल है। कबड्डी के अलावा शतरंज यहाँ का एक लोकप्रिय खेल है, जिसकी उत्पत्ति सातवीं शताब्दी में सथुरंगम के रूप में हुई थी। चेन्नई को अक्सर "भारत की शतरंज राजधानी" कहा जाता है।

शतरंज के अलावा पल्लंगुझी, उरियादी, गिल्लिडांडा, धायम जैसे पारंपरिक खेल भी यहाँ खेले जाते हैं। गट्टा गुस्ति एवं अडिमुरै पारंपरिक खेल हैं जिन्हें यहाँ का मार्शियल आर्ट्स का दर्जा प्राप्त है। जल्लीकट्टू तथा रेक्ला ऐसे पारंपरिक खेल हैं जिनमें बैल को शामिल किया जाता है।

पर्यटन एवं मनोरंजन :

तमिलनाडु की नीलगिरि पहाड़ियाँ और यहाँ के नीलगिरि माउंटेन रेलवे घोषित विश्व धरोहर स्थल हैं।

अपनी विविध संस्कृति और वास्तुकला और विविध भौगोलिकताओं के साथ, तमिलनाडु में एक मजबूत पर्यटन उद्योग है। हर साल यहाँ के प्रमुख मंदिरों, तीर्थ क्षेत्रों, समुद्र तटों व पहाड़ी इलाकों को देखने के लिए लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

महाबलिपुरम, कांचीपुरम, रामेश्वरम, श्रीरंगम, चेन्नई, तिरुच्चि, मदुरै, कन्याकुमारी, नीलगिरी, ऊटी, कोडैक्कानाल, येरकाड, होगेनक्कल झरनें आदि पर्यटकों के पसंदीदा स्थल हैं।

निष्कर्ष : अपनी वैविध्यपूर्ण संस्कृति, सभ्यता, भाषा, आचार, व्यवहार के साथ तमिलनाडु भारत की विविधता में एकता का प्रमुख जैविक उदाहरण है।

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

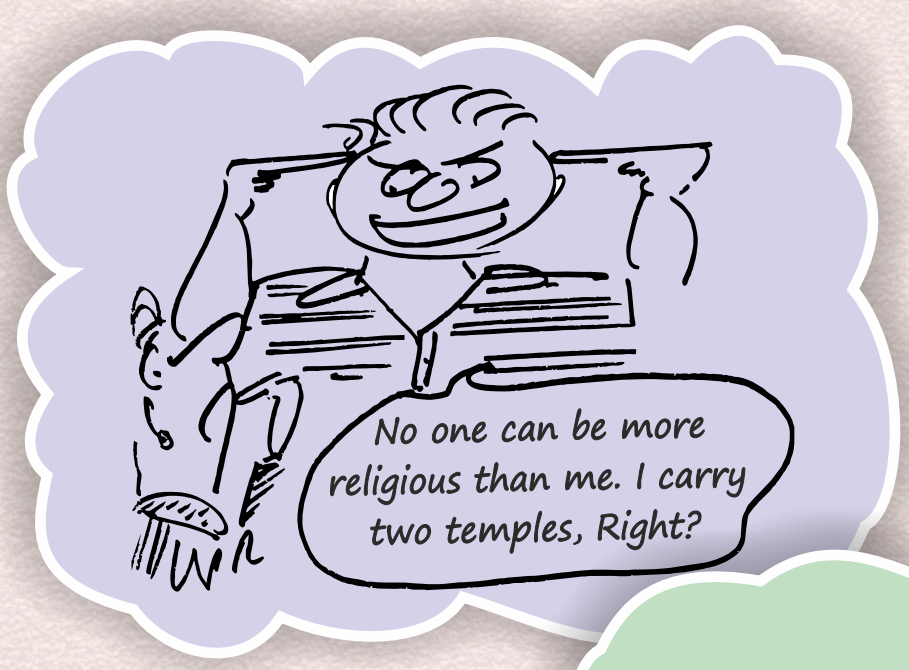

Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao

Oh Rain! How beautiful you look

Pradeep Tandon
Ex Staff
Canara Bank

Oh Rain! how beautiful you look; When you come with the breeze and fall.
On swaths of green paddy, as far as the eyes could see.
They sway in unison to unfold – a sprightly dance to behold –
so breath-taking, oh dear me.
Drops on leaves; like pearls sparkle.
Give heart a boundless glee.

Oh Rain! how beautiful you look; when streaming through the clouds you fall!
Where myriad sunflowers swag, sway, and blush.
Harbouring any crush on them, the very thought you must flush.
They sway, swag, and twirl for the Sun, their lover.
With clouds; you flirt and tease them; when Sun; clouds softly cover.

Oh Rain! how beautiful you look; when you drizzle – is a lyrical enthral.
On ponds on a starry night,
When wandering grey clouds haze the shimmer of the moon to my utter delight.
The drizzle ruffles in the pond – stars and moon – their shimmering reflection.
It swirls and sways in rippling water; dancing to your orchestral perfection.

Oh Rain! how beautiful you look; torrentially when you fall.
Fountains brim to come alive and cascade; to make a gurgling fall.
Reverberating the valley with an echoing call.
Hovering birds, returning maiden, and echoing fountains – weave a symphony, evoking no discord.
As the maestro had stirred his melodious chord.

Oh Rain! how beautiful you look; cascading through Sunshine, and mist when you fall.
An emperor regales; to witness from his mansion on the hilltop; to behold
Sunshine; when it falls on the cascading rain; sparkles like gold.
Gargling water; meandering down the mountain; making a deafening roar.
Birds flying in the rising mist; echoing of their chirping; in the valley galore.

Oh Rain! you may not look beautiful; in downpours; when you fall.
When you make way to the house of a poor man; through his creaking roof.
No means left from misery, to make it rainproof.
To a homeless, more shabbily you treat.
They plead for your hasty retreat.

Oh Rain! How beautiful you look; but life lessons you impart when you fall!
You put a price for enjoyment; if I recall.
Those who soar above the storm; get your blessings
Stragglers must strive to soar; you are always impressing.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ ಸಿಂಡಿಕೇಟ Syndicate

Recent Trends in Industrial Production in India

Dr Rashmi Tripathi
DGM
Economist, S&R Wing
HO, Bengaluru

Executive Summary

- Growth of industrial production has remained resilient in the last two years, supported by Government's focus on capex and robust domestic demand conditions, despite significant global headwinds.
- Growth of industrial production accelerated to 6.1% y-o-y during Apr-Dec'23 as compared to 5.5% in the corresponding period of the previous fiscal.
- This growth was led by the manufacturing sector, which grew by 5.6% y-o-y followed by mining sector with 8.5% y-o-y growth during the period Apr-Dec'23. However, growth momentum in electricity generation moderated to 7.0% y-o-y during the same period.
- Within the manufacturing sector, positive growth was observed in 13 segments out of 23 segments during Apr-Dec'23 led by 'basic metals' (12.4%), 'motor vehicles', 'trailers and semi-trailers' (11.0%), 'Pharmaceuticals, medicinal chemical and botanical products' (10.0%) and 'machinery & equipment' (7.7%) and electrical equipment (6.6%). Contraction is particularly observed in the export-intensive sectors such as wearing apparel, leather & related products with muted growth in textiles, indicating impact of slowdown in the global economy and disruption in the Red sea trade route.
- Under use based classification, the sharpest upturn is observed in production of consumer non-durable goods, which grew by 5.2% y-o-y and infrastructure/construction goods, which grew by 10.4% y-o-y during the period Apr-Dec'23.
- Going forward, industrial production is expected to remain supported by sustained pick up in economic activity in the domestic economy with continued policy support from the Government. However, uncertainty from the global growth front amid continued conflict in the middle-east and the Red sea area pose risk from the external demand front.

The recent data imprint for industrial production growth as indicated by Index of Industrial Production (IIP) has shown uptick to 3.8% y-o-y in Dec'23 from 2.4% y-o-y in Nov'23.

While this bodes well for the Indian economy, the outlook going forward has to be carefully drawn by observing movements in the sub segments of index of industrial production. With this view, this article attempts to analyse the trend of industrial production along with the sub-segments, as detailed in the following paragraphs.

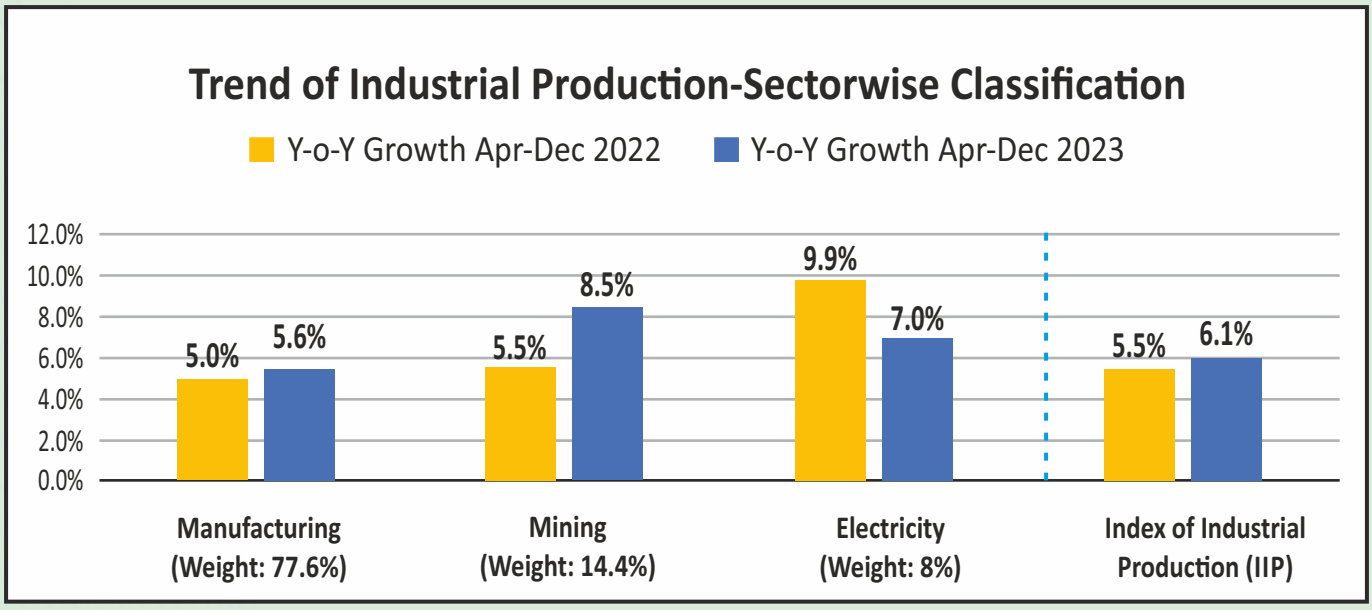

The growth trend of industrial production, as indicated by Index of Industrial Production (IIP) has remained resilient in the last two years, supported by Government focus on capex and robust domestic demand conditions, despite significant global headwinds. Growth of industrial production accelerated to 6.1% y-o-y during the nine-month period of Apr-Dec'23 as compared to 5.5% in the corresponding period of the previous fiscal. This growth was led by manufacturing sector (weight 77.6%) growing by 5.6% y-o-y followed by mining sector (weight 14.4%) with 8.5% y-o-y growth. However, moderation in growth momentum was observed in electricity generation to 7.0% y-o-y in Apr-Dec'23.

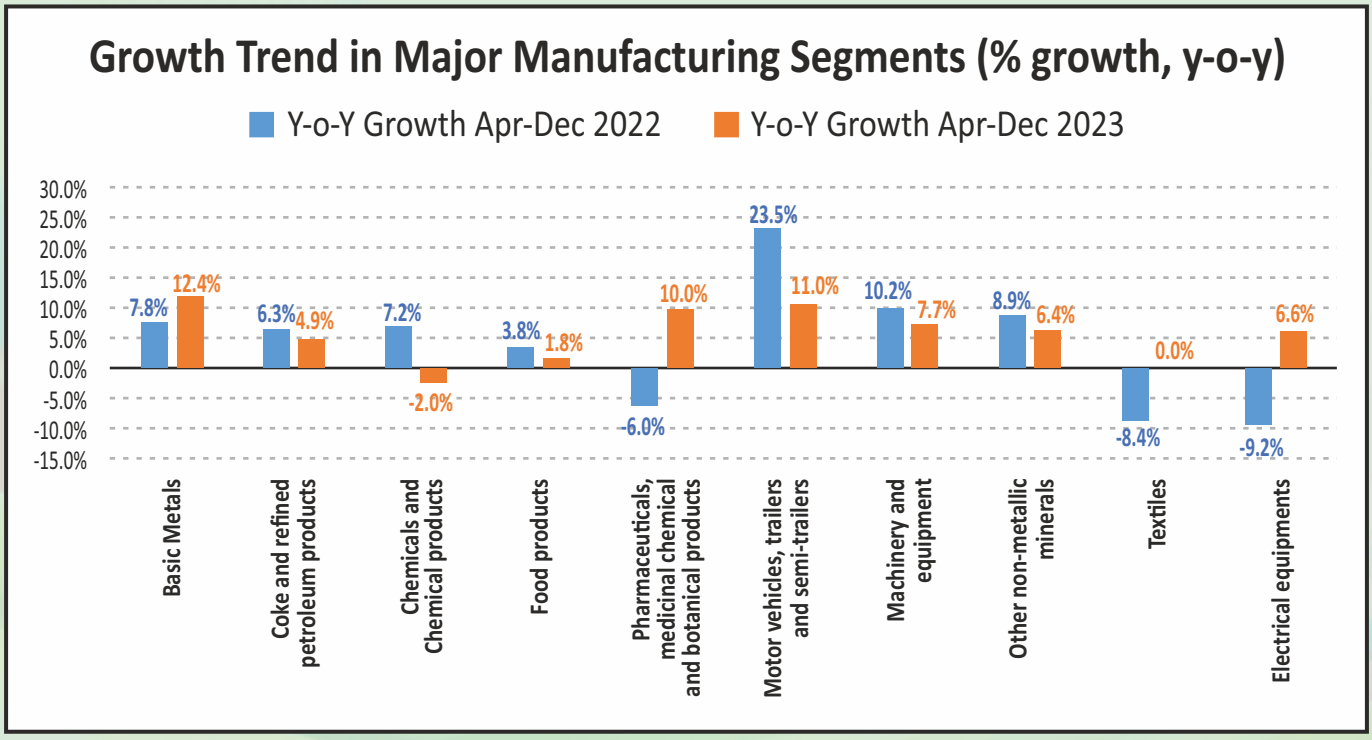

Note: The above are top 10 manufacturing segments comprise of about 63% weight of total manufacturing sector.

Within the manufacturing sector, positive growth was observed in 13 segments out of 23 segments during Apr-Dec'23 led by 'basic metals' (12.4%), 'motor vehicles', 'trailers and semi-trailers' (11.0%), 'Pharmaceuticals, medicinal chemical and botanical products' (10.0%) and 'machinery & equipment' (7.7%) and electrical equipment (6.6%). Contraction is particularly observed in the export-intensive sectors such as wearing apparel, leather & related products with muted growth in textiles, indicating impact of slowdown in the global economy and disruptions in the Red sea trade route.

Under use based classification, the sharpest upturn is observed in production of consumer non-durable goods (5.2% in Apr'23-Dec'23 from contraction of -1% in Apr'22-Dec'22) and infrastructure/construction goods (10.4% in Apr'23-Dec'23 from 8.2% in Apr'22-Dec'22). Whereas moderation in growth momentum is observed in production of primary goods, capital goods and consumer durables.

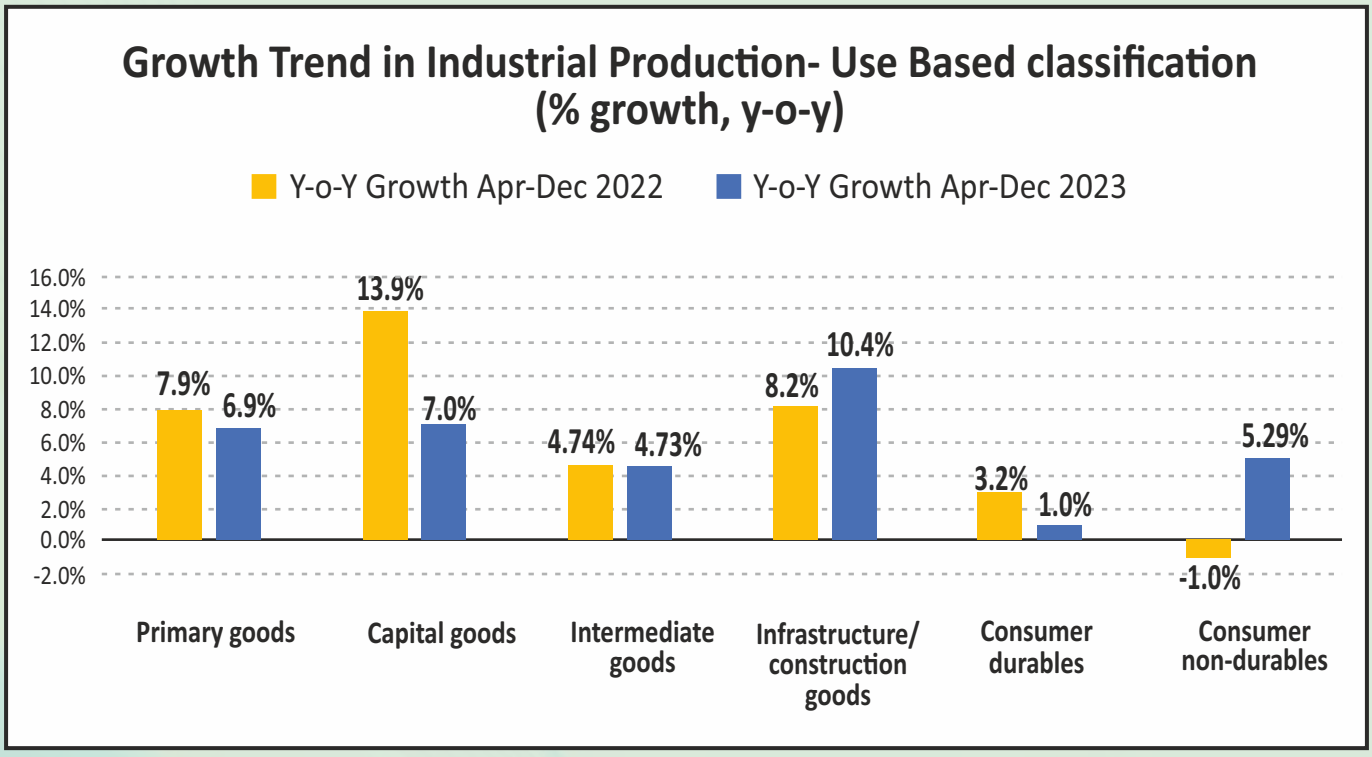

Going forward, industrial production is expected to remain supported by sustained pick-up in economic activity in the domestic economy with continued policy support from the Government. However, uncertainty from the global growth front amid continued conflict in the middle-east and the Red sea area pose risk from the external demand front.

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.

"Productivity is never an accident. It is always the result of a commitment to excellence, intelligent planning, and focused effort"

– Paul J. Meyer

New Element in the growth of Retail Lending Industry

Suraj Sharma
Manager
Retail Assets Wing
Head Office, Bengaluru

1. **Digital Transformation:** The adoption of data analytics, Artificial Intelligence (AI), and Machine Learning (ML) has enabled lenders to expand their channels through various forms of online lending, including mobile applications and checkout financing. According to EY, digital lending experienced a remarkable 12-fold increase between 2017 and 2020. As of 2022, digital channels accounted for approximately 12% of the total lending volume.

2. **New Partnerships:** Banks and Non-Banking Financial Companies (NBFCs) have been partnering with fintech companies to offer customers cutting-edge credit products and distinctive disbursement channels. According to the FinTech Lending Trends report published by FACE-Equifax, the first half of the fiscal year 2022-23 witnessed FinTech disbursements amounting to ₹28,247 crore.

3. **New Borrower Cohorts:** According to CIBIL's credit market indicator report (October 2023), individuals between the ages of 26 and 35 have consistently been the primary drivers of loan demand over the past three years. This age group accounts for an impressive 40-41% of total loan inquiries, indicating their significant contribution to the lending market. Furthermore, individuals aged 36-45 make up a substantial 23-25% of inquiries, demonstrating their relevance as well. These age groups are generally characterized by their tech-savviness and reduced credit aversion compared to older generations. Additionally, the utilization of big data analytics enables banks to effectively identify emerging customer segments and cater to their specific and tailored financial needs.

4. **Rise of Embedded Finance:** Embedded finance enables lenders to extend credit to customers through non-traditional channels. By integrating lending services into platforms such as e-commerce marketplaces, social media, and even WhatsApp, embedded finance addresses the challenge of customer acquisition for lenders. Fintech entry with BNPL product is market trend and is getting good response.

5. **Increased risk tolerance among lenders:** The utilization of alternative data and Artificial Intelligence (AI) now facilitates more precise and comprehensive credit assessments. This has instilled greater confidence in lenders to extend credit to new-to-credit and thin-file borrowers.

However, it is essential to acknowledge that the retail lending sector has encountered its fair share of obstacles. Nevertheless, through the strategic combination of advanced digital public infrastructure, vigilant monitoring by the Reserve Bank of India (RBI), and continuous innovation from FinTech companies, the sector has successfully navigated various global challenges, transforming retail lending into the streamlined and efficient system.

Vehicle Loan growth outpaces home Loans: Prioritizing Cars over Houses

Ashish Kumar
Senior Manager
Retail Assets Wing
Head Office, Bengaluru

A number of variables are coming together to generate a dramatic revolution in the car finance market in India. A few of these elements are changing consumer tastes, the increasing appeal of electric cars, the emergence of new fintech businesses, and the search of manufacturers for additional sources of income.

Car finance-related search query trends have changed significantly, according to a research of consumer search trends conducted by Techmagnate, the top digital marketing agency in India. For example:

1. A greater emphasis on openness and affordability
2. The need for substitute financing options
3. Interest in finance for electric vehicles
4. Tailored yet efficient encounters

These observations support a recent Reserve Bank of India (RBI) study that indicates more loans are being taken out for cars rather than homes. This is due to the growing popularity of vehicles and people's need for personal transportation. Car loans have surged by 137% over the last three years, according to RBI data. As a result, after housing loans, auto loans are now the second-largest loan category.

A number of reasons are coming together to fuel this dynamic shift in the auto lending business, such as the growing popularity of electric vehicles, increased accessibility in Tier 2 and Tier 3 cities, and the quick uptake of digital technology. It is essential to keep up with the major trends influencing the market in order to traverse this changing landscape with effectiveness.

Trends in Indian Auto Finance

Growing demand for electric vehicles: Through a variety of programs, such as tax breaks and subsidies, the Indian government is encouraging the use of Electric Vehicles (EVs). It is anticipated that this will raise demand for EV vehicle financing. Extension of auto loans to Tier 2 and Tier 3 cities: As disposable incomes rise and the cost of owning a car gets lower, there is a growing demand for auto loans in these cities.

Digitalization: As more and more lenders offer online applications and approvals, the auto finance sector is becoming more and more digital.

The growing popularity of electric vehicles is also impacting search behaviour, with consumers seeking detailed information on financing options tailored to these environmentally friendly vehicles. They are actively researching interest rates, loan terms, and eligibility criteria to make informed decisions about financing their electric vehicle purchases. Affordability and transparency are paramount in consumers' auto finance search patterns. They are keen on finding options with competitive interest rates, flexible repayment plans, and transparent fee structures to minimize their financial burden.

Auto Financing Market Expansion in India

The Indian market for used car financing is anticipated to experience an 11% compound annual growth rate (CAGR) during the forecast period (2022-2027). This expansion is primarily driven by several factors, including rising disposable incomes, a growing middle class, and the increasing popularity of personal vehicles.

As a result of these factors, consumers are becoming more aware about their auto financing options and are willing to compare offerings from various aggregator. This shift is reflected in the growing proportion of non-brand searches in the auto finance industry.

For instance, in the fiscal year 2022 (FY'22), brand searches accounted for 46.54% of the total search volume, while non-brand searches accounted for 53.46%. However, in FY'23, non-brand searches experienced a more rapid growth rate compared to brand searches and now represent over half of all auto

finance search volume. This trend is expected to persist as consumers become increasingly informed about their auto financing options.

Four-wheelers hold the dominant position in the Indian auto finance market, capturing a substantial 77.78% share in the financial year 2023.

Two-wheelers follow as the second most sought-after vehicle type for auto financing, accounting for a noteworthy 17.18% market share.

EV vehicles reign supreme in the auto finance sector, commanding an impressive 94.16% market share in the financial year 2023.

Used vehicles, while less prevalent, still hold a presence in the market, securing a 5.84% market share.

Outlook

The Indian automobile market is expanding due to rising income levels and consumer aspirations, leading to a robust demand for cars which is a great opportunity for banks and financier. Prompt response and good customer service can easily augment Vehicle portfolio business.

*****

कविता

सारे ज़हाँ में देखता हूँ

प्रकाश माली
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
क्षेत्रीय कार्यालय, मथुरा

पर्वतों में देखता हूँ, नदियों में देखता हूँ ।
समंदर में देखता हूँ, दरियों में देखता हूँ ॥
झीलों में देखता हूँ, झरनों में देखता हूँ ।
परायों में देखता हूँ, अपनों में देखता हूँ॥

लताओं में बेलों में, गुंजारों में देखता हूँ।
फूलों में कलियों में, बहारों में देखता हूँ ।
सागर की लहरों, किनारों में देखता हूँ ॥
महलों में तुमको, मीनारों में देखता हूँ ॥

गलियों में देखता हूँ, बाजारों में देखता हूँ।
नज़रों में तुमको, सब नज़ारों में देखता हूँ॥
अकेले में तुमको, मैं भीड़ में भी देखता हूँ।
दाना चुगाते पंछियों के, नीड़ में भी देखता हूँ।

गरीबों में देखता हूँ, अमीरों में देखता हूँ ।
फकीरों की तुझको, मैं फकीरी में देखता हूँ।
तुमको क्या बताऊँ, कहाँ–कहाँ देखता हूँ।
तुझको तो मेरे रब, मैं सारे ज़हाँ में देखता हूँ ॥

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

मद्रास डायरी : यादों का गुलदस्ता

स्वीटी राज
अधिकारी
सी पी एच, पटना

यह बात उस समय की है जब मेरी पोस्टिंग चेन्नई में हुई थी, नया शहर नए लोग और एक नयी भाषा। ट्रेनिंग के बाद कुछ लोगों कि पोस्टिंग बेंगलूरु में हुई थी और कुछ की चेन्नई में, मेरा नाम भी चेन्नई वाली लिस्ट में था। ट्रेनिंग तक तो सब अच्छा था क्यूंकि हमारी ट्रेनिंग इंग्लिश और थोड़ी हिन्दी में हुई थी, तमिल के कुछ नए शब्द हमलोग हर दिन सीख रहे थे। हमारा जो ग्रुप था उसमें ज़्यादातर लोग उत्तर भारतवासी थे और सिर्फ एक दक्षिण भारतीय था, हम सभी बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे। हम लोग उन्हें हिन्दी के शब्द सिखाते और वह हमें तमिल के शब्द सिखाते थे।

भाषा का ज्ञान ना होने के कारण कई बार हास्यास्पद स्थितियाँ पैदा हो जाया करती हैं। एक दिन की बात है कि मैं अपनी ब्रांच में कैश काउंटर पर थी, उस दिन भीड़ बहुत थी और सर्वर काम नहीं कर रहा था। एक ग्राहक जिनका नाम रामास्वामी था वह काफी देर से अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। धीरे–धीरे इंतजार की घड़ियाँ बढ़ती गयी और अंकल का गुस्सा भी, अब उन्होंने बडबड़ना शुरू कर दिया। पहले तो मैंने ध्यान नहीं दिया लेकिन जब अंकलजी बिल्कुल बीच शाखा में खड़े होकर गुस्सा जाहिर करने लगे तब सभी का ध्यान उधर गया और मैंने भी उनको समझाने की कोशिश की, लेकिन वह कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे, उनका कहना था जब अकाउंट मेरा – पैसा मेरा तब सर्वर का पैसे निकालने से क्या संबंध है। लोगों की भीड़ में से भी कुछ ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन सब व्यर्थ। उनका गुस्सा बढ़ता देख मैं अपने सीट पर खड़े होकर उन्हें समझाने का प्रयास करने लगी, अंकलजी तमिल में अपना गुस्सा जाहिर कर रहे थे और उनके हाव भाव से मुझे पता चल रहा था कि सर्वर ना होने के कारण जो उनका काम रुक गया था उसी की वजह से वह गुस्से मे थे। अथक प्रयास के बाद भी जब मैं उन्हें समझाने में नाकाम रही तो मैंने कह दिया कि आप जो कुछ भी बोल रहे हैं उससे मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा, मैं तमिल नहीं जानती। इसपे उन्होंने एकदम से अंग्रेजी में लताड़ना शुरू कर दिया। उनके इस व्यवहार से सभी को हंसी आ गयी और मैं और अंकलजी सभी एकसाथ हंसने लगे। इतनी देर में सर्वर भी वापस आ गया और अंकलजी का काम हो गया। जाते वक़्त उन्होंने मेरी सीट के पास आकर मुझसे हाथ मिलाया और अच्छी ग्राहक सेवा के प्रयास के लिए बधाई दी।

उस दिन मुझे यह एहसास हुआ कि अपनी भावनाओं को जाहिर करने के लिए भाषा केवल एक माध्यम है, भावनाएं तो अंतोगत्वा जाहिर हो ही जाती हैं। चेन्नई के अपने प्रवास के क्रम में जिस बात ने मुझे बरसों गुदगुदाया है वह मेरी और सब्जीवाली दीदी की बातें हैं। तमिल न आने के कारण सब्जी खरीदने में बहुत दिक्कत हुआ करती थी, लेकिन एक दिन सब्जी वाली दीदी ने मेरी समस्या का बहुत ही अनोखा समाधान निकाला। उन्होंने एक ओर सब्जी रखी और दूसरी ओर दस रूपए के उतने नोट रखे जितने रूपए किलो वह सब्जी थी, बस फिर क्या था मेरी समस्या का समाधान हो गया। मैं आती और एक ओर अपनी पसंद की सब्जी रखती और वह दीदी दस रूपए के उतने नोट रख देती जितने रूपए किलो वह सब्जी थी और वह मुझे रोज एक तमिल का शब्द सिखाती थी जो कि ज़्यादातर फलों और सब्जियों के नाम हुआ करते थे।

जहां हम लोग रहा करते थे वहाँ से मरीना बीच की दूरी लगभग दो किलोमीटर थी। हम लोगों ने यह तय किया था कि सुबह पाँच बजे मरीना की ओर चला जाएगा, चूंकि यह दूरी पैदल तय किए जाने योग्य थी मैंने और मेरी दोस्त दिव्या ने यह

तय किया कि हम वहाँ पैदल ही जाएंगे और अगले दिन सुबह लगभग 4:45 में हमने घर छोड़ दिया। कुछ दूर तक चलने के बाद हमें यह एहसास हुआ कि हम गलत गली की ओर जा रहे थे, वहाँ पास में एक महिला फूल बेच रही थी, हमने गली की ओर दिखाते हुए पूछा, कि क्या यह गली मरीना की ओर जाएगी, उन्होंने इल्ले इल्ले कहते हुए हाथ का इशारा किया और चूंकि हम लोग तमिल नहीं जानते थे हमलोगों ने सोचा की वह कहना चाह रही है कि यह गली मरीना की ओर जाती है और हम लोगों ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया। इतने में पीछे से उनके ज़ोर–ज़ोर से चिल्लाने की आवाज आई – इल्ले मा, इल्ले मा, तब हम लोगों को एहसास हुआ कि शायद हमने समझने में कुछ गलती कर दी है। हम लोग चल कर वापस उनके पास आ गए, इतनी देर में एक और महिला वहाँ आ गई, हमने उनसे पूछा की फूल वाली आंटी क्या कहना चाह रही हैं। उस महिला को हिन्दी आती थी उन्होंने कहा कि जिस ओर आपलोग जा रहे वह मरीना का रास्ता नहीं है, यही बात फूलवाली आपसे कहना चाह रही हैं। तब हमें समझ आया की इल्ले का मतलब ना होता है जिसे अभी तक हमलोग हाँ समझ रहे थे। बताए गए रास्ते पर थोड़ी देर चलने पर हमें समुद्र की आवाजें आने लगी और आते–जाते लोगों के भीगे कपड़े देख कर हम समझ गए की अब मरीना आ गया था। समुद्र की पहली झलक ने मुझ पर मानों जादू सा कर दिया, मैं और मेरी दोस्त तेजी से दौड़ते हुए समुद्र तक पहुँच गए और पानी के इतने पास आकर खड़े रहने का अनुभव इतना अनोखा और प्यारा था कि वह पल आज तक हमारी आँखो के सामने ठीक वैसा ही जीवंत है। चेन्नई शहर ने न केवल एक नयी भाषा सिखायी बल्कि वहाँ के लोगों और वहाँ की संस्कृति ने जीवन जीने का नया तरीका सिखाया। वहाँ के मंदिरों और समुद्र की लहरों ने हृदय में एक ऐसा स्थान बना लिया जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वहाँ के सरल लोग और उनका प्यार, अपनी भाषा, संस्कृति और सभ्यता के प्रति उनका लगाव अनोखा और बेहद अनुस्मरणीय है। मद्रास अपने आप में पूरा संसार सा है, सुबह 4 बजे से मंदिरों की घण्टियों और लोगों के भजनों की आवाजें, घर के प्रवेश द्वार पर रंगोली बनाती महिलाएँ, बच्चों का स्कूल बैग लेकर दोस्तों के साथ इठलाते हुए जाना और चिड़ियों की चहचाहट बहुत मनोरम लगती हैं। मैं जीतने दिन वहाँ रही, नए अनुभव नए लोगों ने जिंद्रगी को देखने का नया नजरिया दिया। वहाँ की मिनी इडली और फ़िल्टर कॉफी तो जैसे जीवनपर्यंत के लिए मेरा पसन्दीदा नाश्ता बन गयी है।

इडली से याद आया कि हमारी गली में एक इडली का ठेला लगता था जो कि सुबह 5 बजे से ही शुरू हो जाता था, चूंकि हमारी शाखा सुबह 8 बजे से शुरू होती थी तो अक्सर लेट न होने के लिए हमलोग आंटी से 20 रुपये में 4 इडली ले लिया करते थे। आंटी भी बड़े प्यार से 4 इडली के साथ 3 तरह की चटनी केले के पत्ते पर दे दिया करती थी। वहाँ खाने की कोई कमी नहीं थी, एक से बढ़ कर एक चीज़ें थी खाने के लिए। शाखा का काम निपटा कर हमलोग अक्सर वहाँ का स्थानीय खाना चखने के लिए गलियों में निकल जाया करते थे। हर गली, हर जगह का अपना व्यंजन था, अपनी पहचान थी। खाने के साथ–साथ हमलोग भी वहीं के रंग मे रंग जाया करते थे।

शहर, वहाँ के लोग और वहाँ की संस्कृति आपके व्यक्तित्व में एक नया रंग जोड़ देती है, मद्रास ने भी मुझे अपने आप से मिलवाया है। समुद्र की लहरों की आवाजों ने मुश्किल से मुश्किल हालात में भी मुझे मन की शांति और नयी हिम्मत का एहसास कराया है। मैं अक्सर अपने दोस्तों से कहती हूँ कि मद्रास की एक–एक याद मेरे मन–मस्तिस्क में छप सी गयी है। यादों का गुलदस्ता इतना बड़ा है कि हर पल एक नयी पंखुड़ी मन के पटल पर आ विराजती है।

*****

'Take care of your body, It's the only place you have to live.'

KEEP CALM AND DO YOGA

HEALTH MATTERS HERE!

Yoga offers a wide range of physical, mental, and emotional benefits

Physical Well-being:

- **Flexibility:** Yoga postures enhance flexibility, improving the range of motion in joints and reducing the risk of injuries.
- **Strength:** Many yoga poses build strength, promoting overall physical fitness.
- **Balance:** Yoga poses often involve balancing, enhancing stability and coordination.
- **Pain alleviation:** Yoga can alleviate back pain by strengthening the core muscles and improving posture. Gentle yoga poses may provide relief for individuals with joint pain.
- **Breath Control (Pranayama):** Yoga incorporates controlled breathing, improving lung capacity and respiratory function. Deep and mindful breathing increases oxygen intake, promoting better overall health.
- **Blood Circulation:** Yoga poses and movements improve blood circulation, benefiting heart health. Regular practice may help maintain healthy blood pressure levels.

Mental Health:

- **Stress Reduction:** Yoga encourages relaxation and mindfulness, helping to reduce stress levels.
- **Improved Focus:** The practice of breath control and meditation in yoga can enhance concentration and mental clarity.
- **Sleep quality:** Yoga's emphasis on relaxation and meditation can contribute to better sleep quality. Reduced stress levels positively impact sleep patterns

Holistic Wellness: Yoga emphasizes the interconnectedness of mind, body, and spirit, fostering holistic well-being.

The practice can be done with minimal equipment, making it convenient for most people. Regular practice is key to experiencing these benefits. Here some of the basic asanas:

Child's Pose (Balasana): Sit back on your heels, stretch your arms forward, and rest your forehead on the mat. This pose promotes relaxation and releases tension in the back.

Corpse Pose (Savasana): Lie on your back with arms by your sides. Focus on deep breathing, allowing your body to fully relax. This helps to reduce stress and calms the mind.

Seated Forward Bend (Paschimottanasana): Sit with legs extended, reach forward to touch your toes. This pose stretches the spine and helps relieve stress in the lower back.

Cat-Cow Stretch (Marjaryasana-Bitilasana): On your hands and knees, arch your back upward (cat) and then dip it down (cow). This gentle flow promotes flexibility and releases tension.

Standing Forward Bend (Uttanasana): Bend forward from the hips, letting your head touch the knees. This pose helps release tension in the neck, shoulders, and back.

Legs Up the Wall (Viparita Karani): Lie on your back with legs up against a wall. This pose promotes relaxation, improves circulation, and reduces fatigue.

Theni

Winston Roy
Senior Manager
Resources Section
Regional Office, Theni

Theni District is one of the 38 districts of Tamil Nadu state in India. Well protected by the scenic hill locks, the district is located besides Madurai district. The town of Theni is the district headquarters. The hilly areas are constituted by parts of the five taluk's Theni, Bodinayakanur, Periyakulam, Uthamapalayam and Andipatti with thick vegetation and perennial streams from the hills on the western side and Cumbum valley which lies in Uthamapalayam taluk. As of 2011, Theni district had a population of 1,245,899 with a sex ratio of 980 females for every 1,000 males.

District At a Glance

District	:	Theni
Head Quarters	:	Theni
State	:	Tamil Nadu
Total Area	:	3242.3 Sq.Kms
Nearby Places	:	Madurai (75 Kms), Dindigul (75 Kms) Munnar (84 Kms), Kumily (64 Kms) Thekkady (65 Kms)

Culture & Heritage

Important Festivals

- Veerapandi Gowmariamman festival (April– May)
- Kuchanur Arulmigu Suyambu Saneeswara Bhagavan Adi festival (July-August)
- Andipatti Sri Mavoothu Vellapar Chitirai festival (April-May)
- Devadanapatti Sri Moongil Anai Kamakshi amman Temple festival (Feb–March)
- Suruli Vellappar festival (May)
- Bodinayakkanur Paramasivan kovil festival (April)
- Lower camp Kannaki kovil festival (May)

Important Places to Visit

Megamalai Wild Life

Megamalai is also called as ''Paccha Kumachi'' which means green peak is at 1500 mts above sea level, altitude. During British period this was popularly called as High Wavy Mountain. Since the peak is covered with clouds always, locals call it as Megamalai. (Theni to Megamalai 50 km).

Suruli Falls

Suruli falls, is located 56 km from Theni and 10 km from Cumbum in the Theni District in Tamil Nadu. It is a 2 stage Cascading water fall. The Suruli River supplying the falls originates from the Meghamalai mountain range.

Megamalai Chinna Suruli

Cloud Land Falls (Chinna Suruli) is situted 54 kms from Theni near Kombaithozhu Village. These falls originate in the Megamalai. This is popularly known as Chinna Suruli.

Kurangani Top Station

Kurangani and Top station Kurangani is situated in the Western Ghats at an attitude of 400 ft.-6500 ft. It is promoted as a new tourism model – endogenous spices tourism. Kolukkumalai is the highest tea estate in the world. It is situated in precipitous ledge atop Kurangani. The entire Kurangani Region is storehouse of rich biodiversity. Nearest airport is Madurai which is 106 away from Kurangani. Kurangani is 16 Kms from Bodinayakanur.

Kumbakarai Falls

Kumbakkarai Falls are lesser known falls in the foothills of the Kodaikanal Hills. They are located at 9 kilometers from Periyakulam.

Bodi Mettu

Bodi Mettu is located near Kerala border. It is 10 km from Poopara on the way to Bodinayakkanur by the side of National Highway 85, which runs from Madurai to Kochi.

Sanneswarer Temple

This is a temple situated at Kuchanur which is meant solely for Lord Saneeswara Bhagawan. The Lord is seen in swayambhu (self-appeared) form. In front of this temple the perennial river Surabi flows which carries the waters of Periyar river and Suruliyaru. There is a separate temple for guru which faces north direction hence this temple is known as Vadaguru temple.

Veerapandi Gowmariamman temple

A 14th Century Temple built by King Veerapandi of Pandya Dynasty is the famous temple here. It is believed that the king got back his vision after sincere and devoted prayer to Gowmariamman and Kanneeswara-mudaiyar. Mullai River, a perennial source of water flows close to the temple (8 Kms from Theni)

Vaigai Dam

Vaigai Dam Built across the majestic River Vaigai near Andipatti with a height of 111 feet can store 71 feet of water. It is 7 km from Andipatti and 25 kms from Theni .

Important Activities:

Agriculture is the mainstay of life for the major population of Theni. Majority of our Advances Portfolio is also contributed by them. Major horticulture crops cultivated in this district are fruit crops like Mango, Banana, Grapes, Guava and Aonla, tropical vegetables like lady's finger, tomato, brinjal, onion, temperate vegetables like cauliflower, beetroot and knol-khol, spices and condiments like pepper, cardamom and plantation crops like coffee and tea. Cardamom spices grown in Bodinayakanur also have a huge demand in market. Climate prevailing in the region suits well for the growth of Grapes and Cardamom.

An exclusive Spices Board e-auction centre is located at Bodinayakanur for promoting Spices products .

Kolukkumalai and Meghamalai Tea Estates are among the premier south Indian Tea Factories developing products at global standards.

Transportation:

Air : The nearest International airport is Madurai Airport (75 km).

Rail : The nearest Railway station is Madurai 70 km and Dindugul (80 km) apart from having Railway Station at Theni itself.

Road : Four important National Highways, which are Theni to Kumuli, Theni to Munnar, Theni to Madurai, Theni to Dindugul.

OUR BANK

We have 24 Branches in Theni District which includes 20 Semiurban and 4 Rural Branches and also one MSME Sulabh, RAH and Currency Chest and having Regional Office at the Centre of the City . We are also the Lead Bank of the District.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

दिसंबर और जनवरी

अंशू चौधरी
वरिष्ठ प्रबंधक
एमसीसीडब्ल्यू विभाग, प्र.का

कितना अजीब है ना,
दिसंबर और जनवरी का रिश्ता?
जैसे पुरानी यादों और नए वादों का किस्सा...

दोनों काफ़ी नाज़ुक हैं
दोनो में गहराई है,
दोनों वक़्त के राही हैं,
दोनों ने ठोकर खायी है...

यूँ तो दोनों का है
वही चेहरा–वही रंग,
उतनी ही तारीखें और
उतनी ही ठंड...

पर पहचान अलग है दोनों की
अलग है अंदाज़ और
अलग हैं ढंग...

एक अन्त है,
एक शुरुआत
जैसे रात से सुबह,
और सुबह से रात...

एक में याद है
दूसरे में आस,
एक को है तजुर्बा,
दूसरे को विश्वास...
दोनों जुड़े हुए हैं ऐसे
धागे के दो छोर के जैसे,
पर देखो दूर रहकर भी
साथ निभाते हैं कैसे...

जो दिसंबर छोड़ के जाता है
उसे जनवरी अपनाता है,
और जो जनवरी के वादे हैं
उन्हें दिसंबर निभाता है...

कैसे जनवरी से
दिसंबर के सफर में
11 महीने लग जाते हैं...

लेकिन दिसंबर से जनवरी बस
1 पल में पहुंच जाते हैं!!
जब ये दूर जाते हैं
तो हाल बदल देते हैं,
और जब पास आते हैं
तो साल बदल देते हैं...

देखने में ये साल के महज़
दो महीने ही तो लगते हैं, लेकिन...

सब कुछ बिखेरने और समेटने
का वो कायदा भी रखते हैं...

दोनों ने मिलकर ही तो
बाकी महीनों को बांध रखा है,
अपनी जुदाई को दुनिया के लिए
एक त्यौहार बना रखा है..!

Tamil Nadu – The land of spiritual serenity!

Dhanya Palani Yadav
SWO-A
Bandra Kurla Complex
Mumbai

Being a Tamilian, born and brought up in Mumbai, Tamil and Tamil Nadu have always been alluring to me. Tamil Nadu immediately reminds me of my grandparents and the summer vacations we used to spend as children there. The long train journeys, swimming in the rivers, the green paddy fields, the waterfalls where we used to play with our cousins fills me with nostalgia.

My grandfather would take us to different temples and I would be filled with wonder by the magnificent temples and their awe-inspiring architecture. Rightly called the 'Land of Temples', Tamil Nadu is home to Madurai Meenakshi Amman Temple, Thanjavur Brihadeeswara Temple, Chidambaram Nataraja temple and almost 33,000 beautiful places of worship. The majestic temple gopurams and pillars add an aesthetic touch to these temples. The ancient temples tell tales of timeless wisdom and devotion, which my grandparents used to narrate.

My grandfather would tell us about the rich heritage of Tamil Nadu which further piqued my interest in learning the Tamil language and our culture. He would tell us that the Chera, Chola and Pandya dynasties are the heart of the Dravidian civilization. Tamilians, members of the Dravidian civilization, have contributed immensely to the fields of astronomy, mathematics and science. Tamil Nadu has a rich history of art, architecture, literature, cuisine, music and dance. Classical literature or the Sangam literature has contributed significantly to the cultural legacy, influencing the region's heritage. One of the oldest languages in the world, the richness of Tamil literature lies in its philosophical and spiritual essence. Notable among these is the Thirukkural written by Thiruvalluvar, which is a classical Tamil treatise on the art of living.

I learned Bharatnatyam, a classical dance form that originated in Tamil Nadu, because I was fascinated by the intricate footwork, grace and artistic expressions. The heart of Tamil Nadu beats with the rhythm of classical music and folk music. Tamil cinema also known as Kollywood is popular for exploring deep-rooted social, cultural, and political themes, that finds resonance with both local and international audience. Kanchipuram silk sarees and handloom artistic weaving known for its detailed beautiful designs are popular worldwide. Tanjore paintings and dolls are known for their creativity.

From breath taking landscapes to rich marine bio diversity, Tamil Nadu is a paradise for nature lovers and attracts tourists round the year. The majestic Nilgiris and the spectacular Bay of Bengal makes Tamil Nadu amazingly diverse. Tamil Nadu has hill stations like Ooty and Kodaikanal, pristine beaches like the Mahabalipuram beach and Marina Beach in Chennai that is the world's second longest beach, forts like the Vellore fort, sanctuaries like the Mudumalai National Park and monuments like the Thiruvalluvar statue and Vivekananda Memorial. The sunrise and sunset at Kanyakumari are a sight to behold, that is also popular for the Triveni Sangam which witnesses a transcendental blend of the Arabian Sea, the Bay of Bengal and the Indian Ocean. Rameswaram also known as the 'Varanasi

of the South' is an island paradise. Tourists visiting Tamil Nadu will definitely garner memories of a lifetime.

Tamilians around the world celebrate Pongal which is the winter harvest festival, during the Thai month of the Tamil Solar calendar, around mid-January. A time of the year when rice, turmeric and sugarcane are harvested, Tamilians of all religions celebrate the festival with a sense of gratitude. A celebration to thank the Sun, Nature and the animals that help to contribute to the year's harvest, Pongal is a secular Thanksgiving festival of prosperity.

Popularly called as 'Tamizhar Thirunaal' (An auspicious day for Tamilians), Pongal is celebrated across 4 days:

1. **Bhogi Pongal:** This is a day to celebrate Lord Indira or the Rain God for a bountiful harvest. On this first day of Pongal, people clean their homes by discarding the old and broken items and toss them into a bonfire traditionally made of wood and cow dung cakes.
2. **Thai Pongal or Surya Pongal:** On this day, rice and milk are boiled together in an earthen pot, to which a turmeric plant is tied, out in the open facing east direction, as an offering to Sun God. Sugarcane, coconuts and bananas are also offered to Sun God. Kolam or the traditional rangoli is made at the entrance of the house with rice powder.
3. **Mattu Pongal:** Mattu Pongal is celebrated to thank the cattle. The cattle are adorned with bells and garlands and are worshipped.
4. **Kaanum Pongal:** Kaanum Pongal marks the last day of Pongal. On this day, relatives and guests visit each other and seek the blessings of the elder members of the family.

The various delicacies prepared especially during Pongal are:

1. **Sakkarai Pongal** : A sweet dish made with rice, jaggery, milk, ghee and topped with cashew nuts, raisins and cardamom, it is offered to Sun God. A popular dish served to guests during the Pongal festival, it is traditionally prepared in an earthen pot.
2. **Pongal Kuzhambu :** Fresh mixed vegetable curry, all harvested from the farm, cooked in coconut and tamarind-based gravy, it is a flavourful and nutritious specialty.

Pongal rice, Sambhar, Rasam, Poriyal, Pongal Kuzhambu, Sakkarai Pongal all form a part of the lavish feast, served hot on a banana leaf - the aroma and taste of which, lingers on the tongue long after the Pongal meal.

I hail from Tirunelveli, which is very popular for its halwa. Made of wheat, sugar, ghee, milk, and flavoured with cardamom and saffron, Tirunelveli halwa is known for its unique jelly-like texture and mouth-watering taste. The dish has a long history dating back to the 18th century.

The folk culture of Tamil Nadu has a long history too. Various martial arts including Silambam, Malyutham are part of the folk culture of Tamil Nadu. Thavil, Udukkai, Veenai, Nadaswaram are popular musical instruments. Kummi is a folk dance, in which women dressed in colourful sarees, clap and dance in circles to the rhythmic beating of drums. The dancers imitate different harvesting activities accompanied by songs called 'Kummi' songs. Additionally, Karakattam, Kavadi aattam, Mayil aatam, Poikkal Kudhirai aatam are popular during temple festivals. Theru koothu, meaning street play, represents the traditional folk drama of Tamil Nadu. Koovagam festival is one of the unique festivals in Tamil Nadu, where thousands of transgenders gather to celebrate their identities.

I believe that a language is a treasure house of thousands of years of civilization. Having learned to read and write in Tamil, in addition to speaking the language has enabled me to feel pride about the rich heritage of my roots. Preserving the wisdom, culture, tradition and language is our responsibility to carry the legacy forward.

*****

ईश्वर तू ही अन्नदाता है

रुचि जैन
अधिकारी
इंदौर विजयनगर 54 शाखा

किसी राज्य में एक प्रतापी राजा हुआ करता था। राजा रोज सुबह उठकर पूजा पाठ करता और गरीबों को दान देता। अपने इस उदार व्यवहार और दया की भावना की वजह से राजा पूरी जनता में बहुत लोक प्रिय हो गया था।

रोज सुबह दरबार खुलते ही राजा के यहाँ गरीब और भिखारियों की लंबी लाइन लग जाती थी। राजा हर इंसान को संतुष्ट करके भेजते थे। किशन और गोपाल नाम के दो गरीब भिखारी रोज राजा के यहाँ दान लेने आते।

राजा जब किशन को दान देता तो किशन राजा की बहुत वाहवाही करता और राजा को दुआएं देता। वहीं जब राजा गोपाल को दान देता तो वह हर बार एक ही बात बोलता – हे ईश्वर तू बड़ा दयालु है, तूने मुझे इतना सबकुछ दिया। राजा को उसकी बात थोड़ी बुरी लगती। राजा सोचता कि दान मैं देता हूँ और ये गुणगान ईश्वर का करता है।

एक दिन राजकुमारी का जन्मदिन था। उस दिन राजा ने दिल खोल कर दान दिया। जब किशन और गोपाल का नंबर आया तो राजा ने पहले किशन को दान दिया और किशन राजा के गुणगान करने लगा लेकिन राजा ने जैसे ही गोपाल को दान दिया वो हाथ ऊपर उठा के बोला – हे ईश्वर, तू ही अन्नदाता है, आज तूने मुझे इतना दिया इसके लिए प्रभु तुझे धन्यवाद देता हूँ।

राजा को यह सुनकर बड़ा गुस्सा आया उसने कहा कि गोपाल, मैं रोज तुम्हें दान देता हूँ फिर तुम मेरे बजाय ईश्वर का गुणगान क्यों करते हो ? गोपाल बोला, राजन देने वाला तो ऊपर बैठा है, वही सबका अन्नदाता है, आपका भी और मेरा भी, यह कहकर गोपाल वहाँ से चला गया। अब राजा ने गोपाल को सबक सिखाने की सोची।

अगले दिन जब किशन और गोपाल का नंबर आया तो राजा ने किशन को दान दिया और कहा किशन मुझे गोपाल से कुछ बात करनी है, इसलिए तुम जाओ और गोपाल को यहीं छोड़ जाओ, और हाँ आज तुम अपने पुराने रास्ते से मत जाना आज तुमको राजमहल के किनारे से जाना है जहाँ से सिर्फ मैं गुजरता हूँ।

किशन ख़ुशी ख़ुशी दान लेकर चला गया। राजमहल के किनारे का रास्ता बड़ा ही शानदार और खुशबु भरा था। संयोग से राजा ने उस रास्ते में एक चांदी के सिक्कों से भरा घड़ा रखवा दिया था। लेकिन किशन आज अपनी मस्ती में मस्त था वो सोच रहा था कि राजा की मुझपर बड़ी कृपा हुई है जो मुझको अपने राजमहल के रास्ते से गुज़रने का मौका दिया है। यहाँ से तो मैं अगर आँख बंद करके भी चलूं तो भी कोई परेशानी नहीं होगी।

यही सोचकर किशन आँखें बंद करके रास्ते से गुजर गया जिस कारण उसकी नजर चांदी के सिक्कों से भरे घड़े पर नहीं पड़ी। थोड़ी देर बाद राजा ने गोपाल से कहा कि अब तुम जाओ क्योंकि किशन अब जा चुका होगा लेकिन तुमको भी उसी रास्ते से जाना है जिससे किशन गया है।

गोपाल धीमे क़दमों से ईश्वर का धन्यवाद करते हुए आगे बढ़ चला। अभी थोड़ी दूर ही गया होगा कि उसकी नजर चांदी के सिक्कों से भरे घड़े पर पड़ी। गोपाल घड़ा पाकर बड़ा खुश हुआ उसने कहा – "ईश्वर तेरी मुझ पर बड़ी अनुकंपा है तूने मुझे इतना धन दिया" और वो घड़ा लेकर घर चला गया।

अगले दिन फिर से जब गोपाल और किशन का नंबर आया तो राजा को लगा कि किशन घड़ा ले जा चुका होगा इसलिए उसने किशन से पूछा – क्यों किशन? कल का रास्ता कैसा रहा? राह में कुछ मिला या नहीं ?

किशन ने कहा – महाराज रास्ता इतना सुन्दर था कि मैं तो आँखें बंद करके घर चला गया लेकिन कुछ मिला तो नहीं। फिर राजा ने गोपाल से पूछा तो उसने बताया कि राजा कल मुझे चांदी के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला, ईश्वर ने मुझपे बड़ी कृपा की।

राजा को किशन पर बड़ा गुस्सा हुआ उसने कहा कि आज मैं तुझे धन नहीं दूंगा बल्कि एक तरबूज दूंगा, किशन बेचारा परेशान तो था लेकिन कहता भी तो क्या? चुपचाप तरबूज लेकर चल पड़ा। उधर राजा ने गोपाल को रोजाना की तरह कुछ धन दान में दिया।

किशन ने सोचा कि इस तरबूज का मैं क्या करूँगा और यही सोचकर वो अपना तरबूज एक फल वाले को बेच गया। अब जब गोपाल रास्ते से गुजरा उसने सोचा कि घर कुछ खाने को तो है नहीं क्यों ना बच्चों के लिए एक तरबूज ले लिया जाये। तो गोपाल फल बेचने वाले से वही तरबूज खरीद लाया जिसे किशन बेच गया था।

अब जैसे ही घर आकर गोपाल ने उस तरबूज को काटा तो देखा उसके अंदर सोने के सिक्के भरे हुए थे। गोपाल ये देखकर बड़ा प्रसन्न हुआ और ईश्वर का धन्यवाद देते हुए बोला – "हे ईश्वर आज तूने मेरी गरीबी दूर कर दी, तू बड़ा दयालु है सबका अन्नदाता है"।

अगले दिन जब राजा दान दे रहा था तो उसने देखा कि केवल अकेला किशन ही आया है गोपाल नहीं आया। उसने किशन से पूछा तो किशन ने बताया कि कल भगवान की कृपा से गोपाल को एक तरबूज मिला जिसके अंदर सोने के सिक्के भरे हुए थे वह गोपाल तो अब संपन्न इंसान हो चुका है।

किशन की बात सुनकर राजा ने भी अपने हाथ आसमान की ओर उठाये और बोला – * हे ईश्वर वाकई तू ही अन्नदाता है, मैं तो मात्र एक जरिया हूँ, तू ही सबका पालनहार है * राजा को अब सारी बात समझ आ चुकी थी।

*****

Poem

Ponderings of a trapped soul

Winnie J Panicker
Manager
HM& L Section
HR Wing, Head Office

As the rusty cabins where the soul is held
Gripped and chained like breathless birds
A voice that seems choked and dry
Tries to scream out its words, heavy, but creaked.

As silence engulfs and suffocates the ears
The creaks that are feeble are heard in fear
Those arms try to break the chains
And burst out into the world of ignorance.

A streak of hope within the soul
That is left empty to be filled in full
There are faces that hide behind armours
Those seem strong and rigid but are just masks.

The rays have now engulfed the darkness
And the vision is now subtly clear
The senses are open and slowly,
The strings that held the soul broke, setting it free.

विकसित भारत : विजन 2047

राज तिलक पांडेय
वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, राँची

देश जब 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ, तब से अब तक निरंतर ही विकास के पथ पर अग्रसर है। सैकड़ों वर्षों के अत्याचार के बाद आज स्वतंत्र और स्वाभिमान से गौरवान्वित हमारा भारत देश विश्व के विकास का पथ प्रदर्शक बना हुआ है। हमारा देश शीघ्र ही महाशक्ति बनने जा रहा है। वर्ष 2022 से 2047 तक का समय अमृत काल है जो हमारे देश को विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने का समय है। अमृत काल का लक्ष्य एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जहाँ सुविधाओं का स्तर ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों को बाँट ना रहा हो, जहाँ हर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद हो और जहाँ सरकार नागरिकों के जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप ना करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें प्रधानमंत्री जी के मंत्र 'सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास।' को अपनाना होगा। – इस प्रयास के साथ भारत वर्ष 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ एक वैश्विक महाशक्ति होगा।

विज़न इंडिया @2047 योजना के अंतर्गत देश के विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग इस विचार– मंथन में लगे हुए हैं कि देश को विकास के वर्तमान स्तर से उस स्तर पर ले जाया जाए जिसकी परिकल्पना और महत्वकांक्षा की गई है। इसके अंतर्गत देश के प्रमुख नीति थिंक टैंक नीति आयोग के द्वारा अगले 25 वर्षों के लिए भारत के विकास का एक खाका तैयार करना है। इस परियोजना का लक्ष्य हमारे देश को नवाचार एवं प्रौद्योगिकी में विश्व का अग्रणी देश बनाना है जो मानव विकास, सामाजिक कल्याण के साथ पर्यावरणीय स्थिरता का प्रबल समर्थक होगा।

विज़न 2047 का लक्ष्य भारत को एक विकसित देश बनाना है और साथ ही इन निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है –

- भारतीय अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर का बनाना
- प्रति व्यक्ति आय को 20 हजार डॉलर तक पहुँचाना
- मज़बूत सार्वजनिक क्षेत्र का विकास
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं का निर्माण
- भारत को वैश्विक बाज़ार के रूप में केंद्रित करना
- शिक्षा क्षेत्र का विकास
- स्वास्थ्य क्षेत्र का विकास
- युवा कौशल विकास
- कार्यस्थल में लैंगिक समानता
- शासन में डिजिटल परिवर्तन

आज भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में भारत को 60 वर्ष का समय लगा। लेकिन अब हर पाँच साल में हम अपनी अर्थव्यवस्था में एक ट्रिलियन डॉलर का इजाफा कर रहें हैं और आने वाले वर्षों में हम यही इजाफा हर दो साल में करेंगे और फिर हर एक साल में। यह वस्तु एवं सेवा कर और दिवाला एवं शोधन असमता संहिता जैसे संरचनात्मक सुधारों का परिणाम है कि आज देश में अब तक का सबसे अधिक वार्षिक एफडीआई प्रवाह दर्ज किया गया है। देश और बाज़ार के बीच एक बेहतर तालमेल बनाने से भारत को एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने में मदद मिलेगी। आर्थिक विस्तार को तीव्र गति देने से वर्ष 2030 तक भारत का जीडीपी आकार में जापान के जीडीपी से अधिक हो जाएगा और वर्ष 2047 तक हम 30 ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे।

भारत में प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में निम्न मध्यम आय वाले

देशों में सबसे कम है यहां तक कि हमारा पड़ोसी देश बांग्लादेश भी इस मामले में हमसे आगे है। विगत के कुछ वर्षों में भारत के कार्यबल एवं करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। करदाताओं की संख्या में सात गुणा वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2013 में यह सिर्फ 21 लाख थी वह आज बढ़कर 8.5 करोड़ पहुँच गयी है। सरकार 3 तरीकों से प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में सुधार कर सकती है –

- **किसानों की आय में वृद्धि :** देश की 40% आबादी खेती से जुड़ी है। कृषि उत्पादों के मूल्य क़ो किसानों के हाथ में दे देने से वो अपनी उपज़ को अधिक बोली लगाने वाले को बेच सकते हैं, जिससे किसानों को उच्च आय प्राप्त करने की अनुमति मिलेगी। किसानों की समृद्धि से भारत के अन्य क्षेत्र भी समृद्ध होते हैं ।

- **बुनियादी ढाँचे का विकास :** प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए सरकारी खर्च आवश्यक है। नए निर्माण और मरम्मत पर पैसा खर्च करके सरकार अपने नागरिकों को सुविधा प्रदान करेगी और इससे निर्माण क्षेत्र में नौकरियाँ पैदा होंगी। उच्च वेतन भुगतान करने के लिए सरकार ज्यादा धन का उपयोग करेगी जिससे निजी खपत एक बार फिर बढ़ेगा। इन कारणों से व्यवसायिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। सरकार द्वारा एक निश्चित राशि खर्च करने से देश को आर्थिक वृद्धि का लाभ मिलेगा।

- **उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा :** भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, ऑटोमोबाइल और हार्डवेयर के क्षेत्रों में अपने आप को एक प्रतिस्पर्धी निर्माता एवं निर्यातक के रूप में स्थापित करना होगा। आज इन क्षेत्रों में भारत का योगदान वैश्विक निर्यात का केवल 1.5% है । इन क्षेत्रों में विकास से भारत अपनी निर्यात क्षमता को बढ़ा सकता है और अपने आयात को भी कम कर सकता है। इससे देशवासी विदेशी सामान पर अपने खर्च पर अंकुश लगा सकते हैं।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र और बुनियादी ढाँचे के विकास पर वर्ष 2024 से 2030 तक 140 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा है। यह आर्थिक वृद्धि का सबसे बड़ा चालक होगा जिसमें विकास के कई पहल शामिल हैं :

- **भारतमाला परियोजना :** इस परियोजना के माध्यम से 66,100 किलोमीटर अतिरिक्त सड़क नेटवर्क का निर्माण करना है जिसमें एक्सप्रेस वे, आर्थिक गलियारा और अंतरराष्ट्रीय सीमा सड़कों का निर्माण शामिल है ।

- **सभी को घर :** इस योजना का उदेश्य सभी को घर मुहैया कराना और विकास में बाधा डालने वाले घटकों को कम करना है ।

- **सार्वजनिक–निजी भागीदारी :** पीपीपी सरकारी परियोजनाओं को स्व वित्तपोषण से पूरा करने की अनुमति देता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे का आर्थिक विकास के साथ दोतरफा संबंध है। इन्फ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है और आर्थिक विकास से बुनियादी ढाँचे में बदलाव आता है। बिजली, पानी, परिवहन जैसी बुनियादी ढाँचागत सुविधाएँ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर सरकार बुनियादी ढाँचे के विकास पर 1% खर्च करती है तो इससे सकल घरेलू उत्पाद में 1% की वृद्धि दर्ज होती है ।

शिक्षा व्यवस्था में देश प्रेम के पाठ को अनिवार्य कर देना चाहिए और साथ ही हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को हमारे आदर्शों के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में उनके चरित्र की महानता को भारतीय भाषाओं में पढ़ाया जाना चहिए। इतिहास की सच्चाई को सबके सामने रखा जाना चाहिए। शिक्षा के साथ–साथ लोगों के स्वास्थ्य पर देश को अपनी जीडीपी का कम से कम 3% व्यय करना होगा। इसके साथ–साथ राज्यों को अपने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में बहुत सुधार लाना होगा। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रणाली के साथ ही कौशल विकास पर ध्यान देने की ज़रुरत है। देश के छात्रों को उद्योग आधरित आवश्यक कौशल प्रदान करना चाहिए। छात्रों को परंपरागत शिक्षा से हटकर सोचने, नवोन्मेषी कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपने कौशल का उपयोग करना सिखाना होगा ।

कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता किसी भी देश के व्यवसाय के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें कार्यस्थलों में विविधता

बढ़ाने और लैंगिक भेदभाव कम करने का प्रयास करना होगा, इससे उत्पादकता बढ़ेगी, संघर्ष कम होगा और प्रत्येक कर्मचारी को समान अवसर प्राप्त होगा। सरकार के सभी अंग चाहे वो केंद्र हो या राज्य दोनों को नागरिकों के सभी वर्ग को साथ लेकर चलना होगा। भारत को अपने श्रम एवं पूँजी बाजार में महत्वपूर्ण सुधार करना होगा। चाहे वह कृषि सुधार हो या श्रम सुधार या फिर न्यायिक सुधार, हर सुधार अति महत्वपूर्ण है। विकास के साथ ही सामाजिक कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरुरत है। गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर विकास के लिए सामूहिक प्रण एवं प्रयास की जरुरत है। एकता एवं एकजुटता ही विकास की राह आसान बनाती है। अगले 25 वर्ष में अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाने का प्रण हर भारतीय को लेना चाहिए। अगले 25 साल हमारे देश और हम सब के लिए अतिमहत्वपूर्ण है। चुनौतियाँ अनगिनत हैं, पर उन्हें पार करने में हम सब सक्षम भी हैं। इस दिशा में हम सब सरकार के साथ मिलकर एक लक्ष्य– विकसित भारत के लिए प्रयास करें और इसे सफल बनाएं।

*****

कविता

कृतज्ञता

लवली कुमारी
अधिकारी
अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

कृतज्ञता की गहराइयों में छिपा है वो ज्ञान,
जो सदा हमें सिखाता है, जीवन का अर्थ महान।
धन्यवाद की भावना से यह अलग, और भी गहरे,
दिल के कोने से उठती इसकी मधुर लहरें।

सूरज की किरणों सी चमकती, कृतज्ञता की रोशनी,
अंधेरे को चीर, लाती जीवन में खुशियों की नई वाणी।
सहजता से यह फैलती, बन जाती हर दिल की पहचान,
विश्वास और प्रेम से भरी, यह जीवन की अनमोल दास्तान।

कृतज्ञता की आशा में, जीवन का हर पथ उजला होता है,
हर दिल में धन्यवाद की मिठास से प्यार खिलता है।
इस अद्भुत भावना के संग, जीवन का हर पल संवर जाता है,
कृतज्ञ होने का अनुभव, हर दिन को और खास बनाता है।

कृतज्ञता की महिमा से, जुड़ते हैं हम सब एक साथ,
जीवन की इस गाथा में, बुनते हैं प्रेम की सौगात।
इस प्रेम मय सौंदर्य में, हम सभी मिलकर गाते हैं,
कृतज्ञता का गीत हमें, हर पल नया आयाम दिखाते हैं।

Wisdom Capsule

The Tale of Two Wolves:

Once upon a time, an old Cherokee Chief was teaching his grandson about life. "A fierce battle is going on inside me," he said to the boy. "It is a terrible fight between two wolves. One wolf represents fear, anger, envy, sorrow, regret, greed, arrogance, self-pity, guilt, resentment, inferiority, lies, false pride, superiority, and ego. The other wolf stands for joy, peace, love, hope, serenity, humility, kindness, benevolence, empathy, generosity, truth, compassion, and faith." The grandson sat quietly, thinking about the wolves' intense struggle within his grandfather. After a moment, the young boy looked up at his grandfather and asked, "Which wolf will win?" The old chief simply replied, "The one you feed. "This timeless tale reminds us that in life, we constantly face choices between positive and negative influences

The moral of the story is that our thoughts, actions, and choices shape who we are. By feeding positive qualities such as love, compassion, and humility, we cultivate a better version of ourselves. Conversely, nurturing negative emotions like anger, greed, or envy can lead us down a darker path. It encourages us to be mindful of the aspects we choose to "feed" in our lives and emphasizes the power we have to shape our character and destiny through our daily decisions.

Baby's corner

Mitakshara Shekhawat

Daughter of
Sri. Chandra Mohan S Shekawat
Senior Manager, IT Wing, Mumbai
and
Smt. Kamod Bhati

'A Traditional Healthy Village Food of Tamil Nadu'

Black Urad Dal Rice and Coriander Seed Chutney

(Ulundhu Saadam & Dhania Tovayal)

Sowmya
Officer
Specialised Govt. Business Branch
Trivandrum CO

This is one of the quickest, easiest and healthiest one pot meal

INGREDIENTS: (SERVES-3)

Unpolished rice – ½ cup

Split black gram – ½ cup

Garlic – 6 cloves

Grated coconut- 3 table spoon

Salt – As required

FOR GRINDING (CORIANDER SEED CHUTNEY)

Coriander seeds – 3 tablespoon

Urad dal (white) – 4 tablespoon

Red chilli – 5 nos

Tamarind – Small Gooseberry size

Grated coconut – 3 table spoon

Salt – As required

Oil- 1 tsp

PROCEDURE:

URAD DAL RICE:

- Dry roast the Split black urad dal in a kadai slightly until the flavor comes (Don't change the color of the dal)
- Wash the unpolished rice along with the dry roasted dal.
- In a cooker add the rice mixture, the pound garlic cloves and grated coconut.
- Add 2.5 cups water and salt to taste.
- Mix it well and close the lid and pressure cook for 3 whistles. The consistency should be little mushy and not too grainy.

CORIANDER SEED CHUTNEY:

- Roast coriander seed and urad dal with 1 tsp of oil.
- Add red chilies, tamarind and grated coconut and roast slightly.
- Transfer the ingredients to mixer jar. Add salt to taste
- Grind coarsely.

Black gram urad dal rice taken with coriander chutney gives good flavor and tastes excellent. This food is rich protein, calcium and other important minerals & vitamin B which improves the functioning of our nervous system and circulatory system. It is said to strengthen bones. Black gram rice taken along with curd also imparts an excellent flavour. This is the most favorite traditional village food of Tamil Nadu.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಕೆನರಾ ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in eternal peace.

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
R SAMPATH KUMAR	108446	OFFICER	PART OF HEAD OFFICE MANIPAL	17-05-2023
SHIVAJI MAHADEV MORE @CHAMBAR	652700	PEON	SANKESHWAR	14-09-2023
AJAY KUMAR	578266	PEON	DELHI DERAWAL NAGAR AZADPUR	20-09-2023
SUSHIL CHANDRA DAS	692683	H K CUM PEON	BARUIPUR	30-09-2023
SAYANIKA PAUL	120477	SWO - A	ULUBARI	08-10-2023
G RAJ KUMAR	826224	ARMED GUARD	HYDERABAD DEFENCE PEN DIS OFF	10-10-2023
VIKASH KUMAR	106208	OFFICER	BARWA	19-10-2023
A SEENU	809937	SWO - A	BRAHMAVAR	25-10-2023
RANCHOD M VAGHELA	478706	H K CUM PEON	AHMEDABAD NEW RANIP	30-10-2023
JAIRAM MOHANTY	121613	SWO - A	COIMBATORE PANKAJA MILLS	01-11-2023
PREM SAGAR SINGH	73424	ARMED GUARD	DURG	01-11-2023
RAJESHWARI	69858	H K CUM PEON	GHAZIABAD MALIWARA	03-11-2023
TARUN MONDAL	100229	H K CUM PEON	KUSBERIA	07-11-2023
RAMADAS K C	71204	H K CUM PEON	BENGALURU AVENUE ROAD	09-11-2023
MUDDAMMA	67121	H K CUM PEON	BYRENAHALLI	12-11-2023
RAKESH KUMAR	604668	H K CUM PEON	LUCKNOW ALIGANJ	13-11-2023
MCHINA GURAVAIAH	693389	PEON	GIDDALURU	16-11-2023
NARESH KUMAR	54781	H K CUM PEON	DELHI ACCOUNT SECTION	20-11-2023
VIJAYAKUMARAN T P	530154	PEON	TIRUR	29-11-2023
ANANDAN R	68486	H K CUM PEON	CHINNALAPATTI	29-11-2023
SUNIL KUMAR KHARWAR	67865	DAFTARY	AHIBARANPUR-LUCKNOW	05-12-2023
T K MUHAMMED KUTTY	72500	SWO - A	MANJERI GOVT MEDICAL COLLEGE	06-12-2023
RAJ KUMAR	57793	PEON	INDORE REGIONAL OFFICE	14-12-2023
SURESH G	67189	DAFTARY	SALUR	15-12-2023
S U SABARIGIRIVASAN	647764	PRO OFFICER	KAVANDAPADI	18-12-2023
SANJAY KUMAR SENAPATI	56419	G MANAGER	HEAD OFFICE BENGALURU	19-12-2023

From a Car Shed to the Corner Room & Beyond

— *S. RAMAN*

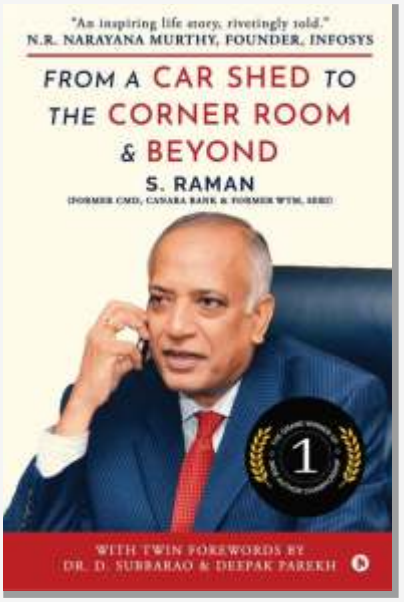

MRP: ₹599 | Pages: 432
Language: English | Genre: Anecdotes

"From a Car Shed to the Corner Room & Beyond" takes the reader through the journey of Sri. S Raman who started with humble beginnings, living in a car shed for about six years of his childhood, before gradually rising to head Canara Bank. The book artfully portrays personal reflections with career growth, offering readers a clear insight into the authors triumphs and setbacks. The book largely celebrates personal achievements and also sheds light into various aspects of leadership, mentorship, decision making powers and about guiding a massive organisation forward.

"Raman's is a remarkable story: but he is also a remarkable story teller" - mentions Dr. D Subbarao in his foreword. The candid representations of the journey of Sri. S Raman through a light, humorous and thought provoking narrating experience endures the reader, specially a banker to flip pages and read further. The career line is inspiring and wholesome. Sri. Raman mentions incidents with names of staff he has worked with and has taken utmost care in thanking all his mentors who helped him achieve success in his entire journey.

The author's deep interest in places, including geography and people, languages and customs, etc ushered him to work in varied locations with zeal and enthusiasm and to create wondrous accomplishments in all spheres of his work. The book encapsulates many minute leadership techniques, nitty-gritties of decision making, and even about maintaining our cool in challenging situations. Sri. S Raman has witnessed the entire spectrum of banking, spanning from traditional ledger systems to the contemporary digital age; and the book has a vast array of examples where he joyfully explains how he embraced the changes and challenges with resilience and adaptability. The narrative is not only about success; it also explains setbacks and illuminates how they were successfully overcome, providing a well-rounded perspective on the journey.

The use of simple language and practical examples ensures that any lay person and specially the target group (bankers/financial enthusiasts) can easily grasp its concepts and insights. The book also elucidates numerous changes within the financial industry, clarifying significant milestones that have shaped its trajectory. In short, the book is a captivating blend of anecdotes, personal experiences, explorations, and strategic career decisions.

By Winnie Panicker

दिनांक 13.12.2023 को टीएटी पेंडेंसी पर आयोजित बैठक के दौरान एमडी व सीईओ श्री के सत्यनारायण राजु का स्वागत करते हुए श्री बी चंद्र शेखर, महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय हैदराबाद।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju being welcomed by Sri. B Chandra Sekhara, GM, Hyderabad CO for the meeting on TAT Pendency held on 13.12.2023.

दिनांक 14.12.2023 को प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में आयोजित कन्नड़ राज्योत्सव के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती वी बी आरती, प्रसिद्ध लेखक, वक्ता एवं व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ के साथ उपस्थित एमडी व सीईओ श्री के सत्यनारायण राजु, कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी एवं श्री भवेंद्र कुमार, श्रीमती के कल्याणी, मु.म.प्र., परिचालन विभाग एवं अन्य कार्यपालकगण।

MD & CEO Sri K Satyanarayana Raju, EDs Sri Debashish Mukherjee and Sri Bhavendra Kumar, Smt K Kalyani, CGM, Operations Wing and other executives along with Chief Guest Smt V B Arathi, renowned writer, orator and personality development expert on Kannada Rajyotsava held at HO Bengaluru on 14.12.2023.

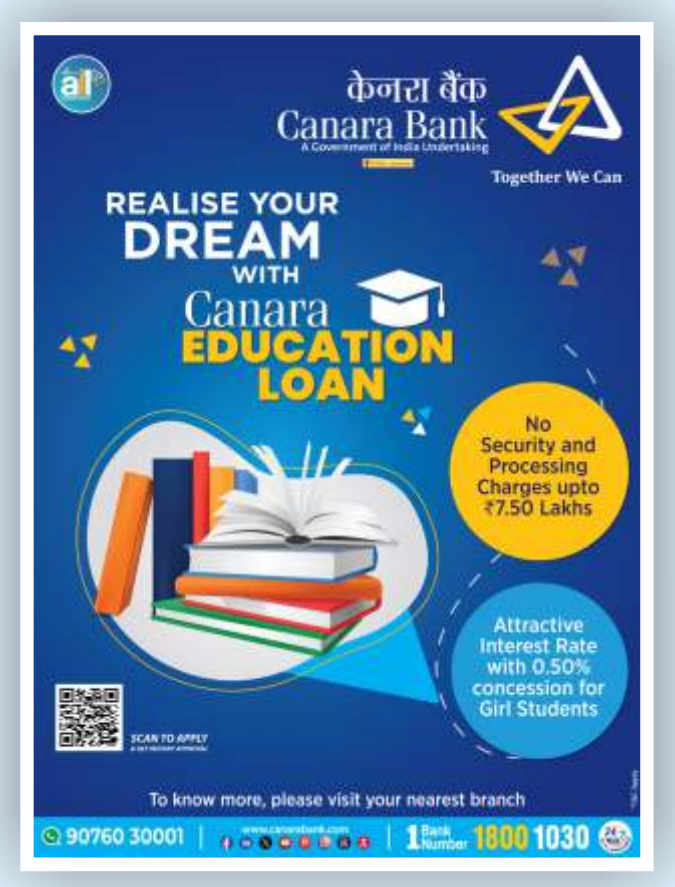

रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83